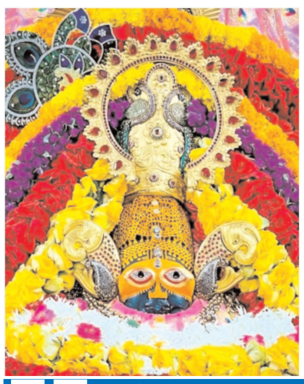
RNI No. GUJHIN/2010/35230

महानगर मेट्रो

राष्ट्रीय दैनिक समाचार पत्र

कार्यालय :- सी-8 रिची हाउस, स्वामी नारायण मंदिर के सामने मणिनगर अहमदाबाद गुजरात-380008

महानगर मेट्रो
राष्ट्रीय दैनिक हिन्दी समाचार पत्र, प्रेस नोट एवं विज्ञापन के लिए कार्यालय पर सम्पर्क करें
सरबजीत माकन
+91-9638877700
mahanagarmetro7@gmail.com

वर्ष :16 । अंक:11। पेज:12। mahanagarmetro7@gmail.com || अहमदाबाद, 07 सितम्बर 2026 (सोमवार) || सम्पादक - सरबजीत माकन (9638877700)।। मूल्य :- 1.50 रु.-/

सागर में जहरीली शराब से 11 मौतें

आठ गंभीर मरीज बीएमसी रेफर

ग्रामीण ने कहा- साथ शराब पी, फिर तेजी से बिगड़ी हालत

एजेंसी

सागर। मध्य प्रदेश के सागर जिले की बंडा तहसील के आसपास के गांवों में जहरीली शराब पीने से अब तक 11 लोगों की मौत हो चुकी है। 24 मरीजों का इलाज चल रहा है और आठ की हालत गंभीर बताई जा रही है। गंभीर मरीजों को बुंदेलखंड मेडिकल कॉलेज (बीएमसी), सागर रेफर किया गया है।

घटना की जानकारी मिलते ही कलेक्टर प्रतिभा पाल, एसपी अनुराग सुजानिया सहित वरिष्ठ प्रशासनिक और पुलिस अधिकारी मौके पर पहुंचे। अधिकारियों ने पीड़ित परिवारों से मुलाकात की और अस्पताल में भर्ती मरीजों के इलाज की व्यवस्था का जायजा लिया। प्रशासन ने प्रभावित गांवों में स्क्रीनिंग शुरू कर दी है। मृतकों

का आंकड़ा बढ़ने की आशंका भी जताई जा रही है। बताया जा रहा है कि शनिवार रात घूघर, नौराज, गूगरा खुर्द, बराज और आसपास के क्षेत्रों में कुछ लोगों ने शराब का सेवन किया था। इसके बाद कई लोगों की तबीयत अचानक बिगड़ गई। परिजन उन्हें बंडा सिविल अस्पताल लेकर पहुंचे, जहां जांच के बाद कुछ लोगों को डॉक्टरों ने मृत घोषित कर दिया। कई मरीजों को प्राथमिक उपचार के बाद सागर रेफर किया गया। अस्पताल पहुंचे मरीजों में कुछ के शरीर नीले पड़ने और अकड़न की शिकायत सामने आई। डॉक्टरों की निगरानी में मरीजों का इलाज किया जा रहा है। घटना के बाद रविवार सुबह से स्वास्थ्य विभाग की टीमें प्रभावित गांवों में पहुंचकर शराब का सेवन करने वाले लोगों की स्क्रीनिंग कर रही हैं। कलेक्टर प्रतिभा पाल ने लोगों से अपील की है कि जिन लोगों ने पिछले 24 से 48 घंटे में किसी भी तरह की शराब का सेवन किया है, वे लक्षण नहीं होने पर भी एहतियात के तौर पर स्क्रीनिंग कराएं। उल्टी, सिरदर्द, बुखार या तबीयत बिगड़ने जैसी शिकायत होने पर तत्काल नजदीकी स्वास्थ्य केंद्र या सिविल अस्पताल पहुंचने की सलाह दी गई है। बमुराबेड़ा गांव के रामकुमार दांगी ने बताया कि उनके गांव में भी चार लोगों की मौत हुई है। उनके अनुसार, कुछ लोगों ने साथ में शराब पी थी, जिसके बाद उनकी तबीयत तेजी से बिगड़ी। उन्होंने बताया कि शरीर ठंडा पड़ने और हालत बिगड़ने के बाद कुछ लोगों की जल्द ही मौत हो गई।

छह शराब दुकानों को सील किया, सैंपलिंग के निर्देश

घटना के बाद प्रशासन ने क्षेत्र में कार्रवाई तेज कर दी है। मौतों के बाद सागर कमिश्नर, आईजी, कलेक्टर और एसपी ग्राम नौराज और गूगरा खुर्द पहुंचे। अधिकारियों ने पीड़ित परिवारों से मुलाकात की और अस्पताल में भर्ती मरीजों के इलाज की व्यवस्था का जायजा लिया। अधिकारियों ने अवैध शराब के कारोबार से जुड़े लोगों के खिलाफ सख्त कानूनी कार्रवाई के निर्देश दिए हैं। एहतियात के तौर पर क्षेत्र की छह शराब दुकानों को सील किया गया है। शराब के सैंपल लेने के साथ ही उनकी जांच के निर्देश दिए गए हैं। बंडा में कानून-व्यवस्था बनाए रखने के लिए अतिरिक्त पुलिस बल भी तैनात किया गया है।

●कांग्रेस ने सरकार पर लगाया इसरो की भूमिका सीमित करने का आरोप

रमेश बोले- वैज्ञानिकों की मेहनत को निजी क्षेत्र को सौंपने चिंता की बात

एजेंसी

नई दिल्ली। कांग्रेस महासचिव और सांसद जयराम रमेश ने आरोप लगाया कि केन्द्र सरकार अंतरिक्ष क्षेत्र में निजी कंपनियों और स्टार्टअप को बढ़ावा देने के नाम पर भारतीय अंतरिक्ष अनुसंधान संगठन (इसरो) की भूमिका सीमित कर रही है। उन्होंने कहा कि छह दशकों में वैज्ञानिकों और इसरो कर्मचारियों की मेहनत से विकसित क्षमताओं को निजी क्षेत्र को सौंपने की प्रक्रिया गंभीर चिंता का विषय है।

जयराम रमेश ने रविवार को एक्स पर एक अखबार की कटिंग साझा की, जिसमें इसरो के नौ कर्मचारी संगठनों की ओर से निजीकरण को लेकर उठाए गए सवालों का उल्लेख है। साथ ही उन्होंने राज्यसभा में इसी मुद्दे पर दिए अपने पुराने राज्यसभा भाषण का वीडियो भी साझा किया। इसमें उन्होंने अंतरिक्ष कार्यक्रम के सार्वजनिक स्वरूप और वैज्ञानिक संस्थानों की स्वतंत्रता पर जोर दिया था।

जयराम रमेश ने कहा कि इसरो समुदाय के भीतर से निजीकरण को लेकर आवाज उठना सराहनीय है। उन्होंने हालिया जीएसएलवी प्रक्षेपण की सफलता का उल्लेख करते हुए कहा कि यह इसरो की क्षमता का प्रमाण है। उन्होंने कहा कि एक पूर्व इसरो अध्यक्ष ने भी निजीकरण को लेकर अपनी चिंताएं सामने रखी हैं और अन्य वैज्ञानिकों को भी चुप नहीं रहना चाहिए।

उन्होंने आरोप लगाया कि सरकार अंतरिक्ष कार्यक्रम में आक्रामक निजीकरण की दिशा में आगे बढ़ रही है। रॉकेट विकास और निर्माण में इसरो की भूमिका सीमित करने तथा उपग्रह संबंधी संसाधनों को निजी कंपनियों को हस्तांतरित करने की तैयारी है। उन्होंने तमिलनाडु के कुलशेखरपट्टिनम में बन रहे नए अंतरिक्ष प्रक्षेपण केंद्र और श्रीहरिकोटा के भविष्य को लेकर भी सवाल उठाए। जयराम रमेश ने कहा कि अंतरिक्ष क्षेत्र में निजी भागीदारी का समर्थन किया जा सकता है, लेकिन इसका मतलब इसरो को कमजोर करना नहीं होना चाहिए। इसरो देश की वैज्ञानिक विरासत है और भारत अपनी वैज्ञानिक रीढ़ के साथ समझौता नहीं कर सकता।

दिव्यांग की ट्राईसाइकिल बचाने में डंपर से भिड़ा टेंपो

दो बच्चों समेत पांच की गई जान

एजेंसी

संभल । उत्तर प्रदेश के संभल जिले में एक बड़ा सड़क हादसा हुआ है। बहजोई थाना इलाके के मुरादाबाद-आगरा हाईवे पर यह घटना हुई। रविवार सुबह करीब सवा आठ बजे गांव बमनेटा के निकट भीषण टक्कर हुई। दिव्यांग की ट्राईसाइकिल बचाने के प्रयास में सवारियों से भरा टेंपो डंपर से जा भिड़ा।

इस हादसे में दो मासूमों सहित पांच लोगों की दुखद मौत हो गई। वहीं, छह लोग गंभीर रूप से घायल हुए हैं। घायलों का बहजोई सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र में उपचार चल रहा है। पुलिस के आला अधिकारियों ने मौके पर पहुंचकर मामले की जानकारी ली

है। यह हादसा उस समय हुआ जब टेंपो चालक सौदान 11 सवारियों को लेकर बहजोई से चंदौसी जा रहा था। टेंपो बहजोई से डेढ़ किलोमीटर दूर गांव बमनेटा के पास पहुंचा था। टक्कर इतनी भीषण थी कि टेंपो के परखच्चे उड़ गए। डंपर भी सड़क किनारे पलट गया।

मृतकों की हुई पहचान

हादसे में टेंपो चालक सौदान की मौत हो गई। वह गांव सादातबाड़ी थाना बहजोई का निवासी था। रूवैद (25 वर्ष) निवासी मोहल्ला कुरैशियान थाना बहजोई भी मृतकों में शामिल है। रोहिणी (26 वर्ष) गांव परमानंदपुर थाना फैजगंज बेहटा जिला बदायूं की भी मृत्यु हो गई। मासूम ध्रुव (7 वर्ष) और उसकी तीन माह की बहन आराध्या की भी जान चली गई। ये दोनों गांव मऊ कठैर के निवासी थे।

प्रधानमंत्री मोदी दिल्ली मेट्रो में आम यात्रियों के बीच पहुंचे

●बच्चों को दी जीवनी पढ़ने की सीख

एजेंसी

नई दिल्ली। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने रविवार को लोक कल्याण मार्ग से मेट्रो यात्रा के दौरान आम सह-यात्रियों, स्कूली बच्चों और युवाओं से संवाद किया। प्रधानमंत्री ने एक्स पर साझा एक वीडियो में अनौपचारिक बातचीत में जहां एक तरफ शिक्षक दिवस और देश की प्रगति का जिक्र हुआ, वहीं प्रधानमंत्री ने छात्रों को किताबों से जुड़ने और जीवनियां पढ़ने की खास सलाह दी। इसके साथ ही उन्होंने अपने संसदीय क्षेत्र काशी (वाराणसी) में हुए बदलावों को लेकर भी यात्रियों से सीधा फीडबैक लिया। सफर के दौरान बच्चों और युवाओं से संवाद करते हुए प्रधानमंत्री ने

उनसे पूछा कि क्या वे देश की प्रगति पर चर्चा करते हैं और सामान्य किताबों के अलावा कुछ पढ़ते हैं। एक छात्र द्वारा सिर्फ उपन्यासों के अध्ययन की बात कहने पर प्रधानमंत्री मोदी ने उन्हें जीवनियां पढ़ने की सलाह दी। प्रधानमंत्री ने कहा, कोशिश करनी चाहिए कि ऑटोबायोग्राफी या बायोग्राफी पढ़ें। आप किसी खिलाड़ी की, किसी सिने कलाकार की या किसी वैज्ञानिक की जीवनी पढ़ सकते हैं... किसी की भी पढ़िए। उन्होंने वहां मौजूद एक छात्र से पाठ्यक्रम से इतर ऐसी प्रेरक पुस्तकें पढ़ने का (संकल्प) भी लिया। इसी दौरान एक छात्र ने प्रधानमंत्री के सम्मान में 'गुरुर ब्रह्मा गुरुर विष्णुः...' श्लोक भी सुनाया, जिस पर उन्होंने मुस्कुराते हुए उसका उत्साहवर्धन किया। बीएचयू से स्नातक और दिल्ली विश्वविद्यालय से वकालत (लॉ) करने वाली एक काशी की महिला यात्री से प्रधानमंत्री ने उनके संसदीय क्षेत्र में हुए अभूतपूर्व बदलावों और जमीनी हकीकत की जानकारी ली।

विनोद तावड़े ने मुख्यमंत्री योगी से की मुलाकात,कहा-

यूपी में तीसरी बार बनेगी एनडीए सरकार

एजेंसी

लखनऊ। भारतीय जनता पार्टी (भाजपा)के राष्ट्रीय महासचिव व उत्तर प्रदेश भाजपा के प्रभारी विनोद तावड़े और सह प्रभारी जगदीश पटेल ने रविवार को लखनऊ में मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ से मुलाकात की। उन्होंने मुख्यमंत्री से संगठन, सरकार एवं चुनाव से जुड़े विभिन्न विषयों पर विस्तार से चर्चा की।

मुख्यमंत्री से मुलाकात के बाद विनोद तावड़े ने अपने सोशल मीडिया पोस्ट में लिखा 'यूपी की रफ्तार रहेगी बरकरार, तीसरी बार बनेगी एनडीए

सरकार'। उन्होंने अपनी पोस्ट में लिखा कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व, भाजपा के राष्ट्रीय अध्यक्ष नितिन नवीन एवं गृहमंत्री अमित शाह के मार्गदर्शन में भाजपा का हर कार्यकर्ता 2027 में पुनः एनडीए सरकार बनाकर विकसित भारत-विकसित उत्तर प्रदेश के संकल्प को पूरा करने के लिए प्रतिबद्ध है। भाजपा के प्रदेश प्रभारी विनोद तावड़े ने उप मुख्यमंत्री

केशव प्रसाद मौर्य व उप मुख्यमंत्री ब्रजेश पाठक से भेंट कर चुके हैं। शनिवार को प्रदेश कार्यालय, लखनऊ में भाजपा के राष्ट्रीय महासचिव एवं उत्तर प्रदेश प्रभारी विनोद तावड़े , राष्ट्रीय मंत्री व सह प्रभारी जगदीश पटेल तथा प्रदेश महामंत्री (संगठन) धर्मपाल सिंह की उपस्थिति में प्रदेश महामंत्रियों के साथ समीक्षा बैठक की थी। बैठक में उन्होंने संगठन की गतिविधियों, चल रहे अभियानों की प्रगति, बूथ स्तर के सुदृढ़ीकरण तथा आगामी चुनावों की कार्ययोजना की विस्तृत समीक्षा करते हुए आवश्यक दिशा-निर्देश दिए।

बिहार के घायल छात्रों से मिले राहुल गांधी

साथ खड़े रहने का किया वादा

एजेंसी

नई दिल्ली। लोकसभा में विपक्ष के नेता राहुल गांधी ने बिहार में छात्र आंदोलन के दौरान पुलिस कार्रवाई में घायल हुए युवाओं से मुलाकात की। उन्होंने कहा कि इन छात्रों ने सिर्फ शिक्षा, रोजगार और जवाबदेही मांगी थी, लेकिन उनके साथ गोलीबारी कर दी गई। राहुल गांधी ने रविवार को सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म 'एक्स' पर एक वीडियो साझा किया। इस वीडियो में वह यहां अपने आवास पर बिहार के तीन घायल छात्रों से बातचीत करते दिख रहे हैं। इन छात्रों के नाम मोहम्मद आरिफ, बुलेट कुमार गौड़ और आकाश कुमार हैं। इनमें से बुलेट कुमार गौड़ के पैर में गोली लगी है और

वह बैसाखी के सहारे चल रहा है। दो अन्य छात्रों के कंधे में गोली लगी है। राहुल गांधी ने पोस्ट में लिखा, 'सोचिए, ऐसा क्या गुनाह किया था इन बच्चों ने कि इन्हें गोली मार दी गई? इन्होंने सरकार से सिर्फ तीन चीजें शिक्षा, रोजगार और जवाबदेही मांगी थी।एक छात्र के पैर की हड्डी एके-47 की गोली से टूट गई। सेना में जाकर देश की सेवा करने का उसका सपना भी उसी के साथ चला गया। दो और छात्रों के कंधों को गोली चीरती हुई निकल गई। ये अपराधी नहीं थे। ये गरीब घरों के वो बच्चे थे जो अपने परिवार के सपने लेकर पढ़ने निकले थे - किसी को अच्छी नौकरी चाहिए थी, किसी को अपने घर के हालात बदलने थे। ' वीडियो में राहुल गांधी छात्रों से बातचीत करते दिखते हैं। वह छात्रों की हालत पूछते हैं और उनकी चोटों को देखते हैं।

यूएन में 'इक्वल अर्थ' नक्शे के समर्थन में भारत

• कहा-देश की सीमाओं या क्षेत्रों का भ्रामक चित्रण स्वीकार्य नहीं

एजेंसी

नई दिल्ली। भारत ने संयुक्त राष्ट्र महासभा में 'इक्वल अर्थ प्रोजेक्शन' वाले विश्व मानचित्र संबंधी प्रस्ताव पर अपना रुख स्पष्ट करते हुए कहा कि इसका उद्देश्य महाद्वीपों और भूभागों के वास्तविक क्षेत्रफल को सही अनुपात में दिखाना है। विदेश मंत्रालय के प्रवक्ता रणधीर जायसवाल ने कहा कि संयुक्त राष्ट्र महासभा ने 'करेक्ट द मैप: रीबैलेंसिंग ग्लोबल कार्टोग्राफिक रिप्रेजेंटेशन एंड प्रमोटिंग इक्विटेबल रिप्रेजेंटेशन ऑफ द वर्ल्ड्स रीजन, पार्टिकुलर्ली अफ्रीका' शीर्षक वाला एक प्रस्ताव अपनाया है। इसमें भारत ने दुनिया के क्षेत्रों को निष्पक्ष तरीके से दिखाने के समर्थन में प्रस्ताव के पक्ष में वोट किया है। भारत के समर्थन से पारित एक प्रस्ताव में महासभा ने 'इक्वल अर्थ प्रोजेक्शन' वाले नक्शे को अपनाने की सिफारिश की। इसे उन लोकप्रिय नक्शों की जगह इस्तेमाल करने की बात कही गई है जो 'मरकेटर प्रोजेक्शन' पर आधारित हैं। 'मरकेटर' नक्शे में उत्तरी गोलार्ध के देशों का आकार वास्तविकता से

बड़ा दिखता है। इस प्रस्ताव के पक्ष में 164 वोट पड़े। अमेरिका एकमात्र देश था जिसने इसका विरोध किया जबकि छह देशों ने मतदान में हिस्सा नहीं लिया। उन्होंने कहा कि इस प्रस्ताव का उद्देश्य ऐसे मानचित्रों के इस्तेमाल को बढ़ावा देना है जो महाद्वीपों और भू-भागों के वास्तविक क्षेत्रफल को सही अनुपात में दिखाते हैं। यह प्रस्ताव किसी खास विश्व मानचित्र को न तो अपनाता है और न ही उसे आधिकारिक मान्यता देता है। साथ ही, इसमें राजनीतिक नक्शों से जुड़े मुद्दों, जैसे अंतरराष्ट्रीय सीमाएं, विवादित क्षेत्र या स्थानों के नाम पर कोई चर्चा नहीं की गई है। मंत्रालय ने कहा कि भारत ने इस प्रस्ताव के पक्ष में मतदान किया। मतदान के बाद भारत ने अपने मत की व्याख्या करते हुए कहा कि वह ऐसे मानचित्रों के समर्थन में है जो दुनिया के विभिन्न क्षेत्रों के वास्तविक आकार को अधिक निष्पक्ष तरीके से दिखाते हैं। भारत ने यह भी स्पष्ट किया कि इस प्रस्ताव का मतलब किसी विशेष नक्शे, प्रोजेक्शन या राष्ट्रीय सीमाओं के किसी खास चित्रण का समर्थन करना नहीं है। भारत ने दोहराया कि उसका संप्रभु क्षेत्र, जिसमें जम्मू-कश्मीर और लद्दाख केंद्र शासित प्रदेश भी शामिल हैं, भारत के आधिकारिक मानचित्र के अनुसार ही दिखाया जाना चाहिए। भारत ने कहा कि देश की सीमाओं या क्षेत्रों का कोई भी गलत या भ्रामक चित्रण स्वीकार्य नहीं है।

पीएम के दिल्ली विश्वविद्यालय कार्यक्रम पर खरगे बोले-

संवाद के बजाय हुआ राजनीतिक प्रचार

'महंगी होती उच्च शिक्षा, छात्रवृत्ति के घटते अवसर और विश्वविद्यालयों की स्वायत्तता पर बढ़ता दबाव भी युवाओं के सामने गंभीर मुद्दे हैं।'

एजेंसी

नई दिल्ली। कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खरगे ने प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के दिल्ली विश्वविद्यालय के श्रीराम कॉलेज ऑफ कॉमर्स (एसआरसीसी) के कार्यक्रम को लेकर केंद्र सरकार पर निशाना साधा है। उन्होंने आरोप लगाया कि यह कार्यक्रम युवाओं, शिक्षा और उनके भविष्य से जुड़े मुद्दों पर सार्थक संवाद का

अवसर हो सकता था, लेकिन इसे राजनीतिक प्रचार में बदल दिया गया। मल्लिकार्जुन खरगे ने सोशल मीडिया प्लेटफार्म 'एक्स' पर रविवार को कहा कि लोकतंत्र में सरकार की कार्यप्रणाली अपनी नाकामियों को छिपाने और सवालों को दबाने के लिए विपक्ष को नए-नए विशेषण देने की रही है। समय के साथ विपक्ष के लिए इस्तेमाल किए जाने वाले विशेषण बदलते रहते हैं, लेकिन सरकार की जनविरोधी नीतियों में कोई बदलाव नहीं आता। खरगे ने प्रधानमंत्री के आउटरीच कार्यक्रमों पर भी तंज कसा।

उन्होंने कहा कि इस तरह के प्रयासों की जरूरत तभी पड़ती है, जब सत्ता जनता की पहुंच से बाहर हो जाती है।

प्रधानमंत्री के कार्यक्रम के दौरान पेश किए गए रिपोर्ट कार्ड पर सवाल उठाते हुए कांग्रेस अध्यक्ष ने कहा कि देश का युवा भी अपना वास्तविक रिपोर्ट कार्ड लेकर खड़ा है। उन्होंने कहा कि युवाओं के रिपोर्ट कार्ड में बढ़ती बेरोजगारी, वर्षों से लंबित सरकारी भर्तियां और लगातार सामने आ रही पेपर लीक की घटनाएं शामिल हैं।

उन्होंने कहा कि महंगी होती उच्च शिक्षा, छात्रवृत्ति के घटते अवसर और विश्वविद्यालयों की स्वायत्तता पर बढ़ता दबाव भी युवाओं के सामने गंभीर मुद्दे हैं। खरगे ने सरकार से इन समस्याओं का ठोस समाधान निकालने की मांग की। उन्होंने कहा कि बयानबाजी के बजाय छात्रों और युवाओं की वास्तविक समस्याओं पर ध्यान दिया जाना चाहिए।

नरम नहीं, कड़े फैसलों का समय: ज़मीन घोटालों में सिर्फ़ एक या दो अधिकारियों को ही सज़ा क्यों मिल रही है

खेड़ा ज़िले के घोटाले पर कार्रवाई कब होगी?

महमदाबाद ज़मीन से लेकर सिंचाई विभाग तक की प्रॉपर्टी बेची गई

रेवेन्यू और पुलिस डिपार्टमेंट की मिलीभगत पर उठे तीखे सवाल

महानगर मेट्रो ब्यूरो

गांधीनगर / खेड़ा। भूपेंद्र पटेल सरकार ने गुजरात में ज़मीन के सौदों में हो रही गड़बड़ियों और भ्रष्टाचार पर आंखें मूंद ली हैं और भावनगर और मेहसाणा के अधिकारियों को सस्पेंड कर दिया है। मुख्यमंत्री के इस फ़ैसले का स्वागत हो रहा है, लेकिन इसके साथ ही पूरे राज्य से एक बड़ा और मुश्किल सवाल खड़ा हो गया है: 'क्या सज़ा वाली कार्रवाई सिर्फ़ एक या दो ज़िलों तक ही सीमित रहेगी? '

खेड़ा ज़िले में ज़मीन घोटालों की भरमार

खेड़ा ज़िले में ज़मीन और सरकारी प्रॉपर्टी थोक में बेचे जाने के मामले अक्सर सामने आते रहे हैं। स्थानीय लोगों और याचिकाकर्ताओं के आरोपों के मुताबिक, जिले के रेवेन्यू और पुलिस डिपार्टमेंट की किताबों में ऐसी कई शिकायतें दर्ज हैं

सरदार पटेल की ज़मीन का सौदा: आरोप है कि महमदाबाद में ऐतिहासिक ज़मीन, जो देश के पहले गृह मंत्री पूज्य सरदार वल्लभभाई पटेल से जुड़ी है, उसे भी थोक में बेचा गया।

सिंचाई विभाग की ज़मीनें ज़ब्त की गईं: कुछ समय पहले खेड़ा जिले में सिंचाई विभाग की कीमती सरकारी ज़मीनें ज़ब्त की गईं और नकली कागज़ात बनाए गए।

सिर्फ़ कागज़ों पर कार्रवाई: ऐसे घोटाले सामने आने के बाद, पुलिस और प्रशासन ने सिर्फ़ आम लोगों या प्राइवेट लोगों के खिलाफ़ शिकायतें दर्ज कीं और 'दिखावा' किया कि उन्होंने कुछ किया है, लेकिन रेवेन्यू डिपार्टमेंट के असली 'बॉस' के खिलाफ़ कोई कार्रवाई नहीं की गई, जिन्होंने ये कागज़ात तैयार किए थे। दस्तावेज़ तैयार करने वाले रेवेन्यू अधिकारी क्यों बच निकलते हैं? जब कोई सरकारी या प्राइवेट ज़मीन खरीदी या बेची जाती है, तो उसके कागज़ात, रिकॉर्ड और मंज़ूरी रेवेन्यू डिपार्टमेंट से होकर जाते हैं। सरकारी ऑफिसों में भले ही फर्जी कागज़ात और बोगस डॉक्यूमेंट्स तैयार किए जाते हैं, लेकिन उन्हें मंज़ूरी देने वाले ज़िम्मेदार अधिकारियों के खिलाफ़ कभी सख्त एक्शन नहीं लिया जाता। राज्य में एक-दो छोटे लेवल के कर्मचारियों को सस्पेंड करने से करोड़ों के ज़मीन घोटाले नहीं रुकेंगे।

मुख्यमंत्री से सख्त और पूरी कार्रवाई की मांग

अब समय आ गया है कि मुख्यमंत्री भूपेंद्र पटेल, जिनकी इमेज 'नरम और सख्त' है, राज्य भर में ज़मीन माफियाओं और उन्हें पनाह देने वाले अधिकारियों के खिलाफ़ सख्त फैसले लें:

1. पूरी जांच: भावनगर और मेहसाणा की तरह ही खेड़ा ज़िले के रेवेन्यू और पुलिस डिपार्टमेंट के खिलाफ़ भी एक स्पेशल इन्वेस्टिगेशन टीम (स्ढ्ढञ्ज) बनाई जाए।

2. डॉक्यूमेंट बनाने वाले के खिलाफ़ सीधी पत्रिकाद्धक्र सिर्फ़ खरीदने या बेचने वाले के खिलाफ़ ही नहीं, बल्कि गैर-कानूनी डॉक्यूमेंट्स और नोटों को मंज़ूरी देने वाले सब-रजिस्ट्रार, ममलतदार और कलेक्टर लेवल के अधिकारियों के खिलाफ़ भी जुर्म दर्ज किया जाए।

3. कड़ी सज़ा: अगर सरकारी ज़मीन हड़पने के सभी पुराने मामलों को फिर से खोलने और दोषी अधिकारियों की संपत्ति ज़ब्त करने के लिए कड़े कदम उठाए जाएं, तभी सिस्टम से भ्रष्टाचार खत्म हो पाएगा।

अशोक उर्फ चीकू तमंचे ने 'जय गिरनारी रेस्टोरेंट' में जमकर हंगामा किया

महानगर मेट्रो ब्यूरो

अहमदाबाद। अहमदाबाद शहर के पूर्वी इलाके में असामाजिक तत्वों और गुंडों का आतंक हद पार कर गया है। देर रात अशोक उर्फ चीकू तमंचे नाम के गुंडे ने कुबेरनगर इलाके में मौजूद मशहूर 'जय गिरनारी रेस्टोरेंट' में जमकर हंगामा और तोड़फोड़ की, जिससे वहां भारी दहशत फैल गई। मामूली बात पर शुरू हुए इस झगड़े में गुंडे ने गुस्साए होटल स्टाफ और मालिक पर हमला कर दिया, जिससे पूरे इलाके में दहशत का माहौल बन गया। मिली जानकारी के मुताबिक, अशोक उर्फ चीकू तमंचे कुबेरनगर के जय गिरनारी रेस्टोरेंट में आया था। उस समय, जैसे ही होटल मालिक ने उसे कस्टमर बनकर खाने का पार्सल देने के लिए कहा, यह असामाजिक तत्व भड़क गया गाली-गलौज: अशोक ने सबके सामने होटल मालिक को गाली देना शुरू कर दिया, और कहा, 'मुझे यहीं बैठकर खाना है, जैसे ही होटल मालिक ने उसे गाली देने से मना किया, अशोक गुस्से में आ गया और सीधे मालिक पर हमला कर दिया। हमले और तोड़फोड़ की पूरी घटना होटल के CCTV और मोबाइल कैमरे में कैद हो गई। होटल मालिक ने लूट का यह वीडियो सोशल मीडिया पर वायरल कर पुलिस से न्याय की मांग की है।

EVM पर एलन मस्क का बड़ा बयान: 'EVM हैक हो सकती है, चुनाव मशीनों से नहीं होने चाहिए

महानगर मेट्रो ब्यूरो

नई दिल्ली/अहमदाबाद। दुनिया के सबसे अमीर उद्योगपति और टेक्नोलॉजी की बड़ी कंपनी ङ्ग और टेस्ला के मालिक एलन मस्क ने इलेक्ट्रॉनिक वोटिंग मशीन की सुरक्षा पर एक ज्वलंत सवाल उठाकर पूरी दुनिया समेत भारतीय राजनीति में बड़ा भूचाल ला दिया है। मस्क ने साफ शब्दों में चेतावनी दी है, 'हमें EVM को खत्म करना होगा। इंसानों या,द्व (आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस) द्वारा इन मशीनों को हैक करने का खतरा बहुत ज्यादा है, चाहे वह खतरा कितना भी छोटा क्यों न हो! ' EVM को लेकर सिर्फ़ भारत में ही नहीं, बल्कि पूरी दुनिया में टेक्निकल और कानूनी झगड़े होते रहे हैं। दुनिया के कई सुपरपावर देशों ने EVM को असुरक्षित मानते हुए पूरी तरह बैन कर दिया है ज़्यादातर राज्यों में पेपर बैलेट या ऑप्टिकल स्कैनर का इस्तेमाल होता है, जहाँ पेपर रिकॉर्ड रखना ज़रूरी है। इन देशों ने भी हैकिंग और ट्रांसपेरेंसी की कमी के कारण EVM का इस्तेमाल बंद कर दिया है एलन मस्क के बयान पर पलटवार करते हुए, भारत के पूर्व मंत्रियों और इलेक्शन कमीशन ने दावा किया है कि भारत की EVM विदेशी मशीनों से बिल्कुल अलग है

2,600 करोड़ के ग्रीनफील्ड हाईवे में भ्रष्टाचार की 'दरारें' उद्घाटन से पहले 7 महीने में दूसरी बार सड़क धंसी

महानगर मेट्रो ब्यूरो

उज्जैन (मध्य प्रदेश) / अहमदाबाद। केंद्रीय सड़क और परिवहन मंत्री नितिन गडकरी देश भर में 'वर्ल्ड क्लास' एक्सप्रेसवे और ग्रीनफील्ड हाईवे बनाकर अपनी पीठ थपथपाते हैं। लेकिन मध्य प्रदेश में सामने आई एक बहुत ही शर्मनाक घटना ने इन सभी दावों की हवा निकाल दी है। मध्य प्रदेश में 2,600 करोड़ की भारी लागत से बन रहा 'उज्जैन-गरोठ ग्रीनफील्ड हाईवे' अभी तक पूरा नहीं हुआ है और ट्रैफिक शुरू नहीं हुआ है, जबकि देवास रोड के पास रेलवे ओवरब्रिज की अप्रोच रोड 7 महीने में दूसरी बार धंस गई है! ग्रीनफील्ड हाईवे के नाम पर 'अमेरिका ऑफ़ रोड इंफ्रास्ट्रक्चर' बनाने का दावा करने वाले केंद्रीय मंत्री नितिन गडकरी से अब पाक्को गुजरात न्यूज़ सीधे सवाल उठा रहा है

1. 'गडकरी साहब, क्या आपको इस भ्रष्टाचार के बारे में बिल्कुल पता नहीं है?' जिस सड़क के उद्घाटन से पहले दो बार पानी भर जाता है, उसके ठेकेदारों के खिलाफ सख्त ब्लैकलिस्टिंग की कार्रवाई क्यों नहीं की जाती?

2. 'क्या सब कुछ गड़बड़ चल रहा है?' 2600 करोड़ रुपये के सरकारी प्रोजेक्ट में मिट्टी और सामान की चोरी में कौन से अधिकारी और ठेकेदार शामिल थे?

सिर्फ एक IIT रिपोर्ट के नाम पर करोड़ों रुपये का घोटाला करके टेढ़ी-मेढ़ी सड़क को तोड़कर फिर से बनाना कोई हल नहीं है। दोषी इंजीनियरों और कंस्ट्रक्शन कंपनी मालिकों के खिलाफ जेल जैसी सख्त कार्रवाई होनी चाहिए!

वडोदरा में क्रेडिट कार्ड के नाम पर 18.87 लाख की सनसनीखेज साइबर लूट:

महानगर मेट्रो ब्यूरो

वडोदरा। कल्चरल सिटी वडोदरा से साइबर क्राइम की एक बहुत ही डरावनी और रेड-लाइट घटना सामने आई है। टेक्नोलॉजी और डिजिटल बैंकिंग के इस दौर में, साइबर माफिया कैसे भोले-भाले नागरिकों को अपने जाल में फंसाते हैं, इसका सबसे नया मामला वडोदरा के एक जाने-माने बिजनेसमैन के साथ हुआ है। क्रेडिट कार्ड लिमिट बढ़ाने का लालच देकर, धोखेबाजों के एक गैंग ने बैंक का ऑफिशियल कर्मचारी बनकर बिजनेसमैन के अकाउंट से 18.87 लाख की बड़ी रकम उड़ा ली! पुलिस कंप्लेंट और मौजूद डिटेल्स के मुताबिक, शातिर साइबर बदमाशों ने इस पूरी लूट को बहुत ही प्लानिंग के साथ अंजाम दिया फोन पर फर्जी बैंक ऑफिसर का कॉल: बिजनेसमैन को एक अनजान नंबर से कॉल आया। सामने वाले ने खुद को एक जाने-माने बैंक के कस्टमर केयर/क्रेडिट कार्ड डिपार्टमेंट का सीनियर ऑफिसर बताया। OTP दिया और अकाउंट खाली: बदमाशों ने बिजनेसमैन को ऐसा फंसाया कि बिजनेसमैन ने उन पर भरोसा कर लिया और अपने मोबाइल पर आया वन टाइम पासवर्ड और बैंकिंग डिटेल्स शेयर कर दीं। OTP मिलते ही कुछ ही मिनटों में ?18,87,000 की रकम दूसरे फर्जी अकाउंट्स में ट्रांसफर हो गई मैसेज आते ही बिजनेसमैन के पैरों तले से जमीन खिसक गई। जैसे ही उन्हें पता चला कि उनके साथ स्कैम हुआ है, वे वडोदरा साइबर क्राइम पुलिस स्टेशन भागे और शिकायत दर्ज कराई। देखते ही देखते आग ने इतना भयानक रूप ले लिया कि पूरी कार सड़क के बीचों-बीच आग की लपटों में घिर गई। दूर से ही तेज लपटें और धुएं का गुबार देखा जा सकता था, जिससे अयोध्या चौक पर भारी भगदड़ और अफरा-तफरी मच गई। चश्मदीदों और स्थानीय लोगों के मुताबिक, मारुति वैन अयोध्या चौक से गुजर रही थी, तभी अचानक इंजन से धुआं निकलने लगा। ड्राइवर की सावधानी से बची जान: जैसे ही वैन से धुआं निकलने लगा, ड्राइवर ने तुरंत गाड़ी सड़क किनारे खड़ी की और बाहर कूद गया, जिससे उसकी जान बच गई। फायर ब्रिगेड ऑपरेशन घटना की सूचना मिलते ही फायर ब्रिगेड की टीम मौके पर पहुंची और पानी की बौछारों से आग पर काबू पाया।

शकरपुरा गांव की मृत बेटियों को रेव्ह मोरारी बापू द्वारा दी गई श्रद्धांजलि से गांववाले भावुक हो गए

महानगर मेट्रो ब्यूरो

शकरपुरा। गांव के प्राइमरी स्कूल में पढ़ने वाली बेटियां रीना, ईशा और प्रिया अपने पिता अश्विनभाई के खेत के पास तालाब के पास खेल रही थीं और उनमें से एक बेटी फिसलकर तालाब में गिर गई। जब बाकी दो बहनें उसे बचाने गईं, तो वह भी डूब गईं। यह घटना 30 अगस्त को हुई और श्री अश्विनभाई बरैया का परिवार टूट गया। रेव्ह मोरारी बापू इस तरह से गलती से गुज़रने वाली हर मृत आत्मा को श्रद्धांजलि के तौर पर 15,000 रुपये देते थे। चित्रकूटधाम तलगाजरडा के प्रतिनिधियों ने इन तीन बेटियों को श्रद्धांजलि के तौर पर कुल 45,000 रुपये दिए, जबकि 5 सितंबर को

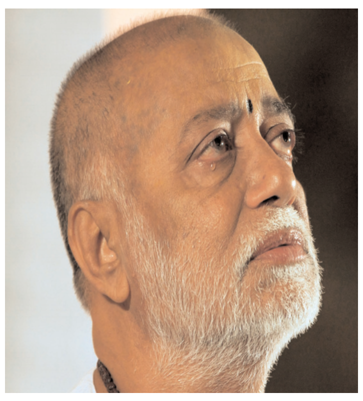

टीचर्स डे के पवित्र दिन जब मैं उनके घर गया, तो बहुत भावुक नज़ारे थे। जब इस गांव के स्कूल की प्रिंसिपल सुश्री दीपालबेन वाघेला, स्कूल मैनेजमेंट बोर्ड के प्रेसिडेंट श्री भीखाभाई पटेल, टीचर संजयभाई वंद और धवलभाई जोशी वगैरह उनके परिवार को दिलासा दे रहे थे, तो परिवार को लगा कि उनकी बेटियों के नुकसान की भरपाई किसी भी तरह से नहीं हो सकती। लेकिन पूज्य मोरारी बापू ने हमें दिलासा देने वाले मैसेज भेजकर हम पर एहसान किया है। इतना ही नहीं, पूज्य बापू ने हमें अंधेरे से रोशनी की ओर ले जाने का काम किया है। उनके लिए हम जितने शब्द इस्तेमाल करें, उतने कम हैं। यह हमारा खुशनसीब पल है कि दुनिया ने हमें पूज्य बापू जैसा काबिल इंसान भेजा है।

डभोई नगर पालिका में कांग्रेस राज की शानदार शुरुआत: सत्यनारायण भगवान की कथा के साथ विकास कार्यक्रमों का संकल्प

महानगर मेट्रो ब्यूरो

डभोई। डभोई नगर पालिका में कांग्रेस पार्टी के लोकल सेल्फ-गवर्नमेंट का शासन संभालने के साथ ही शहर की भलाई और खुशहाली के लिए धार्मिक और भक्तिमय माहौल में एक नया अध्याय जुड़ गया है। सत्ता की बागडोर संभालने की शुभ शुरुआत नगर पालिका ऑफिस परिसर में श्री सत्यनारायण भगवान की औपचारिक कथा का आयोजन करके की गई। शहर के चौतरफा विकास, ट्रांसपेरेंट एडमिनिस्ट्रेशन और लोगों की खुशहाली के पक्के इरादे के साथ धरती देवताओं के वैदिक मंत्रों के जाप के बीच पूरा ऑफिस परिसर भक्ति से भर गया।

मुख्य यजमान के तौर पर पूजा

इस धार्मिक मौके पर डभोई नगर पालिका की नई बनी प्रेसिडेंट श्रीमती पुष्पाबेन सतीशभाई रावल और डभोई शहर कांग्रेस प्रेसिडेंट श्री सतीशभाई रावल मुख्य यजमान के तौर पर बैठे

और शास्त्रों के अनुसार पूजा-अर्चना की। धरती के देवताओं ने शास्त्रों के मंत्रों के जाप के साथ शहर के सभी वर्गों के श्रेय और नगर पालिका के सफल और समृद्ध प्रबंधन के लिए भगवान सत्यनारायण के चरणों में विशेष प्रार्थना की।

गणमान्य लोग और प्रशासनिक कर्मचारी मौजूद

स्थानीय नेता और नेता: इस अवसर पर नगर पालिका के सभी चुने हुए कांग्रेस सदस्य, महिला नेता, संगठन के पदाधिकारी और बड़ी संख्या में स्थानीय नागरिक और नेता मौजूद थे।

नगर पालिका परिवार का सहयोग: नगर प्रबंधक श्री महेशभाई परमार सहित विभिन्न विभागों के अधिकारियों, कर्मचारियों और प्रशासनिक कर्मचारियों ने धार्मिक कार्यक्रम में उत्साहपूर्वक भाग लिया और कथा सुनने के बाद दर्शन-प्रसाद का लाभ उठाया।

महाआरती और रीति-रिवाज के वर्ष की बधाई

कथा के समापन के बाद, एक भव्य महाआरती का आयोजन किया गया। आरती के बाद, सभी गणमान्य लोगों, कर्मचारियों और शहरवासियों ने नवविवाहित अध्यक्ष श्रीमती पुष्पाबेन रावल और उनकी टीम को बधाई दी। सभी ने उम्मीद जताई कि आने वाले दिनों में दभोई शहर में प्राइमरी सुविधाएं, सड़क, पानी और सफ़ाई जैसे पब्लिक काम जल्दी पूरे होंगे और शहर विकास की नई ऊंचाइयों को छुएगा।

182 MLA से 12 घंटे काम करवाओ, तब पता चलेगा कि मेहनत किसे कहते हैं

महानगर मेट्रो ब्यूरो

सूरत/अहमदाबाद। गुजरात में मजदूरों के काम के घंटे और मजदूरों के हक को लेकर सियासत गरमा गई है। वडगाम के रू और कांग्रेस नेता जिग्नेश मेवाणी ने काम के घंटे या 12 घंटे की शिफ्ट बढ़ाने के मुद्दे पर सरकार की पॉलिसी पर तीखा हमला बोला है। सूरत दौरे के दौरान मेवाणी ने तीखी प्रतिक्रिया देते हुए कहा, '45 डिग्री की चिलचिलाती गर्मी में एक आम मजदूर की फिजिकल मेहनत की तुलना,ष्ट वाले कमरे में बैठे लोगों की मेहनत से नहीं की जा सकती। अगर उनसे 12 घंटे काम करवाना ही सही है, तो पहले गुजरात के 182 रू से लगातार 12 घंटे काम करवाओ, तब पता चलेगा कि असली मेहनत क्या होती है! '

मज़दूरों के अधिकार और 12 घंटे काम का विरोध

जिग्नेश मेवाणी ने मज़दूरों के शोषण के खिलाफ़ मुख्य मुद्दे उठाए: अमानवीय हालात: 45 डिग्री से ज़्यादा तापमान और असहनीय गर्मी के बीच कंस्ट्रक्शन, फ़ैक्ट्रियों और खुले मैदानों में काम करने वाले मज़दूरों पर 12 घंटे का बोझ डालना मानवाधिकारों का साफ़ उल्लंघन है।

सही मुआवज़े की कमी: काम के घंटे बढ़ाने की बात तो होती है, लेकिन उसके हिसाब से मज़दूरों को मिनिमम मज़दूरी या ओवरटाइम का सही मुआवज़ा नहीं मिलता।

स्वास्थ्य और परिवार पर असर: 12 घंटे तक लगातार शारीरिक मेहनत करने से मज़दूरों की सेहत पर गंभीर असर पड़ता है और उनकी पारिवारिक ज़िंदगी बर्बाद हो जाती है।

आपकी क्या राय है?

मज़दूरों के अधिकार, मिनिमम मज़दूरी और कानूनी 8 घंटे काम के दिन की जगह 12 घंटे की शिफ़्ट लागू करना कितना सही है? क्या इंडस्ट्रियल डेवलपमेंट के नाम पर मज़दूरों की सेहत और अधिकारों की बलि दी जानी चाहिए?

ऑपरेशन हॉक आई: 14.50 करोड़ के स्कैम के मास्टरमाइंड भीलेश कोठिया को मध्य प्रदेश से 7 साल की जेल

महानगर मेट्रो ब्यूरो

अहमदाबाद। गुजरात और महाराष्ट्र में करोड़ों रुपये की ठगी करके पिछले 7 सालों से लगातार पुलिस को चकमा दे रहे बेहद शातिर और भगोड़े आरोपी भीलेश कोठिया का खेल आखिरकार खत्म हो गया है। अहमदाबाद शहर की वासना पुलिस द्वारा चलाए गए खास 'ऑपरेशन हॉक आई' के तहत टीम ने इस बड़े ठग को मध्य प्रदेश के बैतूल जिले से गिरफ्तार कर लिया है।

इन्वेस्टमेंट और लोन के नाम पर करोड़ों की ठगी का खेल

जांच अधिकारियों के मुताबिक, आरोपी भीलेश कोठिया कोई आम ठग नहीं बल्कि आर्थिक अपराधों का बड़ा मास्टरमाइंड है। उसने गुजरात और महाराष्ट्र के कई लोगों को अपने फ़ायदेमंद इन्वेस्टमेंट और लोन स्कैम में फंसाया था।

बोगस कंपनियों का नेटवर्क- आरोपी ने अपनी पहचान छिपाकर अलग-अलग नामों से करीब 20 बोगस (शेल) कंपनियां बनाई थीं। 14.50 करोड़ का आंकड़ा: अब तक की शुरुआती जांच में, उसके खिलाफ दो राज्यों में कुल 7 गंभीर अपराध दर्ज किए गए हैं, जिनमें करीब 14.50 करोड़ रुपये की धोखाधड़ी और ठगी करने का पता चला है वासना पुलिस ने भीलेश कोठिया तक पहुंचने के लिए टेक्निकल सर्विलांस और सीक्रेट इन्फॉर्मर्स का एक नेटवर्क बनाया था, जो पिछले सात सालों से अपनी पहचान बदलकर अलग-अलग राज्यों में पनाह ले रहा था। पुलिस ने 'ऑपरेशन हॉक आई' के तहत मध्य प्रदेश के बैतूल जिले में छापेमारी की और आरोपी को पकड़ लिया। गिरफ्तारी के समय, पुलिस ने उसके पास से ये सभी चीज़ें ज़ब्त कीं एक लैपटॉप (जिसमें कई फ़ाइनेंशियल अकाउंट और शेल कंपनियों की डिटेल होने का शक है)। इस सात साल पुराने विवादित मामले में आरोपी की गिरफ्तारी से पुलिस और आर्थिक अपराध गिरोहों में काफ़ी हलचल मच गई है। वासना पुलिस ने फिलहाल आरोपी का रिमांड ले लिया है और उसके इंटर-स्टेट फ़ाइनेंशियल नेटवर्क, बैंक अकाउंट और इस स्कैम में शामिल दूसरे मददगारों के बारे में गहराई से पूछताछ कर रही है। पुलिस को शक है कि रिमांड के दौरान धोखाधड़ी का आंकड़ा 14.50 करोड़ से ज़्यादा हो सकता है।

अहमदाबाद म्युनिसिपल कॉर्पोरेशन के कर्मचारियों की शानदार ईमानदारी

महानगर मेट्रो ब्यूरो

नई दिल्ली/अहमदाबाद। सेंट्रल ब्यूरो ऑफ़ इन्वेस्टिगेशन ने मीडिया टाइकून और अरबपति बिज़नेसमैन सुभाष चंद्रा पर अपना शिकंजा कस लिया है। CBI ने लाइफ इंश्योरेंस कॉर्पोरेशन हाउसिंग फाइनेंस से कागज़ पर अपनी असली संपत्ति से कई गुना ज़्यादा नेट वर्थ दिखाकर करोड़ों रुपये का लोन लेने और फिर उसे चुकाने में डिफॉल्ट करके कंपनी को भारी नुकसान पहुंचाने के गंभीर आरोपों पर एक स्ट्रेटेजिक FIR दर्ज की है। पता चला है कि इस पूरे स्कैम में पब्लिक सेक्टर के लेंडर LICHFL को 1,322 करोड़ रुपये से ज़्यादा का बड़ा फाइनेंशियल नुकसान हुआ है। फर्जी नेट वर्थ दिखाकर ?980 करोड़ का लोन लिया गयारू LICHFL की ऑफिशियल शिकायत के मुताबिक, सुभाष चंद्रा ने अपने एसेट्स के हाई नेट वर्थ सर्टिफिकेट दिखाकर लेंडर्स को गुमराह किया। इन झूठे पेपर्स और गारंटी के आधार पर, उन्होंने दो अलग-अलग फेज में ?980 करोड़ का बड़ा लोन मंज़ूर करवाया

वसंत सागर प्रॉपर्टीज: इस कंपनी के नाम पर 500 करोड़ का लोन लिया गया।

डिजिटल सब्सक्राइबर मैनेजमेंट: डिजिटल सब्सक्राइबर मैनेजमेंट एंड कंसल्टेंसी सर्विसेज के तहत 480 करोड़ का एक और लोन लिया गया। शक है कि लोन लेने के बाद, उसका सही जगह इस्तेमाल करने के बजाय, उसका पैसा कहीं और डायवर्ट कर दिया गया, जिससे आखिर में ब्याज सहित कर्ज 1,322 करोड़ को पार कर गया। यह पूरा मामला तब और गरमा गया जब नेशनल कंपनी लॉ ट्रिब्यूनल ने हाल ही में एक बहुत विवादित सेटलमेंट प्लान को मंज़ूरी दी।

वडोदरा में क्रेडिट कार्ड के नाम पर 18.87 लाख की सनसनीखेज साइबर लूट

धोखेबाजों ने खुद को 'बैंक ऑफिसर' बताकर वडोदरा के एक बिजनेसमैन का भरोसा जीता,

महानगर मेट्रो ब्यूरो

वडोदरा. कल्चरल सिटी वडोदरा से साइबर क्राइम की एक बहुत ही डरावनी और रेड-लाइट घटना सामने आई है। टेक्नोलॉजी और डिजिटल बैंकिंग के इस दौर में, साइबर माफिया कैसे भोले-भाले नागरिकों को अपने जाल में फंसाते हैं, इसका सबसे नया मामला वडोदरा के एक जाने-माने बिजनेसमैन के साथ हुआ है। क्रेडिट कार्ड लिमिट बढ़ाने का लालच देकर, धोखेबाजों के एक गैंग ने बैंक का ऑफिशियल कर्मचारी बनकर बिजनेसमैन के अकाउंट से 18.87 लाख की बड़ी रकम उड़ा ली!

कैसे बनी यह फ्रॉड स्कीम?

पुलिस कंप्लेंट और मौजूद डिटेल्स के मुताबिक, शातिर साइबर बदमाशों ने इस पूरी लूट को बहुत ही प्लानिंग के साथ अंजाम दिया:

फोन पर फर्जी बैंक ऑफिसर का कॉल: बिजनेसमैन को एक अनजान नंबर से कॉल आया। सामने वाले ने खुद को एक जाने-माने बैंक के कस्टमर केयर/क्रेडिट कार्ड डिपार्टमेंट का सीनियर ऑफिसर बताया।

लिमिट बढ़ाने का लालच: आरोपियों ने बिजनेसमैन को भरोसे में लिया और कहा कि चूंकि उनकी क्रेडिट कार्ड हिस्ट्री अच्छी है, इसलिए कंपनी फ्री में लिमिट बढ़ा रही है।

OTP दिया और अकाउंट खाली: बदमाशों ने बिजनेसमैन को ऐसा फंसाया कि बिजनेसमैन ने उन पर भरोसा कर लिया और अपने मोबाइल पर आया वन टाइम पासवर्ड और बैंकिंग डिटेल्स शेयर कर दीं। OTP मिलते ही कुछ ही मिनटों में 18,87,000 की रकम दूसरे फर्जी अकाउंट्स में ट्रांसफर हो गई मैसेज आते ही बिजनेसमैन के पैरों तले से जमीन खिसक गई। जैसे ही उन्हें पता चला कि उनके साथ स्कैम हुआ है, वे वडोदरा साइबर क्राइम पुलिस स्टेशन भागे और शिकायत दर्ज कराई। अपनी मेहनत की कमाई को सुरक्षित रखने के लिए साइबर एक्सपर्ट्स की इन बातों का सख्ती से पालन करें

1. कभी भी OTP या PIN न दें: दुनिया का कोई भी नामी बैंक, कस्टमर केयर या RBI आपसे फोन पर कभी भी OTP, CVV या पासवर्ड नहीं मांगता।

2. अनजान लिंक पर क्लिक न करें: क्रेडिट कार्ड लिमिट बढ़ाने, KYC या रिवॉर्ड पॉइंट अपडेट करने के लिए आने वाले मैसेज लिंक पर गलती से भी क्लिक न करें।

3. तुरंत 1930 पर कॉल करें: अगर आप किसी भी साइबर फ्रॉड का शिकार होते हैं, तो तुरंत नेशनल साइबर हेल्पलाइन 1930 पर कॉल करें और अपना अकाउंट ब्लॉक करवाएं ताकि पैसे वापस मिल सकें।

गीता मंदिर न्यू ST स्टैंड पर बेलगाम पानी का मेला एक तरफ लीकेज, दूसरी तरफ चोरी का खेल

महानगर मेट्रो ब्यूरो

अहमदाबाद। स्मार्ट सिटी अहमदाबाद के दिल गीता मंदिर न्यू ST बस स्टेशन पर पीने का साफ़ पानी बर्बाद होने का एक चौंकाने वाला मामला सामने आया है। ST बस स्टैंड परिसर में यात्रियों के लिए लगाए गए पीने के पानी के नल लगातार लीक हो रहे हैं। चौंकाने वाली बात यह है कि जो नल शुरू में लगाए गए थे, वे लीक हो रहे थे और प्रशासन ने उन्हें बदलकर नए लगा दिए थे, लेकिन ये नए नल भी अब बेकाबू होकर टपक रहे हैं और पानी बह रहा है। 'अच्छी क्वालिटी के नल लगाएंगे तो चोरी होगी ही!' प्रशासन का अजीब बहाना मौके और स्थानीय सूत्रों से मिली जानकारी के मुताबिक, जब इस पानी की बर्बादी पर सवाल उठाए गए, तो प्रशासन और कर्मचारियों की तरफ से बहुत ही चौंकाने वाला दावा किया गया। चोरी का डर कर्मचारियों का कहना है कि अगर अच्छी क्वालिटी के मेटल या मजबूत नल लगाए जाएं, तो अराजक तत्व उन्हें चुराकर भाग जाते हैं!M CCTV कैमरों की कमी: सरकारी संपत्ति और साफ पानी की बर्बादी रोकने के लिए वॉटर स्टेशन एरिया में CCTV कैमरे लगाना बहुत ज़रूरी हो गया है। लेकिन प्रशासन कैमरे लगाने के बजाय घटिया क्वालिटी के नल लगाकर हर दिन हज़ारों लीटर पानी सीवर में बहा रहा है। एक तरफ शाहपुर-खानपुर में टैंकर राज, दूसरी तरफ गीता मंदिर में बर्बादी अहमदाबाद शहर में यह गड़बड़ी देखकर लोगों में बहुत गुस्सा है। शाहपुर और खानपुर जैसे शहर के घनी आबादी वाले इलाकों में पिछले कुछ दिनों से नल का पानी न आने से पीने के पानी की भारी किल्लत हो गई है। लोगों को अपनी रोज़मर्रा की ज़रूरतों के लिए पानी के टैंकरों पर निर्भर रहना पड़ रहा है। एक तरफ शहरवासी बूंद-बूंद पानी के लिए जूझ रहे हैं, वहीं दूसरी तरफ प्रशासन की आंखों के सामने गीता मंदिर जैसे सरकारी स्ञ स्टैंड में पीने का साफ पानी आसानी से बह रहा है। इस समस्या का पक्का समाधान करने के लिए, लोगों की मांग है कि तुरंत CCTV कैमरे लगाए जाएं, चोरी रोकी जाए और मजबूत नल लगाए जाएं।

सूखे की मार के बीच, ज़मीन के बेटे और मज़दूर तबाह 'किसानों के साथ खड़ा होना सरकार की ज़िम्मेदारी है

महानगर मेट्रो ब्यूरो

खंभालिया/देवभूमि द्वारका। बारिश की कमी और लगातार तेज गर्मी के चलते गुजरात के सौराष्ट्र-कच्छ समेत कई क्षेत्रों में खेती पर संकट गहराने का मुद्दा अब राजनीतिक आंदोलन का रूप लेता नजर आ रहा है। खेतों में महंगे बीज, खाद और अन्य कृषि लागत लगाने के बाद बारिश का इंतजार कर रहे किसानों को पर्याप्त पानी नहीं मिलने से फसलों के प्रभावित होने की बात सामने आ रही है। इसी के साथ खेतिहर मजदूरों और बंटाई पर खेती करने वाले परिवारों के सामने भी रोजगार और रोजी-रोटी का संकट खड़ा होने का दावा किया जा रहा है। इसी मुद्दे को लेकर आम आदमी पार्टी के गुजरात प्रदेश अध्यक्ष येसुदान गढ़वी ने राज्य सरकार के खिलाफ मोर्चा खोल दिया है। देवभूमि द्वारका के खंभालिया से आंदोलन की शुरुआत करते हुए गढ़वी ने सरकार पर किसानों की समस्याओं को गंभीरता से नहीं लेने का आरोप लगाया और कहा कि संकट की इस घड़ी में किसानों, मजदूरों और खेतों पर निर्भर परिवारों के साथ मजबूती से खड़ा होना सरकार की पहली जिम्मेदारी है। येसुदान गढ़वी ने दावा किया कि बारिश की कमी के कारण कई इलाकों में किसानों के केवल करीब 25 प्रतिशत खेत ही ठीक तरह से उग पाए हैं, जबकि बड़ी संख्या में फसलें खराब हो गई हैं। उन्होंने कहा कि किसान पहले ही महंगे बीज, खाद और खेती की तैयारी पर पैसा खर्च कर चुके हैं। अब फसल खराब होने की स्थिति में उनके सामने कर्ज चुकाने, परिवार चलाने और अगली फसल की तैयारी करने की चुनौती खड़ी हो गई है। फसल खराब होने का असर केवल जमीन के मालिक किसानों तक सीमित नहीं रहने की बात भी गढ़वी ने कही। उनके अनुसार, खेती से जुड़े खेतिहर मजदूरों और बंटाई पर खेती करने वाले परिवारों को भी काम और आय नहीं मिल रही है। उन्होंने दावा किया कि कई गरीब परिवारों के सामने दैनिक जरूरतों का संकट पैदा हो गया है और स्थानीय स्तर पर उधार राशन मिलने में भी परेशानी बढ़ रही है।

'तुरंत सूखा घोषित करे सरकार'

गढ़वी ने प्रभावित क्षेत्रों में तत्काल सरकारी स्तर पर सूखा घोषित करने की मांग की। उन्होंने कहा कि केवल कागजी घोषणाओं या आश्वासनों से किसानों की समस्या दूर नहीं होगी, बल्कि राहत के ठोस फैसले जमीन पर दिखाई देने चाहिए। उन्होंने प्रभावित किसानों के बिजली बिल पूरी तरह माफ करने की मांग भी उठाई। इसके साथ ही उन्होंने गौशालाओं और पशुपालकों के लिए चारे की पर्याप्त व्यवस्था करने की मांग रखी। गढ़वी ने कहा कि सूखे जैसे हालात में केवल किसान ही नहीं, बल्कि पशुधन भी संकट में आ जाता है। ऐसे में सरकार को पशुओं के लिए चारा और पानी की व्यवस्था को प्राथमिकता देनी चाहिए।

'सौनी योजना से तुरंत पानी छोड़ा जाए'

आम आदमी पार्टी प्रदेश अध्यक्ष ने सिंचाई संकट दूर करने के लिए 'सौनी योजना' के तहत बांधों से प्रभावित क्षेत्रों में तत्काल पानी छोड़ने की मांग की। उनका कहना है कि जहां तक संभव हो, उपलब्ध जल संसाधनों का इस्तेमाल किसानों की फसलों को बचाने के लिए किया जाना चाहिए, ताकि जिन खेतों में फसल बचने की संभावना है, उन्हें राहत मिल सके।

'टीवी पर बयान नहीं, किसानों के बीच संघर्ष जरूरी'

सरकर को दिए गए अल्टीमेटम की अवधि पूरी होने के बाद येसुदान गढ़वी ने पार्टी नेताओं और पदाधिकारियों के साथ अनिश्चितकालीन सत्याग्रह शुरू कर दिया। आंदोलन के दौरान उन्होंने कहा कि जब किसान, मजदूर और पशुधन संकट में हों, तब केवल वातानुकूलित कमरों में बैठकर या टीवी पर बयान जारी करके समस्या का समाधान नहीं हो सकता। गढ़वी ने खुद को किसान का बेटा बताते हुए कहा कि वह किसानों की समस्याओं को करीब से समझते हैं और उनके अधिकारों के लिए आंदोलन जारी रखेंगे। उन्होंने सरकार से तत्काल राहत पैकेज और आवश्यक नीति संबंधी फैसलों की घोषणा करने की मांग दोहराई येसुदान गढ़वी ने संकेत दिया कि यदि सरकार ने किसानों की मांगों पर जल्द निर्णय नहीं लिया, तो आंदोलन को और व्यापक किया जा सकता है। उन्होंने चेतावनी दी कि राहत और नीतिगत फैसले नहीं होने की स्थिति में किसान आंदोलन को पूरे गुजरात में फैलाया जाएगा। फिलहाल खंभालिया से शुरू हुआ यह सत्याग्रह किसानों की समस्याओं को लेकर राज्य सरकार पर बढ़ते राजनीतिक दबाव का संकेत दे रहा है। अब नजर इस बात पर है कि सरकार आंदोलनकारियों की मांगों पर क्या कदम उठाती है और सूखे जैसे हालात से प्रभावित बताए जा रहे किसानों के लिए राहत को लेकर क्या निर्णय सामने आता है।

अहमदाबाद से 'शांत और सुरक्षित' शहर का दर्जा छीना गया: हर 4.8 मिनट में हिंसक झगड़ा, रोज़ाना 108 मारपीट के मामले

शराब पर बैन के बीच हर घंटे 12 से ज़्यादा हिंसक कॉल, पुलिस में हड़कंप

महानगर मेट्रो ब्यूरो

अहमदाबाद। गुजरात की फाइनेंशियल राजधानी अहमदाबाद से 'शांत और सुरक्षित' शहर का टैग हमेशा के लिए हटाने का समय आ गया है। इमरजेंसी सर्विस '112' के जुलाई 2026 तक के नए चौंकाने वाले आंकड़ों ने अहमदाबाद में बिगड़ती कानून-व्यवस्था की हालत का भयानक चेहरा सामने ला दिया है। शहर में हर दिन औसतन 108 मारपीट के मामले दर्ज हो रहे हैं, जबकि पुलिस के पास हर दिन शराब पीकर झगड़े की 51 ऑफिशियल शिकायतें दर्ज हो रही हैं।

हर घंटे 12 से ज़्यादा हिंसक घटनाएंऐसे आंकड़े जो आपको चौंका देंगे!

अगर हम अगस्त में शुरू हुई '112' हेल्पलाइन के जुलाई 2026 तक के डेटा को एनालाइज़ करें, तो जो आंकड़े सामने आए हैं, वे किसी भी नागरिक को डराने के लिए काफी हैं:

पब्लिक में झगड़े: 36,238 कॉल

झगड़े और मारपीट: 36,161 कॉल

रोड एक्सीडेंट: 20,016 कॉल

नशे में झगड़े: 17,050 कॉल

नॉइज़ पॉल्यूशन/शोर: 15,528 कॉल

अगर हम इन आंकड़ों को कैलकुलेट करें, तो अहमदाबाद शहर में हर 4.8 मिनट में एक हिंसक लड़ाई रिकॉर्ड होती है। इसका मतलब है कि पुलिस को हर घंटे हिंसा से जुड़ी एवरेज 12 से 13 इमरजेंसी कॉल आ रही हैं। पुलिस कंट्रोल रूम और बीट कांस्टेबल का ज़्यादातर समय अब ??सिविल या म्युनिसिपल शिकायतों को सुलझाने के बजाय ऐसे हिंसक झगड़ों और सड़क पर होने वाले दंगों को शांत करने में बर्बाद हो रहा है। कागज़ पर शराब बैन: 5 में से 1 हिंसक घटना नशे की वजह से होती है बदनाम भावनगर लिंचिंग के बाद, पुलिस ने भले ही पूरे राज्य में रेड मारकर गैर-कानूनी शराब ज़ब्त करने का दिखावा किया हो, लेकिन 112 हेल्पलाइन का डेटा साबित करता है कि अहमदाबाद में शराब की वजह से हिंसा रोज़ की बात हो गई है। शहर में पब्लिक में झगड़े और मारपीट के लिए रजिस्टर हुई कुल 89,449 बड़ी कॉल में से 17,050 कॉल सीधे तौर पर नशे में दंगे और शराब की तस्करी से जुड़ी थीं। इसका सीधा मतलब है कि अहमदाबाद की सड़कों पर होने वाली 5 में से 1 हिंसक घटना के लिए गैर-कानूनी शराब का नशा ज़िम्मेदार है। कागज़ पर सख्त शराब बैन के खोखले दावों के बीच, शराबी पब्लिक मार्केट और रेजिडेंशियल सोसाइटियों को अपना अड्डा बना रहे हैं, जिससे आम लोगों और महिलाओं की सुरक्षा को बड़ा खतरा पैदा हो गया है।

जूनागढ़ के साधु-संतों से 1 लाख से ज़्यादा की लूट

महानगर मेट्रो ब्यूरो

राजकोट/जूनागढ़। राजकोट के गोंडल चौकड़ी से एक बहुत ही शर्मनाक और चौंकाने वाली घटना सामने आई है, जहाँ रक्षक ही भक्षक बन गए हैं। राजकोट ट्रैफिक पुलिस पर सनातन धर्म के साधु-संतों की रक्षा करने के बजाय जूनागढ़ के भवनाथ में रहने वाले बाल भैरव आश्रम के राजनारायण गिरी समेत साधुओं को टारगेट करके बड़ी वारदात को अंजाम देने का गंभीर आरोप लगा है। साधुओं को शराब पिलाकर डरा-धमकाकर 3 घंटे तक कार में बिठाकर रखने और उनसे 50,000 कैश और 50 ग्राम सोना (कुल कीमत 1 लाख से ज़्यादा) ज़बरदस्ती लूटने की खबर के बाद हड़कंप मच गया है। अहमदाबाद भंडारा से लौटते समय गोंडल चौकड़ी ने उनके साथ धोखा किया। मिली जानकारी के मुताबिक, जूनागढ़ के भवनाथ में बाल भैरव आश्रम के राजनारायण गिरी और उनके साथ दूसरे साधु अहमदाबाद में एक धार्मिक भंडारा कार्यक्रम पूरा करके अपनी ईवो कार से जूनागढ़ लौट रहे थे। झूठा केस करने की धमकी: राजकोट ट्रैफिक पुलिस ने गोंडल चौकड़ी के पास उनकी कार रोकी। पुलिस ने साधुओं के साथ बदतमीजी की और सीधे-सीधे यह कहकर केस में फंसाने की धमकी दी, 'तुम नशे में हो '। 3 घंटे तक कार में रखा: साधुओं ने भले ही खुद को बेगुनाह बताया, लेकिन ट्रैफिक पुलिस ने उनकी एक नहीं सुनी और उन्हें करीब 3 घंटे तक कार में बंधक बनाकर रखा।

गुजरात की पॉलिटिक्स में बड़ा धमाका: 2027 के असेंबली इलेक्शन के लिए शंकरसिंह वाघेला एक्टिव

महानगर मेट्रो ब्यूरो

गांधीनगर/अहमदाबाद। गुजरात के पॉलिटिकल एरिया में एक बार फिर सबसे बड़ा झटका लगा है। राज्य के पूर्व मुख्यमंत्री और कद्दावर नेता शंकरसिंह वाघेला (बापू) 2027 के असेंबली इलेक्शन को टारगेट करते हुए पॉलिटिक्स में सुपर-एक्टिव मूड में आ गए हैं। 'बापू' ने बिना किसी पार्टी के फेवर के रूलिंग पार्टी भारतीय जनता पार्टी के खिलाफ सीधी और आर-पार की लड़ाई लड़ने का शंखनाद कर दिया है। इस अनाउंसमेंट के साथ ही गांधीनगर से लेकर दिल्ली तक पॉलिटिकल गलियारों में काफी चर्चा और खलबली शुरू हो गई है। अपने फ्यूचर के पॉलिटिकल रोडमैप पर बहुत अग्रेसिव रुख अपनाते हुए शंकरसिंह वाघेला ने साफ कर दिया है कि अब उन्हें किसी दूसरी पार्टी में शामिल होने में कोई इंटरेस्ट नहीं है। लोगों की ताकत पर भरोसा वाघेला ने साफ कहा, 'कांग्रेस को अपना फैसला करने दो, मुझे गुजरात के हित में अपनी स्ट्रेटेजी खुद बनानी है। अगर कोई मेरे साथ नहीं आता है, तो मैं अकेले ही लड़ूंगा। मुझे किसी के सर्टिफिकेट या A-टीम, B-टीम के लेबल की जरूरत नहीं है। 12 महीने की परफेक्ट प्लानिंग: पॉलिटिक्स में रातों-रात फॉर्म भरकर नहीं जीता जा सकता। वाघेला ने लोगों के बीच जाकर उनका भरोसा जीतने के लिए एक मजबूत कैडर और अपनी 'आर्मी' तैयार करने का प्लान पहले ही बना लिया है। चुनाव स्ट्रेटेजी के पुराने जोगी और महारा शंकरसिंह वाघेला लोगों की ताकत से BJP के खिलाफ मोर्चा खोलने जा रहे हैं। इसके लिए 2 अक्टूबर को गांधीनगर में एक बड़े 'कॉन्फिडेंस कॉन्फ्रेंस' के आयोजन की तैयारियां जोरों पर चल रही हैं। इस कॉन्फ्रेंस के जरिए पूरे गुजरात के जोशीले युवाओं, पुराने समर्थकों और असंतुष्ट नेताओं को एक साथ जोड़कर एक नई पॉलिटिकल ताकत बनाई जाएगी। लोगों के ज्वलंत मुद्दों पर सरकार को घेरेगी BJP

1. कागजों पर शराब बैन के दावे पर सवाल: राज्य में सख्त शराब बैन के दावों के बीच असलियत क्या है, इस मुद्दे पर वह सरकार के खिलाफ आक्रामक रुख अपनाएंगे।

2. महंगाई और बेरोजगारी: पढ़े-लिखे युवाओं की बेरोजगारी और आम आदमी को परेशान कर रही असहनीय महंगाई पर सरकार को घेरेंगे।

वाघेला की इस वापसी और 2027 की स्ट्रैटेजी से, आने वाले दिनों में गुजरात की पॉलिटिक्स के और गरम और दिलचस्प होने की पूरी संभावना है।

E20 इथेनॉल ब्लेंडेड पेट्रोल का डरावना सर्वे माइलेज कम और गाड़ी के पार्ट्स अटके

महानगर मेट्रो ब्यूरो

अहमदाबाद / नई दिल्ली। E20 पेट्रोल (20' इथेनॉल ब्लेंडेड फ्यूल), जिसे सरकार पर्यावरण बचाने और फ्यूल इंपोर्ट कम करने के नाम पर पूरे देश में बढ़ावा दे रही है, अब आम गाड़ी चलाने वालों के लिए बड़ी मुसीबत साबित हो रहा है। हाल ही में हुए एक बड़े नेशनल सर्वे में चौंकाने वाला खुलासा हुआ है कि E20 पेट्रोल न सिर्फ आपकी गाड़ी का माइलेज कम कर रहा है, बल्कि पुरानी गाड़ियों के इंजन और पार्ट्स को अंदर से भी खराब कर रहा है। इस वजह से, गाड़ी चलाने वालों को बार-बार गैरेज के चक्कर लगाने पड़ रहे हैं और रिपेयर का खर्च दोगुना हो गया है! देश भर में हज़ारों गाड़ी चलाने वालों और मैकेनिकों पर किए गए एक सर्वे के डेटा से बहुत चिंताजनक तस्वीर सामने आई है

इंजन के पार्ट्स में बहुत ज़्यादा टूट-फूट: 20' इथेनॉल वाला पेट्रोल गाड़ी के रबर फ्यूल पाइप, गैस्केट, प्लास्टिक पार्ट्स और कार्बोरेटर को जल्दी खराब कर देता है और घोल देता है।

पुरानी गाड़ियां बंद होने की कगार पर: 2023 से पहले बनी गाड़ियों (जो E20 के हिसाब से नहीं थीं) में जब यह पेट्रोल डाला जाता है, तो इंजन में गड़बड़ी, पिक-अप में दिक्कत और फ्यूल पंप फेल होने की शिकायतों में 50' से ज़्यादा की बढ़ोतरी देखी गई है।

माइलेज में सीधे 10 से 15' की कमी: पेट्रोल के मुकाबले इथेनॉल की एनर्जी डेंसिटी कम होने की वजह से गाड़ियां कम माइलेज देती हैं, यानी प्रति लीटर ज़्यादा पैसे खर्च होते हैं और कम किलोमीटर चलते हैं आज हालत यह है कि पेट्रोल पंप पर कस्टमर से Rs. पूरे 100 से ज़्यादा वसूले जाते हैं, लेकिन उसे पेट्रोल के नाम पर इथेनॉल मिला हुआ सामान बताकर बेचा जाता है। अगर देश में 80' से ज़्यादा गाड़ियां श्व20 के हिसाब से नहीं हैं, तो गाड़ी चलाने वालों को E10 या नॉर्मल पेट्रोल चुनने का ऑप्शन क्यों नहीं दिया जाता? सरकार को तुरंत रेगुलर पेट्रोल को ज़्यादा उम्र के ड्राइवरों के लिए एक ऑप्शन बनाना चाहिए, नहीं तो देश का मिडिल क्लास सिर्फ़ अपनी गाड़ियों को मेंटेन करने में ही गरीब रह जाएगा!

ओलपाड के परिया गांव में मवेशियों को बचाने का बिगुल बजा

महानगर मेट्रो ब्यूरो

ओलपाड/सूरत। सूरत ज़िले के ओलपाड तालुका के परिया गांव में मवेशियों की कीमती ज़मीन छीनने के सरकार के कदम के खिलाफ़ गांववालों, किसानों और पशुपालकों का गुस्सा फूट पड़ा है। परिया गांव की करीब 18 विंगा मवेशियों की ज़मीन को 220 KV सबस्टेशन के लिए देने के प्रस्ताव के खिलाफ़ पूरे इलाके में विरोध की लहर दौड़ गई है। गांववाले अब एक साथ आ गए हैं और बेज़ुबान जानवरों के मुंह से चारा छीनकर इंडस्ट्रियल या सरकारी प्रोजेक्ट लगाने के इस फैसले के खिलाफ़ आर-पार की लड़ाई के मूड में हैं। चारागाह बचाने के लिए किसानों-चरवाहों की मीटिंग गांव की पहचान और जानवरों के वजूद के लिए चारागाह की ज़मीन बचाने के लिए परिया में एक ज़रूरी मीटिंग हुई। इस मीटिंग में गांव के सरपंच और किसान नेता दर्शन नायक की लीडरशिप में बड़ी संख्या में किसान और चरवाहे इकट्ठा हुए

सरकार के खिलाफ़ लड़ाई का फैसला: मीटिंग में एकमत से यह तय हुआ कि गांव की चारागाह की ज़मीन किसी भी कीमत पर सबस्टेशन के लिए नहीं जाने दी जाएगी। अगर एडमिनिस्ट्रेशन ने ज़बरदस्ती ज़मीन लेने की कोशिश की तो ज़ोरदार आंदोलन और सत्याग्रह किया जाएगा।

1. **'डेवलपमेंट के नाम पर चरागाहों की बलि क्यों?'** सरकारी परती ज़मीन होने के बावजूद, जानवरों के चरने के लिए उपजाऊ ज़मीन का इस्तेमाल क्यों किया जा रहा है?

2. **'लोगों की आवाज़ दबाने की कोशिश:'** लोकल ग्राम पंचायत और गांववालों को भरोसे में लिए बिना ज़मीन देने का काम शुरू कर दिया गया है, जिससे प्रशासन की ट्रांसपेरेंसी पर बड़े सवाल उठ रहे हैं।

बेज़ुबान जानवरों के चारे का सवाल: लोकल चरवाहों ने गुस्सा ज़ाहिर करते हुए कहा कि अगर 18 भिंघा की बड़ी चारागाह की ज़मीन छीन ली गई तो गांव के 150 जानवर चरने कहां जाएंगे? अगर एडमिनिस्ट्रेशन को सबस्टेशन बनाना है तो वह दूसरी बेकार या सरकारी ज़मीन चुन सकता है, लेकिन चारागाहों पर बुलडोज़र चलाने की पॉलिसी बर्दाश्त नहीं की जाएगी।

नांदिया में दो दिवसीय 'नमामि मात नांदिया महोत्सव-2026' का भव्य आयोजन

महानगर मेट्रो ब्यूरो

बागोड़ा। बागोड़ा क्षेत्र के नांदिया गांव में जन्माष्टमी और विसर्जन दिवस के अवसर पर दो दिवसीय 'नमामि मात नांदिया महोत्सव-2026' का आयोजन किया गया। मातृभक्त मुरारदान स्मृति सेवा संस्थान की ओर से आयोजित इस महोत्सव में धार्मिक आस्था, सामाजिक सरोकार, लोक संस्कृति और ग्रामीण परंपराओं का अनूठा संगम देखने को मिला। कार्यक्रम में नांदिया गांव सहित आसपास के क्षेत्रों से बड़ी संख्या में ग्रामीणों और लोगों ने भाग लेकर उत्साह बढ़ाया। महोत्सव की मुख्य अतिथि उद्यमी एवं कवयित्री मंजू बहन लोढ़ा रहीं। उन्होंने ग्रामीण संस्कृति और परंपराओं को समाज की अनमोल धरोहर बताते हुए कहा कि गांवों की संस्कृति ही हमारी पहचान और हमारी जड़ों की ताकत है। उन्होंने कहा कि ग्रामीण क्षेत्रों में आज भी आपसी प्रेम, भाईचारा और मिल-जुलकर कार्य करने की भावना जीवंत है, जो पूरे समाज के लिए प्रेरणादायक है। मंजू बहन लोढ़ा ने कहा कि आधुनिक समय में युवा पीढ़ी अपनी परंपराओं और ग्रामीण जीवनशैली से दूर होती जा रही है। ऐसे आयोजनों के माध्यम से नई पीढ़ी को अपनी मिट्टी, संस्कृति और सामाजिक मूल्यों से जोड़ने का अवसर मिलता है। उन्होंने महोत्सव के आयोजन को ग्रामीण प्रतिभाओं और लोक परंपराओं को मंच देने वाली पहल बताया। महोत्सव की सांस्कृतिक संध्या में लोक गायक जमीन खान और गायिका रिंकल ने शानदार प्रस्तुतियां दीं। लोकगीतों और पारंपरिक प्रस्तुतियों के दौरान मौजूद दर्शक उत्साह से झूम उठे। कलाकारों की प्रस्तुतियों पर लगातार तालियों की गड़गड़ाहट सुनाई दी और ग्रामीणों ने पूरे उत्साह के साथ कार्यक्रम का आनंद लिया। लोक संगीत और सांस्कृतिक प्रस्तुतियों ने आयोजन को यादगार बना दिया। महोत्सव के दौरान सामूहिक स्वच्छता अभियान, शोभायात्रा, दीपोत्सव, कृष्ण लीला, सामूहिक गरबा, लोकनृत्य और मटकी फोड़ प्रतियोगिता सहित अनेक कार्यक्रम आयोजित किए गए। विसर्जन दिवस पर मूर्ति स्थापना, अतिथियों के स्वागत और विभिन्न सांस्कृतिक गतिविधियों के साथ ऊंट दौड़ ने भी लोगों का ध्यान आकर्षित किया। ग्रामीण और पारंपरिक खेलों के साथ गैर-गरबा तथा अन्य सांस्कृतिक प्रस्तुतियों ने आयोजन में विशेष रंग भरा। गांव के पारंपरिक परिवेश और लोक जीवन की झलक कार्यक्रम के विभिन्न हिस्सों में दिखाई दी। महोत्सव में मातृशक्ति सम्मान, मातृभूमि वंदन और पर्यावरण संरक्षण जैसे संदेशों को भी प्रमुखता दी गई। 'एक पेड़ मां के नाम' अभियान के माध्यम से पर्यावरण बचाने और प्रकृति के प्रति जिम्मेदारी निभाने का संदेश दिया गया। आयोजकों ने सामाजिक सरोकारों को धार्मिक और सांस्कृतिक आयोजन से जोड़कर लोगों को जागरूक करने का प्रयास किया।

सायला में बंद मकान का ताला तोड़कर चोरी का खुलासा, दो आरोपी गिरफ्तार

महानगर मेट्रो ब्यूरो

सायला। सायला थाना पुलिस ने चौराऊ गांव में बंद मकान का ताला तोड़कर नकदी, सोने-चांदी के आभूषण और अन्य सामान चोरी करने के मामले का खुलासा करते हुए दो आरोपियों को गिरफ्तार किया है। पुलिस ने गिरफ्तार आरोपियों की निशानदेही पर चोरी का सामान भी बरामद किया है। पुलिस की पूछताछ में दोनों आरोपियों द्वारा वारदात करना स्वीकार करने की बात सामने आई है। मामले में पुलिस आगे की जांच कर रही है। पुलिस के अनुसार चौराऊ निवासी संजय कुमार जैन ने 2 सितंबर को थाने में रिपोर्ट दर्ज कराई थी। रिपोर्ट में बताया गया कि उनके बड़े भाई 30 अप्रैल को मकान पर ताला लगाकर बाहर गए थे। बाद में जब संजय कुमार गांव लौटे और मकान पर पहुंचे तो मुख्य दरवाजे का ताला गायब मिला। संदेह होने पर उन्होंने अंदर जाकर देखा तो कमरे में रखी दो तिजोरियों के ताले भी टूटे हुए थे। जांच करने पर सामने आया कि मकान से चांदी के बर्तन, सोने की बालियां, टॉप्स और नकदी सहित कई कीमती सामान गायब थे। इसी दौरान पुलिस को कैलाश कुमार के मकान में भी चोरी होने की जानकारी मिली, जहां से चोर एलईडी लेकर फरार हो गए थे। एक ही क्षेत्र में हुई इन वारदातों के बाद पुलिस ने मामला दर्ज कर जांच शुरू की। मामले को गंभीरता से लेते हुए पुलिस अधीक्षक शैलेन्द्र सिंह इन्दौलिया के निर्देश पर अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक मोटाराम गोदारा और वृत्ताधिकारी गौतम जैन के सुपरविजन में विशेष टीम गठित की गई। थानाधिकारी सुरेन्द्र सिंह के नेतृत्व में गठित टीम ने घटनास्थल और आसपास के क्षेत्र से उपलब्ध तकनीकी जानकारी जुटाई। पुलिस ने स्थानीय स्तर पर मुखबिर तंत्र को सक्रिय करते हुए संदिग्ध लोगों की गतिविधियों पर नजर रखी। तकनीकी जानकारी और मुखबिर से मिले इनपुट के आधार पर पुलिस ने कुछ संदिग्धों को चिन्हित कर उनसे पूछताछ शुरू की। पूछताछ के दौरान पुलिस के मुताबिक आरोपियों ने चोरी की वारदात करना स्वीकार कर लिया। पुलिस ने चौराऊ निवासी देवाराम मेघवाल, उम्र 28 वर्ष, और राजूराम मेघवाल, उम्र 35 वर्ष, को गिरफ्तार कर लिया।

बालदा राजपुरा में राजपूत समाज का लहरिया स्नेह मिलन उत्सव पारंपरिक परिधानों में सजी बहन-बेटियों ने बढ़ाया उत्सव का रंग

महानगर मेट्रो ब्यूरो

सिरोही। जिले के बालदा राजपुरा गांव में राजपूत समाज की ओर से लहरिया स्नेह मिलन उत्सव का आयोजन बड़े उत्साह और हर्षोल्लास के साथ किया गया। कार्यक्रम में समाज की बहन-बेटियों, बहुओं और महिलाओं ने बड़ी संख्या में भाग लेकर समारोह की रौनक बढ़ाई। पारंपरिक रीति-रिवाजों और सांस्कृतिक प्रस्तुतियों से सजे इस आयोजन में समाज की एकता, आपसी प्रेम और पारंपरिक संस्कृति का सुंदर संगम देखने को मिला। समारोह के दौरान समाज की बहन-बेटियां और महिलाएं रंग-बिरंगे पारंपरिक लहरिया परिधानों में सजी नजर आईं। पारंपरिक वेशभूषा ने पूरे आयोजन को खास आकर्षण दिया। महिलाओं और बालिकाओं ने राजपूती संस्कृति की गरिमा और परंपराओं को अपनी वेशभूषा और प्रस्तुतियों के माध्यम से जीवंत किया। आयोजन स्थल पर उत्सव जैसा माहौल बना रहा और बड़ी संख्या में मौजूद लोगों ने कार्यक्रम का आनंद लिया। लहरिया स्नेह मिलन के दौरान बालिकाओं ने सुंदर गीत और सांस्कृतिक प्रस्तुतियां पेश कीं। पारंपरिक गीत-संगीत और मनमोहक प्रस्तुतियों ने उपस्थित लोगों का दिल जीत लिया। कार्यक्रम में प्रतिभागियों का उत्साह देखते ही बन रहा था। प्रस्तुतियों के माध्यम से जहां राजपूती संस्कृति की झलक देखने को मिली, वहीं नई पीढ़ी में अपनी परंपराओं के प्रति जुड़ाव भी दिखाई दिया। कार्यक्रम की एक खास बात समाज की बहनों की ओर से सामाजिक जागरूकता से जुड़ी प्रस्तुतियां रहीं। इन प्रस्तुतियों के माध्यम से नशा और दहेज जैसी सामाजिक कुरीतियों से दूर रहने का संदेश दिया गया। समाज को इन बुराइयों से मुक्त बनाने और आने वाली पीढ़ी को बेहतर वातावरण देने का आह्वान किया गया। महिलाओं ने स्वस्थ, शिक्षित और संस्कारी समाज के निर्माण का संकल्प लेने की बात कही। समारोह के दौरान समाज की बहन-बेटियों को सम्मानित कर उनका उत्साह बढ़ाया गया।

जयपुर के निजी हॉस्पिटल में युवती से छेड़छाड़ का आरोप, एनेस्थीसिया देने के बाद गलत हरकत का दावा

एंडोस्कोपी के लिए हॉस्पिटल पहुंची थी युवती, पिता की शिकायत पर एफआईआरद्व सीसीटीवी फुटेज की जांच के बाद नर्सिंगकर्मी शांतिभंग में गिरफ्तार

महानगर मेट्रो ब्यूरो

जयपुर। शहर के एक निजी हॉस्पिटल में इलाज के दौरान युवती से छेड़छाड़ का गंभीर मामला सामने आया है। युवती पेट दर्द की शिकायत के चलते एंडोस्कोपी करवाने के लिए हॉस्पिटल पहुंची थी। परिजनों का आरोप है कि जांच से पहले एक नर्सिंगकर्मी युवती को अलग कमरे में ले गया और इंजेक्शन देकर उसे बेहोश किया। इसके बाद बेहोशी की हालत में उसके साथ गलत तरीके से छूने की हरकत की गई। घटना शुक्रवार रात 4 सितंबर की बताई जा रही है।

घर पहुंचने के बाद युवती ने पिता को बताई घटना

पीड़िता के पिता के अनुसार, एंडोस्कोपी के लिए हॉस्पिटल पहुंचने के दौरान आरोपी नर्सिंगकर्मी उनकी बेटी को एक कमरे में ले गया। वहां उसे इंजेक्शन दिया गया। युवती के बेहोश होने के बाद उसके साथ कथित तौर पर गलत हरकत की गई। घर लौटने के बाद युवती ने अपने पिता को पूरी घटना के बारे में बताया। इसके बाद पिता हॉस्पिटल पहुंचे और स्टाफ से आरोपी के बारे में जानकारी मांगी। पिता का आरोप है कि हॉस्पिटल पहुंचने के बाद आरोपी नर्सिंगकर्मी को वहां मौजूद स्टाफ ने छिपा दिया। इसके बाद उन्होंने पुलिस थाने पहुंचकर शिकायत दी। पुलिस के हॉस्पिटल पहुंचने के बाद आरोपी बाहर आया। पुलिस ने हॉस्पिटल में लगे सीसीटीवी कैमरों की फुटेज देखी और मौके पर मौजूद कर्मचारियों से पूछताछ की।

परिजनों और स्थानीय लोगों ने थाने में किया प्रदर्शन

मामले को लेकर रविवार दोपहर पीड़िता के परिजन और बड़ी संख्या में लोग थाने पहुंचे। लोगों ने आरोपी के खिलाफ कड़ी कार्रवाई और गिरफ्तारी की मांग को लेकर प्रदर्शन किया। प्रदर्शनकारियों का कहना था कि केवल एफआईआर दर्ज करने से मामला खत्म नहीं होना चाहिए, बल्कि जांच पूरी कर आरोपी के खिलाफ सख्त कानूनी कार्रवाई की जानी चाहिए।थानाधिकारी के अनुसार, पीड़िता के पिता की शिकायत के आधार पर एफआईआर दर्ज कर ली गई है। हॉस्पिटल के सीसीटीवी फुटेज की जांच की गई है और वहां मौजूद स्टाफ से भी पूछताछ की गई है। पुलिस ने आरोपी नर्सिंगकर्मी को फिलहाल शांतिभंग के आरोप में

गिरफ्तार किया है। पुलिस का कहना है कि जांच के दौरान आरोप प्रमाणित होने पर आरोपी के खिलाफ आगे की कानूनी कार्रवाई की जाएगी। जयपुर के एक निजी हॉस्पिटल से जुड़ा एक अलग गंभीर मामला भी सामने आया है। इसमें एक युवती ने हॉस्पिटल के ड्यूटी ऑफिसर पर काम के बहाने उसे बुलाकर दुष्कर्म करने का आरोप लगाया है। पीड़िता का आरोप है कि आरोपी ने घटना का अश्लील वीडियो बनाया और बाद में उसे ब्लैकमेल कर धमकाया। मामले को लेकर पीड़िता की ओर से पुलिस थाने में रिपोर्ट दर्ज करवाई गई है। पुलिस शिकायत के आधार पर मामले की जांच कर रही है।

अजमेर में सीएम भजनलाल शर्मा का रोड शो, कांग्रेस पर जमकर बरसेः बोले- कई नेता गणित में कमजोर

कुछ जादूगरों को अपने समय का भ्रष्टाचार नहीं दिखता

महानगर मेट्रो ब्यूरो

अजमेर। मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने रविवार को अजमेर में भाजपा प्रत्याशियों के समर्थन में रोड शो किया। रोड शो के दौरान शहर में जगह-जगह भाजपा कार्यकर्ताओं, समर्थकों और आम लोगों की ओर से मुख्यमंत्री का जोरदार स्वागत किया गया। रोड शो में बड़ी संख्या में कार्यकर्ता नजर आए और चुनावी माहौल के बीच भाजपा के पक्ष में उत्साह देखने को मिला। रोड शो के समापन पर गांधी भवन में मुख्यमंत्री ने कार्यकर्ताओं और आमजन को संबोधित किया और कांग्रेस पर तीखे राजनीतिक हमले किए। 'कई नेता गणित में कमजोर, कुछ जादूगरों को भ्रष्टाचार नहीं दिखता' गांधी भवन पर सभा को संबोधित करते हुए मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने कांग्रेस नेताओं पर निशाना साधा। उन्होंने कहा कि कांग्रेस में कई ऐसे नेता हैं, जिनका गणित कमजोर है। उन्होंने युवाओं को नौकरी देने के मुद्दे का जिक्र करते हुए कहा कि कांग्रेस के समय विधानसभा में उनसे चार लाख नौकरियों को लेकर सवाल किए जाते थे और जवाब देने के लिए डायरी-पेन रखने तक की बात कही जाती थी। मुख्यमंत्री ने कहा कि उनकी सरकार ने युवाओं को रोजगार देने का काम किया है और आने वाले समय में भी नौकरियां दी जाएंगी। उन्होंने कांग्रेस के कुछ नेताओं को 'जादूगर' बताते हुए कहा कि ऐसे नेताओं को अपने समय का भ्रष्टाचार दिखाई नहीं देता, लेकिन वे उनकी सरकार को सलाह देने चले आते हैं। मुख्यमंत्री ने कहा कि जिन्हें सलाह देने का शौक है, वे अपनी सलाह अपने पास रखें, सरकार को उनकी सलाह की जरूरत नहीं है।

'कांग्रेस का बैंड-बाजा कर देंगे'

मुख्यमंत्री ने अपने संबोधन के दौरान कांग्रेस पर हमला बोलते हुए कहा कि कांग्रेस के अंदर ऐसे लोग भी हैं, जिन्हें बैंड बजाने की आदत है। उन्होंने कहा कि उन बैंड वालों को भी बैंड बजाना पड़ेगा और उनका बैंड-बाजा कर दिया जाएगा। मुख्यमंत्री ने कार्यकर्ताओं से चुनाव में पूरी ताकत के साथ जुटने और भाजपा के पक्ष में माहौल बनाने का आह्वान किया।

युवाओं को नौकरी देने का किया दावा

रोड शो के दौरान दैनिक भास्कर से खास बातचीत में मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने राज्य की भाजपा सरकार की उपलब्धियों का जिक्र किया। उन्होंने कहा कि राजस्थान में डबल इंजन की सरकार काम कर रही है। मुख्यमंत्री ने कहा कि यदि इसमें तीसरा इंजन भी जुड़ता है तो प्रदेश को इसका निश्चित तौर पर फायदा मिलेगा। उन्होंने दावा किया कि सरकार अपने ढाई साल के कार्यकाल में करीब 1 लाख 89 हजार युवाओं को नौकरियां दे चुकी है। मुख्यमंत्री ने कहा कि रोजगार और विकास को लेकर सरकार लगातार काम कर रही है तथा आने वाले समय में भी युवाओं के लिए अवसर बढ़ाए जाएंगे।

कार्यकर्ताओं को दिया जीत का मंत्र

रोड शो के समापन के बाद मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा मेरवाड़ा स्टेट होटल पहुंचे। यहां उन्होंने भाजपा पदाधिकारियों और कार्यकर्ताओं के साथ बैठक की। बैठक में चुनाव की रणनीति को लेकर चर्चा की गई।

मुख्यमंत्री ने कार्यकर्ताओं से बूथ स्तर तक पूरी मजबूती के साथ काम करने और चुनाव में जीत सुनिश्चित करने के लिए पूरी ताकत झोंकने का आह्वान किया। मुख्यमंत्री ने कार्यकर्ताओं से कहा कि चुनाव में किसी भी स्तर पर ढिलाई नहीं बरती जाए और पार्टी के प्रत्याशियों के समर्थन में पूरी सक्रियता के साथ मैदान में जुटा जाए। उन्होंने राजस्थान में ट्रिपल इंजन की सरकार बनाने के लिए कार्यकर्ताओं से एकजुट होकर काम करने का संदेश दिया।

प्र्रत्याशियों व अभिकर्ताओं को वितरित किए चुनाव परिचय पत्र पांच जोन के लिए बनाए गए अलग-अलग काउंटर

महानगर मेट्रो ब्यूरो

पाली। नगर निगम आम चुनाव 2026 को लेकर चुनावी तैयारियां अब अंतिम चरण में पहुंच गई हैं। शनिवार को नगर निगम कार्यालय में पार्षद पद के प्रत्याशियों एवं उनके अभिकर्ताओं को चुनाव परिचय पत्रों का वितरण किया गया। परिचय पत्र लेने के लिए सुबह से ही निगम कार्यालय में प्रत्याशियों एवं उनके अभिकर्ताओं की भीड़ रही। चुनाव परिचय पत्र वितरण का कार्य सुबह 10 बजे से शुरू होकर शाम तक जारी रहा। सहायक रिटर्निंग अधिकारी एवं उपखंड अधिकारी विमलेन्द्र सिंह राणावत ने बताया कि नगर निगम पाली के सभी 65 वार्डों से पार्षद पद

के प्रत्याशियों एवं उनके अभिकर्ताओं को चुनाव परिचय पत्र वितरित किए गए। वितरण कार्य को व्यवस्थित एवं सुचारू रूप से संपादित करने के लिए नगर निगम के पांच जोन के अनुसार अलग-अलग काउंटर स्थापित किए गए थे। संबंधित जोन के प्रत्याशियों एवं अभिकर्ताओं को निर्धारित काउंटर से परिचय पत्र उपलब्ध करवाए गए, जिससे भीड़ को नियंत्रित करने के साथ ही वितरण कार्य में किसी प्रकार की परेशानी नहीं हुई। इस दौरान मीडिया प्रभारी विक्रम सिंह परिहार, युजवेन्द्र खेमलानी, बबलू काठात, ताराचंद सेजू, रामलाल, मोहित जोशी, अभिषेक चतुर्वेदी, हिमांशु चतुर्वेदी, जयपाल सिंह चौहान, कुलदीप जोशी, अभिषेक राजपुरोहित (पुनायता) सहित निर्वाचन से जुड़े कार्मिक मौजूद रहे। ईवीएम की कमिशनिंग रविवार को, 20 दल करेंगे तैयारी - सहायक रिटर्निंग अधिकारी एवं उपखंड अधिकारी राणावत ने बताया कि नगर निगम आम चुनाव को लेकर रविवार को राजकीय विधि महाविद्यालय में मतदान केन्द्रवार आवंटित ईवीएम मशीनों की तैयारी (कमिशनिंग) की जाएगी। इसके लिए कुल 20 दल गठित किए गए हैं। इन दलों द्वारा मतदान केन्द्रवार आवंटित बैलेट यूनिट (बीयू) एवं कंट्रोल यूनिट (सीयू) मशीनों की आवश्यक प्रक्रिया पूरी की जाएगी। उन्होंने बताया कि ईवीएम कमिशनिंग की प्रक्रिया निर्वाचन की दृष्टि से महत्वपूर्ण है। इसके लिए संबंधित कार्मिकों को आवश्यक प्रशिक्षण एवं दिशा-निर्देश दिए गए हैं तथा पूरी प्रक्रिया निर्धारित प्रोटोकॉल के अनुसार संपादित की जाएगी।

पाली नगर निगम चुनाव में महापौर की कुर्सी पर नजर, भाजपा के तीन चेहरों की चर्चा तेज

महानगर मेट्रो ब्यूरो

पाली। पाली नगर निगम के 65 वार्डों में इस बार चुनावी मुकाबला लगातार रोचक होता जा रहा है। भाजपा ने 64 वार्डों में अपने प्रत्याशी उतारे हैं, जबकि कांग्रेस के 59 प्रत्याशी चुनावी मैदान में हैं। दोनों ही दलों के उम्मीदवार जोर-शोर से प्रचार में जुटे हुए हैं। वार्डों में मुकाबला भले ही पार्षद पद के लिए हो, लेकिन कई मजबूत प्रत्याशी अभी से महापौर की कुर्सी को लेकर अपनी दावेदारी मजबूत करने में जुटे नजर आ रहे हैं। चुनावी मैदान में जहां भाजपा का '50 पार' का नारा चर्चा में है, वहीं कांग्रेस ने 'पाली मांगे परिवर्तन' का नारा देकर चुनावी माहौल को गर्म कर दिया है। दोनों प्रमुख दलों के भीतर अब यह चर्चा भी तेज हो गई है कि यदि बहुमत का बोर्ड बनता है तो महापौर पद के लिए किन चेहरों को आगे किया जा सकता

है। कई प्रत्याशियों के पीछे पार्टी के बड़े नेताओं का समर्थन बताया जा रहा है और इसी आधार पर उन्हें संभावित महापौर के रूप में पेश किया जा रहा है।

भाजपा में इन तीन नामों की चर्चा

वार्ड 33 से नमिता बुबकिया का नाम भाजपा के प्रमुख दावेदारों में लिया जा रहा है। भाजपा नेता विकास बुबकिया ने अपनी पत्नी नमिता को चुनाव मैदान में उतारा है। विकास बुबकिया पहले पार्षद भी रह चुके हैं और पार्टी के सक्रिय नेताओं में उनकी गिनती होती है। उन्हें पूर्व विधायक ज्ञानचंद पारख और पूर्व सभापति महेंद्र बोहरा के करीबी नेताओं में माना जाता है। वार्ड 33 में उनका मुकाबला कांग्रेस के सोहनलाल से है। ऐसे में यह सीट भाजपा के लिए महत्वपूर्ण मानी जा ही है। वार्ड 23 से खुशबू लोढ़ा भी महापौर पद की संभावित दावेदारों में चर्चा में हैं। भाजपा नेता अजीत लोढ़ा ने अपनी पत्नी खुशबू लोढ़ा को मैदान में उतारा है। राजनीतिक रूप से सक्रिय परिवार से आने वाली खुशबू को संगठन और बड़े नेताओं के समर्थन से जोड़कर देखा जा रहा है। उनके समर्थन में सिक्किम के राज्यपाल ओम माथुर और भाजपा प्रदेशाध्यक्ष मदन राठौड़ जैसे नेताओं के नाम चर्चा में हैं। वार्ड में कांग्रेस की शीला के साथ सीधा मुकाबला है और यहां केवल दो प्रत्याशी मैदान में हैं।

38 तोला सोना और 900 ग्राम चांदी समेत लाखों का माल पार

महानगर मेट्रो ब्यूरो

पाली। जिले के रोहट थाना क्षेत्र के चोटिला गांव में बीती रात चोरों ने दो मकानों को निशाना बनाकर लाखों रुपए के सोने-चांदी के गहने और नकदी चोरी कर ली। चोर दोनों घरों में पीछे की ओर से दाखिल हुए और खिड़कियां तोड़कर कमरों तक पहुंचे। चोरी के दौरान उन्होंने कमरों के दरवाजे अंदर से बंद कर दिए, ताकि घर में मौजूद लोगों को घटना की भनक न लगे। दोनों मकानों से करीब 38 तोला सोने और 900 ग्राम चांदी के गहने चोरी होने की बात सामने आई है। चोरी गए माल की बाजार कीमत करीब 60 लाख रुपए बताई जा रही है। चोटिला गांव निवासी नरपतसिंह ने बताया कि उनके बड़े भाई गणपतसिंह पुत्र अर्जुनसिंह के मकान के पीछे खेत है। इसी रास्ते का फायदा उठाकर चोर पीछे की ओर बनी खिड़की तोड़कर घर में दाखिल हुए। घर के अंदर पहुंचने के बाद चोरों ने कमरे का दरवाजा अंदर से बंद कर दिया और वहां रखे आभूषण व नकदी समेट ली। उन्होंने बताया कि घर से करीब 13 तोला सोने के गहने, आधा किलो चांदी के आभूषण और 5 हजार रुपए नकद चोरी किए गए।

सम्पादकीय

BJP के हुक्मरान गहरी नींद में हैं!

टाटा केमिकल्स के प्रदूषण ने 22 गांवों के पानी और ज़मीन को ज़हरीला कर दिया है

द्वारका पंथक का मुलवेल गांव और उसके आस-पास के 22 से ज़्यादा गांव आज एक भयानक पर्यावरण और इंसानों की बनाई तबाही के मुंह में धकेल दिए गए हैं। टाटा केमिकल्स कंपनी द्वारा खुलेआम छोड़े जा रहे ज़हरीले केमिकल प्रदूषण की वजह से इस पूरे इलाके का वजूद ही खतरे में पड़ गया है। स्थानीय नागरिकों की सेहत के साथ खुलेआम छेड़छाड़ की जा रही है। लोगों की ज़मीन, पीने का पानी, जंगल, चारागाह, नदियां और समुद्री जीवन पूरी तरह से बर्बाद होने की कगार पर पहुंच गए हैं। लेकिन, कानून और सुशासन के खोखले दावे करने वाली BJP सरकार और स्थानीय प्रशासन बेशर्मी से लाचारी का रोल निभाकर तमाशा देख रहा है। खेती बर्बाद, महामारी और हज़ारों लोगों का मजबूरी में पलायन

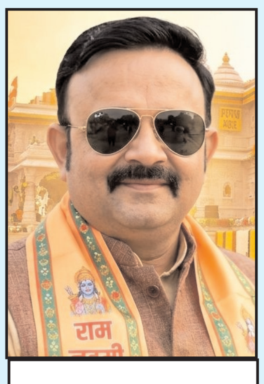

पवन माकन
ग्रुप एडिटर, महानगर मेट्रो

इस इलाके में प्रदूषण इतना बढ़ गया है कि अब किसानों के लिए खेती करना या आम लोगों के लिए सांस लेना मुश्किल हो गया है

ज़मीन और खेती का विनाश: ज़हरीले केमिकल और टाटा केमिकल्स के कचरे की वजह से उपजाऊ ज़मीन बंजर और ज़हरीली हो गई है। किसानों की खड़ी फसलें जलाई जा रही हैं, जिससे स्थानीय किसान समुदाय आर्थिक रूप से तबाह हो गया है।

मरीन नेशनल पार्क पर संकट: समुद्री इलाके और बहुत ज़्यादा संवेदनशील मरीन नेशनल पार्क में केमिकल कचरा फेंकने से समुद्री जीवन पूरी तरह खत्म हो रहा है।

गांव खाली हो रहे हैं: घरों में पीने का साफ पानी न होना, सांस और स्किन की गंभीर बीमारियां फैलना और रोजी-रोटी छिनने की वजह से मुलवेल और आस-पास के गांवों के हज़ारों लोग बिना मन के अपनी पुरखों की ज़मीन छोड़कर पलायन करने को मजबूर हो गए हैं।

पॉलिटिकल फंडिंग का खेल नेता और शासक चुप क्यों हैं?

स्थानीय गांववालों और पर्यावरणविदों में गुस्से का ज्वालामुखी फूट पड़ा है। लोगों का सीधा आरोप है कि लोगों की कीमत पर उद्योगपतियों को पनाह दी जा रही है

टाटा की चुनावी फंडिंग: हाल ही में ऐसी खबरें आई हैं कि टाटा ग्रुप ने सत्ताधारी भारतीय जनता पार्टी को एक बड़ा पॉलिटिकल फंड/पैसा दिया है। गांववालों का आरोप है कि इस पॉलिटिकल रिश्वत के बदले कंपनी को प्रदूषण फैलाने की खुली छूट दी गई है।

जिम्मेदार नेताओं की क्रिमिनल चुप्पी: इस इलाके को ताकतवर BJP MLA पबुभा मानेक और BJP MP पूनमबेन माडम रिप्रेजेंट करते हैं। इतना ही नहीं, फॉरेस्ट और एनवायरनमेंट मिनिस्टर अर्जुन मोढवाडिया भी पास के इलाके से ही चुने गए हैं और जामनगर के इंचार्ज मिनिस्टर हैं। एनवायरनमेंट मिनिस्ट्री की नाक के नीचे 22 गांव जल रहे हैं और मिनिस्टर और लोगों के रिप्रेजेंटेटिव चुप्पी साधे बैठे हैं, जिससे लोगों में बहुत गुस्सा है।

अगर टाटा केमिकल्स के प्रदूषण पर तुरंत कंट्रोल नहीं किया गया और 22 प्रभावित गांवों के लोगों को सही मुआवजा और हेल्थ सुविधाएं नहीं दी गई, तो यह तय है कि आने वाले दिनों में पूरे द्वारका-जामनगर पंथक में एक बड़ा पब्लिक मूवमेंट शुरू हो जाएगा।

“महंगाई ऐसी बढ़ी, सब्जी खरीदना भी सोना खरीदने जैसा हो गया!”

तूफानों का सीना चीरती सिंहगर्जना: चुनौतियों के सामने अडिग योद्धा

जिंदगी जीने का असली मजा तभी है, जब चारों तरफ मुश्किलों का पहरा हो, तनाव अपनी चरम सीमा पर हो और नसों में दर्द बह रहा हो... फिर भी, आप उन भयानक कठिनाइयों की आंखों में आंखें डालकर, सीना तानकर खड़े रहें और एक कातिलाना मुस्कान के साथ कहें–'ले, इसका भी खेल खत्म! अब बोल, अगला शिकार कौन सा है

ज्यादातर लोग शांत समंदर में नाव चलाकर खुद को कुशल नाविक समझ बैठते हैं। पर सच्चा नाविक वह है जो समंदर के सबसे भयंकर तूफान को भी खेल समझकर उससे टकरा जाए। जीवन में जब सारे रास्ते बंद हो जाएं, तभी इंसान के असली अस्तित्व की शुरुआत होती है। यह कायरता की राख से एक शेर की तरह उठ खड़े होने की ललकार है। समंदर के बीचों-बीच अकेला खड़ा लाइटहाउस (दीपस्तंभ) देखिए। रात के घने अंधेरे में जब समंदर की काली, पहाड़ जैसी ऊंची लहरें पूरी ताकत से उससे टकराती हैं, तो पूरा लाइटहाउस थरथरा उठता है। चारों तरफ से उसे डुबो देने के हमले होते हैं। लेकिन, वह लाइटहाउस अपनी नींव कभी नहीं छोड़ता। वह लहरों के हर प्रहार को झेलता है और बदले में दुनिया को और भी तेज रोशनी देता है। जिंदगी के तूफानों में आपको भी वही लाइटहाउस बनना है–चाहे कितने भी थपेड़े लगें, आपका आत्मविश्वास रूपी प्रकाश कभी धुंधला नहीं पड़ना चाहिए।

कोयले की खान में करोड़ों टन वजन और धरती के भीतर की असहनीय गर्मी जब किसी कार्बन पर लगातार दबाव डालती है, तो वह कुचलकर राख नहीं बनता; बल्कि उसी भयानक दबाव की बदौलत वह दुनिया का सबसे मजबूत तत्व– 'हीरा' बन जाता है। जिसे दुनिया का कोई हथियार नहीं काट सकता, उल्टे वह दूसरों को तराशने की ताकत रखता है। जब जिंदगी में तनाव और समस्याओं का दबाव बढ़े, तो समझ लीजिए कि कुदरत आपको मिटाना नहीं चाहती, बल्कि आपके कमजोर मन को तोड़कर आपको एक अटूट 'हीरा' बनाना चाहती है।

अपने आप से कहिए–मुश्किलों की औकात क्या जो मेरा इम्तिहान लें? मैं तो वह शोला हूं, जो अंगारों पर कदम रखकर पूरी तकदीर का नक्शा बदलने का दम रखता है। भले ही दुनिया भर की मुसीबतें मुझे घेर लें, मेरी हिम्मत के आगे हर मुश्किल को घुटने टेकने ही पड़ेंगे! जब जिंदगी आपको गिराने के लिए अपनी पूरी ताकत झोंक दे, तो समझ लेना कि खेल अब रोमांचक हो चुका है। अब या तो यह जिंदगी जीतेगी, या फिर मेरा इतिहास लिखा जाएगा!

जब मुश्किलें खुद थक जाएं

इस संसार का एक कड़वा और अटल सच है–जो डरता है, उसे ही लोग और डराते हैं। जो हालात के आगे झुक जाता है, मुश्किलें उसी पर सवार हो जाती हैं। लेकिन जिस पल आप आंखों में अंगारे भरकर उठ खड़े होते हैं और ठान लेते हैं कि 'अब चाहे जो हो जाए, पीछे हटना मंजूर नहीं ', ठीक उसी पल आधी मुश्किलें अपना रास्ता बदल लेती हैं। समस्याएं भी उस शिकारी की तरह होती हैं जो कमजोर जानवर पर हमला करती हैं; एक बब्बर शेर के सामने खड़े होने की औकात उनकी भी नहीं होती।

जब तकलीफ आए, तो रोने बैठने के बजाय उसे एक चुनौती की तरह स्वीकार कीजिए। जैसे-जैसे धड़कनें बढ़ें, अपनी हिम्मत को और ऊंचा उठाइए। तनाव और दर्द इस बात का सुबूत हैं कि आप अभी जिंदा हैं; मरे हुए इंसान को कोई समस्या नहीं सताती। अंतिम विजय निश्चित रूप से आपकी ही होगी, हिसाब बिल्कुल बराबर होगा–बस शर्त इतनी है कि आपको मैदान छोड़कर भागना नहीं है। जिंदगी की कोई ताकत, कोई इंसान या कोई भी परिस्थिति आपको तब तक नहीं हरा सकती, जब तक आप खुद अंदर से हार न मान लें। इसीलिए, जब भी मुश्किलों का पहाड़ टूट पड़े, तो एक बेपरवाह हंसी के साथ शेर की तरह गरज कर कहिए– '...बस इतना ही? चल, कोई और बड़ी मुश्किल भेज, यह तो मेरे बाएं हाथ का खेल है!' जिस दिन यह दहकती हुई आग आपके भीतर पैदा हो गई, उस दिन आप अजेय बन जाएंगे।

दर्शना पटेल-(नेशनल मेडलिस्ट)
(नेशनल अवॉर्ड से सम्मानित)
पोर्ट्स टीचर

'सितंबर की उस अंधेरी सुबह हमारा परिवार बिखर गया था

आकाशी और शांतनु भट्ट पोस्ट की शुरुआत में उन दर्दनाक पलों को याद करते हैं जब 5 सितंबर को सत्ता के बल पर उनके पिता को उनके परिवार से अलग कर दिया गया था

कैलेंडर के नंबर और दिल टूटना 'कैलेंडर कहता है कि आठ साल बीत चुके हैं, लेकिन हमारी आत्मा और दिल अभी भी उसी सितंबर की सुबह में अटके हुए हैं जब हमारी दुनिया बिखर गई थी। अधिकारियों ने सच की आवाज़ दबाने के लिए झूठे आरोपों की आड़ में हमारे परिवार को तोड़ दिया। '

विवेक की आवाज़ पर डील करने से इनकार: संजीव भट्ट के बच्चों ने साफ़ किया, 'हमने अपने पिता से सीखा है कि अपने आराम, करियर या आज़ादी को बचाने के लिए विवेक की आवाज़ पर डील करना और चुप रहना सुरक्षा नहीं है। उन्होंने जो भी त्याग किया, वह अपने लिए नहीं, बल्कि राजनीतिक महत्वाकांक्षा और हिंसा के मासूम पीड़ितों के लिए किया। '

लोकतंत्र कैसे कमज़ोर होता है? संस्थाओं की नाकामी पर हमला

पोस्ट में संजीव भट्ट के बच्चों ने मौजूदा सिस्टम की नाकामी और सिस्टम की क्रूरता पर ज़ोरदार हमला किया है:

1. संस्थाओं का गैर-कानूनी इस्तेमाल: डेमोक्रेसी तब खत्म हो जाती है जब सत्ता को कंट्रोल करने और नागरिकों की रक्षा के लिए बनाई गई संस्थाएं सत्ता में बैठे लोगों के हाथों में खिलौने और हथियार बन जाती हैं।
2. ज्यूडिशियरी की नाकामी: जब ज्यूडिशियरी, जो बेबस और दबे-कुचले नागरिकों की आखिरी पनाहगाह होनी चाहिए, उनकी रक्षा करने में नाकाम हो जाती है और सत्ता की सेवा में लग जाती है।
3. नागरिकों की चुप्पी सबसे खतरनाक है: डेमोक्रेसी रातों-रात खत्म नहीं होती, लेकिन जब आम नागरिक मिलकर यह सोचने लगते हैं कि जुल्म के खिलाफ आवाज़ उठाने के बजाय 'आंखें मूंद लेना' ज़्यादा सुरक्षित है, तो डेमोक्रेसी के पिलर गिर जाते हैं।

'सरकार सब कुछ छीन सकती थी, लेकिन उनकी आत्मा और इरादे को नहीं तोड़ सकती थी'

आकाशी और शांतनु भट्ट ने आगे कहा कि पिछले आठ सालों में, इस सरकार ने उनकी आज़ादी, करियर, इज्ज़त और परिवार के साथ बिताए कीमती साल छीन लिए हैं। लेकिन संजीव भट्ट को सरकार के लिए शुरू से ही सबसे खतरनाक बनाने वाली बात थी–उनकी अंतरात्मा, घुटने न टेकने का उनका मज़बूत फ़ैसला और सच के प्रति उनकी लगन–सत्ता की पूरी मशीनरी उन्हें कैद नहीं कर पाई।

'हिम्मत फैलने वाली चीज़ है, लड़ाई जारी रहेगी! '

पोस्ट देश के युवाओं और नागरिकों से जागने की अपील के साथ खत्म होती है, जिसमें कहा गया है:

एक आवाज़ लाखों लोगों में हिम्मत जगाएगी: 'एक आदमी की हिम्मत लाखों लोगों में हिम्मत का सोता जला सकती है। इतिहास उन्हें याद रखता है जो झुकने से मना करते हैं। '

आखिरी फ़ैसला: 'आज 8 साल पूरे हो गए। हम घायल हो सकते हैं, हमारा खून बह सकता है, लेकिन हम टूटे नहीं हैं, हम झुके नहीं हैं और हम कभी हार नहीं मानेंगे। इंसाफ़ के लिए हमारी लड़ाई जारी रहेगी! '

यह पोस्ट रिलीज़ होते ही सोशल मीडिया पर वायरल हो गई है और ह्यूमन राइट्स एक्टिविस्ट और विपक्ष के नेता भी संजीव भट्ट के परिवार के लिए सपोर्ट दिखा रहे हैं।

इतिहास की गोद में धड़कता आधुनिक गुजरात का हृदय

रूपेश सोलंकी। गुजरात की धरती पर अनेक शहरों ने अपनी विशिष्ट पहचान और अलग-अलग रंगों को संजोया है, लेकिन अहमदाबाद का स्थान कुछ विशेष है। यह शहर केवल ईंट-पत्थरों से बना एक महानगर नहीं है; बल्कि यह सदियों के इतिहास, संस्कृति, संघर्ष, सृजनशीलता और मानवीय संवेदनाओं को अपने हृदय में संजोए हुए एक जीवंत गाथा है। यहाँ अतीत की गलियों से इतिहास के कदमों की आहट सुनाई देती है और आधुनिक मार्गों पर भविष्य की गति दौड़ती हुई दिखाई देती है। अहमदाबाद अर्थात परंपरा और प्रगति का अद्भुत संगम। एक ओर पुराने शहर की पोलों में स्थित लकड़ी की नक्काशीदार हवेलियाँ, झरोखे और संकरी गलियाँ शहर की ऐतिहासिक विरासत की कहानी कहती हैं, तो दूसरी ओर विशाल मार्ग, उद्योग, शैक्षणिक संस्थान, आधुनिक व्यावसायिक केंद्र और विकसित होती शहरी सुविधाएँ नए अहमदाबाद की पहचान बनाती हैं।

आशावल से अहमदाबाद तक की ऐतिहासिक यात्रा

अहमदाबाद का इतिहास उसकी स्थापना से भी कहीं अधिक प्राचीन है। साबरमती नदी के किनारे स्थित यह क्षेत्र प्राचीन काल से ही मानव बस्तियों और व्यापार का महत्वपूर्ण केंद्र रहा है। आशावल और कर्णावती जैसे प्राचीन संदर्भ इस क्षेत्र के दीर्घ इतिहास के साक्षी हैं। ईस्वी सन् 1411 में सुल्तान अहमद शाह ने साबरमती नदी के किनारे अहमदाबाद शहर की स्थापना की। शहर की स्थापना के साथ यहाँ किलेबंदी, बाजारों, मस्जिदों, महलों और बस्तियों का विकास हुआ। समय के साथ अहमदाबाद गुजरात के राजनीतिक, आर्थिक और सांस्कृतिक जीवन का एक महत्वपूर्ण केंद्र बन गया।

भद्र का किला, तीन दरवाजे, जामा मस्जिद और पुराने शहर की पोलें आज भी अहमदाबाद के गौरवशाली अतीत की जीवंत गवाही देती हैं।

पोलें : अहमदाबाद की अनूठी जीवनशैली

अहमदाबाद की पहचान केवल उसके ऐतिहासिक स्मारकों से नहीं होती; उसकी पोल संस्कृति भी उतनी ही अनूठी है। पोल केवल मकानों का समूह नहीं, बल्कि आपसी संबंधों, सह-अस्तित्व और सामूहिक जीवन की एक समृद्ध परंपरा है।पुरानी पोलों में घरों की संरचना इस प्रकार की गई थी कि पड़ोसियों के बीच सामाजिक संबंध मजबूत बने रहें। लकड़ी पर की गई सुंदर नक्काशी वाले दरवाजे, आकर्षक झरोखे, चौक और आंतरिक आंगन अहमदाबाद की स्थापत्य कला की अद्भुत कल्पनाशीलता को दर्शाते हैं। ये पोलें हमें एक महत्वपूर्ण संदेश देती हैं–शहर कितना भी आधुनिक क्यों न हो जाए, उसकी आत्मा उसके लोगों और उनकी परंपराओं में ही बसती है। अहमदाबाद का नाम महात्मा गांधी के जीवन और भारत के स्वतंत्रता संग्राम से अविभाज्य रूप से जुड़ा हुआ है। साबरमती नदी के किनारे स्थित साबरमती आश्रम राष्ट्र के स्वतंत्रता संग्राम की अनेक ऐतिहासिक घटनाओं का साक्षी रहा है।

गांधीजी ने यहाँ से सत्य, अहिंसा, स्वदेशी और स्वावलंबन के विचारों को जन-जन तक पहुँचाया। आज भी यह आश्रम देश-विदेश से आने वाले लोगों के लिए प्रेरणा का केंद्र बना हुआ है।

साबरमती के किनारे खड़े होकर जब कोई व्यक्ति इस शहर को निहारता है, तो उसे केवल नदी दिखाई नहीं देती; उसे सत्याग्रह की चेतना, स्वतंत्रता की आकांक्षा और राष्ट्र निर्माण के सपनों का भी अनुभव होता है।

विश्व विरासत की पहचान

अहमदाबाद के ऐतिहासिक शहर को यूनेस्को द्वारा विश्व विरासत शहर के रूप में मान्यता प्राप्त है। यह सम्मान केवल अहमदाबाद के लिए ही नहीं, बल्कि पूरे गुजरात के लिए गौरव की बात है।

शहर की ऐतिहासिक इमारतें, पोलें, धार्मिक स्थापत्य और जीवंत परंपराएँ अहमदाबाद को भारत के अन्य महानगरों से एक विशिष्ट पहचान प्रदान करती हैं।

यहाँ विरासत किसी संग्रहालय में बंद नहीं है; बल्कि आज भी वह लोगों के दैनिक जीवन का हिस्सा है। यही अहमदाबाद की सबसे बड़ी विशेषता है।

उद्योग और व्यापार का शक्तिशाली केंद्र

अहमदाबाद को गुजरात के औद्योगिक और व्यापारिक विकास में महत्वपूर्ण स्थान प्राप्त है। कपड़ा उद्योग के विकास के कारण एक समय अहमदाबाद को प्रेमपूर्वक 'भारत का मैनचेस्टर' भी कहा जाता था। कपड़ा मिलों से शुरू हुई औद्योगिक यात्रा आज अनेक क्षेत्रों तक विस्तृत हो चुकी है। व्यापार, वित्तीय सेवाएँ, निर्माण, फार्मास्यूटिकल्स, सूचना प्रौद्योगिकी, शिक्षा और विभिन्न सेवा क्षेत्रों ने अहमदाबाद की अर्थव्यवस्था को नई दिशा दी है। अहमदाबाद की व्यावसायिक सोच, परिश्रम करने की प्रवृत्ति और नए अवसरों को स्वीकार करने की क्षमता उसकी आर्थिक सफलता के महत्वपूर्ण आधार हैं। अहमदाबाद केवल व्यापार का शहर नहीं है; यह ज्ञान और शिक्षा की धरती भी है। यहाँ स्थित प्रतिष्ठित शैक्षणिक एवं अनुसंधान संस्थानों ने न केवल गुजरात, बल्कि पूरे देश के बौद्धिक विकास में महत्वपूर्ण योगदान दिया है। ज्ञान के साथ अनुसंधान और नवाचार की भावना विकसित करने वाला शहर ही भविष्य का शहर बन सकता है–और अहमदाबाद इस दिशा में निरंतर आगे बढ़ रहा है।

अहमदाबाद का खान-पान : स्वाद में बसा शहर

अहमदाबाद को समझना हो तो उसके खान-पान का स्वाद चखना भी आवश्यक है। गुजराती थाली, खिचड़ी-कढ़ी, फाफड़ा-जलेबी, खमण, ढोकला, खांडवी और विभिन्न प्रकार के पारंपरिक नाश्ते अहमदाबाद की समृद्ध खान-पान परंपरा का परिचय कराते हैं। विशेष रूप से माणेकचौक का रात्रि बाजार अपनी खान-पान की विविधता के लिए प्रसिद्ध है और शहर की जीवंतता तथा भोजन-प्रेमी स्वभाव का अनूठा प्रतिबिंब प्रस्तुत करता है। यहाँ भोजन केवल भूख मिटाने का साधन नहीं है; बल्कि यह मिलने-जुलने, बातचीत करने और रिश्तों को जीवंत बनाए रखने का एक सुंदर माध्यम भी है।

नदी किनारे से नए अहमदाबाद तक

साबरमती रिवरफ्रंट ने शहर के नदी किनारे के परिदृश्य को एक नई पहचान दी है। नदी के किनारे विकसित सार्वजनिक स्थल, हरियाली, पैदल चलने के मार्ग और विभिन्न गतिविधियों ने अहमदाबाद के शहरी जीवन में नई ऊर्जा का संचार किया है। दूसरी ओर, मेट्रो जैसी आधुनिक परिवहन व्यवस्थाएँ शहर को अधिक सुगम और बेहतर ढंग से जोड़ने की दिशा में महत्वपूर्ण कदम हैं। अहमदाबाद के लोगों में व्यावहारिक बुद्धिमत्ता, परिश्रम, उद्यमशीलता, परंपराओं के प्रति सम्मान और रिश्तों को सहेजकर रखने की भावना दिखाई देती है। यहाँ पुरानी पीढ़ी विरासत को संजोती है और नई पीढ़ी नवीनता को स्वीकार करती है। हमें शहर की ऐतिहासिक इमारतों, पोलों, नदी, पेड़ों और सार्वजनिक स्थलों को केवल सरकार की जिम्मेदारी नहीं मानना चाहिए। शहर हमारा है, इसलिए उसकी देखभाल की जिम्मेदारी भी हमारी ही है।

अंतिम शब्द–

अहमदाबाद एक ऐसा शहर है, जहाँ इतिहास साँस लेता है, संस्कृति मुस्कुराती है और विकास निरंतर आगे बढ़ता है। यहाँ अतीत की स्मृतियाँ वर्तमान की हलचल के साथ चलती हैं और भविष्य के सपने नई पीढ़ी की आँखों में चमकते हैं। साबरमती के किनारे बसा अहमदाबाद हमें सिखाता है कि शहर केवल सड़कों, इमारतों और बाजारों का नाम नहीं है; शहर लोगों की भावनाओं, संस्कृति की सुगंध, इतिहास की स्मृतियों और आने वाले कल के प्रति आशा का नाम है। अहमदाबाद अर्थात गुजरात की धड़कती नसों में बहती एक जीवंत संस्कृति। अहमदाबाद अर्थात विरासत और विकास के बीच एक सुंदर संवाद। अहमदाबाद अर्थात समय के साथ आगे बढ़ता हुआ, फिर भी अपनी पहचान को हृदय में संजोए रखने वाला गुजरात का गौरव।

राशिफल

(सोमवार) 7 सितंबर 2026

राशि	फल	राशि	फल
मेष	आज काम में सफलता मिलेगी, रुके कार्य पूरे होंगे।	तुला	व्यापार में लाभ होगा, रिश्तों में मधुरता रहेगी।
वृषभ	धन लाभ के योग हैं, नए अवसर मिल सकते हैं	वृश्चिक	पुराने काम पूरे होंगे, शुभ समाचार मिल सकता है
मिथुन	आत्मविश्वास बढ़ेगा, करियर में फायदा होगा	धनु	करियर में नए अवसर मिलेंगे, भाग्य साथ देगा
कर्क	परिवार का सहयोग मिलेगा, आर्थिक स्थिति बेहतर होगी	मकर	मेहनत सफल होगी, नौकरी में लाभ के योग हैं
सिंह	काम में तरक्की होगी, मान-सम्मान बढ़ेगा।	कुंभ	आर्थिक परेशानी दूर होगी, मित्रों का सहयोग मिलेगा।
कन्या	मेहनत का अच्छा परिणाम मिलेगा, धन लाभ संभव है	मीन	दिन शुभ रहेगा, परिवार में खुशी का माहौल रहेगा।

mahangarmetro.com
महानगर मेट्रो
अहमदाबाद, (सोमवार)
07 सितंबर 2026

चंदौली में खेलते-खेलते कुकर में फंसा 2 साल की बच्ची का सिर

महानगर मेट्रो ब्यूरो

चंदौली। के रामशाला गांव में खेलते समय दो साल की बच्ची का सिर प्रेशर कुकर में फंस गया। परिजन उसे जिला अस्पताल लेकर पहुंचे, जहां डॉक्टरों ने कई घंटे की मशक्कत के बाद कुकर को सुरक्षित तरीके से निकाल लिया। उत्तर प्रदेश के चंदौली जिले के शहाबगंज क्षेत्र में शनिवार को एक हैरान करने वाला मामला सामने आया। रामशाला गांव में खेलते समय दो साल की बच्ची का सिर प्रेशर कुकर में फंस गया। बच्ची को परेशान देखकर परिजन घबरा गए और काफी प्रयास के बावजूद जब कुकर नहीं निकल सका तो उसे जिला अस्पताल लेकर पहुंचे। अस्पताल में डॉक्टरों की टीम ने बच्ची की स्थिति का परीक्षण करने के बाद सुरक्षित तरीके से कुकर निकालने की प्रक्रिया शुरू की। कई घंटे की मशक्कत के बाद डॉक्टरों को सफलता मिली। कुकर निकलने के बाद बच्ची को उपचार दिया गया और उसकी स्थिति सुरक्षित बताई गई है।

खेलते समय कुकर में फंस गया सिर

मामला शहाबगंज थाना क्षेत्र के रामशाला गांव का है। बताया गया कि गांव निवासी श्यामनारायण की दो वर्षीय बेटी सुहानी घर में खेल रही थी। इसी दौरान खेल-खेल में उसने अपना सिर प्रेशर कुकर में डाल लिया। जब बच्ची ने सिर बाहर निकालने का प्रयास किया तो वह सफल नहीं हो सकी। इसके बाद वह परेशान होकर रोने लगी। बच्ची की आवाज सुनकर परिजन मौके पर पहुंचे। सिर कुकर में फंसा देखकर वे भी घबरा गए।

परिजनों ने घर पर निकालने का किया प्रयास

परिजनों ने बच्ची के सिर से कुकर निकालने की कोशिश की, लेकिन उन्हें सफलता नहीं मिली। इस बीच बच्ची लगातार परेशान हो रही थी। घटना की जानकारी मिलने पर आसपास के लोग भी मौके पर पहुंच गए। काफी प्रयास और आपसी सलाह के बाद परिजन बच्ची को लेकर जिला अस्पताल पहुंचे, जहां डॉक्टरों को पूरे मामले की जानकारी दी गई।

डॉक्टरों ने जांच के बाद शुरू की प्रक्रिया

जिला अस्पताल पहुंचने के बाद डॉक्टरों ने पहले बच्ची की स्थिति का परीक्षण किया। इसके बाद डॉक्टरों ने आपस में विचार-विमर्श कर कुकर को सुरक्षित तरीके से निकालने की प्रक्रिया शुरू की। डॉक्टरों की टीम ने काफी सावधानी के साथ कई घंटे तक प्रयास किया। आखिरकार बच्ची के सिर से कुकर को सुरक्षित निकाल लिया गया। इसके बाद बच्ची का आवश्यक उपचार किया गया। जिला अस्पताल के सीएमएस डॉ. एसपी सिंह ने बताया कि अस्पताल में ऐसा मामला आया था। डॉक्टरों ने सुरक्षित तरीके से बच्ची के सिर से कुकर निकाल दिया है। उन्होंने बताया कि बच्ची फिलहाल सुरक्षित है।

क्कमें खौफनाक कांड, चलती ट्रेन से युवक को फेंका... हुई मौत

महानगर मेट्रो ब्यूरो

मथुरा। राया रेलवे स्टेशन के पास चलती कासगंज-मथुरा पैसेंजर ट्रेन में फुटरेस्ट पर बैठने को लेकर हुए विवाद में 22 वर्षीय युवक की मौत हो गई। पुलिस के अनुसार हाथरस निवासी जतिन की ट्रेन में गजेंद्र नामक युवक से कहासुनी हो गई थी। आरोप है कि विवाद के दौरान गजेंद्र ने जतिन को चलती ट्रेन से नीचे धक्का दे दिया।धक्का लगने से जतिन गंभीर रूप से घायल हो गया और उसकी मौत हो गई। घटना शनिवार की बताई जा रही है। सूचना मिलने पर सरकारी रेलवे पुलिस (जीआरपी) ने मौके पर पहुंचकर जांच शुरू की। पुलिस के मुताबिक जतिन अपने परिवार के साथ हाथरस स्टेशन से कासगंज-मथुरा पैसेंजर ट्रेन में सफर कर रहा था। राया स्टेशन के पास फुटरेस्ट पर बैठने को लेकर उसका गजेंद्र से विवाद हो गया। इसी दौरान आरोपी ने कथित तौर पर उसे धक्का दे दिया। जीआरपी ने आरोपी गजेंद्र को गिरफ्तार कर लिया है। मामले में भारतीय न्याय संहिता की धारा 103(1) के तहत केस दर्ज किया गया है। पोस्टमार्टम के बाद शव परिजनों को सौंप दिया गया। पुलिस मामले की आगे जांच कर रही है।

राजनीतिक दलों ने युवाओं के आंदोलन को अपने कब्जे में लिया: मायावती

महानगर मेट्रो ब्यूरो

लखनऊ। बहुजन समाज पार्टी प्रमुख मायावती ने युवाओं, छात्रों और बेरोजगारों से जुड़े आंदोलनों के राजनीतिकरण पर चिंता जताई है। उन्होंने आरोप लगाया कि राजनीतिक दल ऐसे आंदोलनों को अपने हित में इस्तेमाल कर रहे हैं। मायावती ने कहा कि युवाओं और बेरोजगारों के मुद्दों से जुड़े जन आंदोलन अब स्वतंत्र नहीं रह गए हैं। मायावती ने सोशल मीडिया पर जारी बयान में कहा कि बहुजन समाज पार्टी युवाओं की जायज मांगों के प्रति हमेशा संवेदनशील रही है। उन्होंने पार्टी की राज्य इकाइयों को संबंधित अधिकारियों से मिलकर युवाओं की समस्याओं के शांतिपूर्ण समाधान में सहयोग करने के निर्देश दिए। उन्होंने पार्टी कार्यकर्ताओं से धरने और प्रदर्शनों से दूर रहने तथा आगामी चुनावों के लिए अपनी शारीरिक, मानसिक और आर्थिक ऊर्जा बचाकर रखने की अपील की। मायावती ने कहा कि पार्टी का लक्ष्य 'सर्वजन हिताय, सर्वजन सुखाय' के आधार पर सरकार बनाकर युवाओं सहित समाज के सभी वर्गों की समस्याओं का स्थायी समाधान करना है।

जंतर-मंतर मारपीट मामले में सख्त कार्रवाई की मांग

मायावती ने जंतर-मंतर पर एक नाबालिग कार्यकर्ता के पिता के साथ कथित मारपीट की घटना पर भी नाराजगी जताई। उन्होंने आरोपियों के खिलाफ कड़ी कानूनी कार्रवाई की मांग करते हुए कहा कि समय रहते पुलिस कार्रवाई करती तो घटना को टाला जा सकता था।

जन्माष्टमी की रात मंदिर जा रही नाबालिग से दुष्कर्म का आरोप, मुख्य आरोपी गिरफ्तार

मंदिर जाते समय रास्ते से जबरन ले जाने का आरोप, दो अन्य आरोपियों की तलाश जारी

महानगर मेट्रो ब्यूरो

मुजफ्फरनगर। छपार थाना क्षेत्र के एक गांव में जन्माष्टमी की रात मंदिर जा रही 14 वर्षीय नाबालिग को कथित तौर पर रास्ते से जबरन उठाकर ले जाने और उसके साथ दुष्कर्म किए जाने का मामला सामने आया है। घटना के बाद परिजनों की शिकायत पर पुलिस ने तीन युवकों के खिलाफ मामला दर्ज किया है। पुलिस ने मुख्य आरोपी को गिरफ्तार कर लिया है, जबकि दो अन्य आरोपियों की भूमिका की जांच करते हुए उनकी तलाश की जा रही है। पुलिस के अनुसार, घटना 4 सितंबर की रात की है। नाबालिग जन्माष्टमी के अवसर पर मंदिर जाने के लिए घर से निकली थी। आरोप है कि इसी दौरान गांव के ही एक युवक ने अपने दो साथियों के साथ मिलकर उसे रास्ते से जबरन अपने साथ ले लिया। आरोपियों ने उसे एक कमरे में ले जाकर बंद कर दिया। काफी देर तक किशोरी के घर वापस नहीं लौटने पर परिजनों ने उसकी तलाश शुरू की।

आरोपी के घर से बरामद हुई किशोरी

परिजनों ने आसपास के स्थानों पर तलाश की। इसी दौरान किशोरी आरोपी के घर से मिली। परिजनों के मुताबिक, उसकी स्थिति देखकर उन्होंने उससे घटना के संबंध में जानकारी ली। इसके बाद परिवार ने पुलिस को सूचना दी। शिकायत मिलने के बाद पुलिस ने मामले को गंभीरता से लेते हुए जांच शुरू की।

तीन पुलिस टीमों ने शुरू की कार्रवाई

सीओ सदर सुनील कुमार के मुताबिक, सूचना मिलते ही पुलिस ने तत्काल कार्रवाई शुरू की और तीन टीमों का गठन किया गया। पुलिस ने मुख्य आरोपी को गिरफ्तार कर लिया है। उसके खिलाफ दर्ज मामले में आगे की कानूनी प्रक्रिया की जा रही है। वहीं, अन्य दो आरोपियों के संबंध में साक्ष्य जुटाए जा रहे हैं। पुलिस का कहना है कि जांच में सामने आने वाले तथ्यों और साक्ष्यों के आधार पर आगे की कार्रवाई की जाएगी।

सख्त कार्रवाई की मांग

घटना के बाद योग साधना आश्रम के महंत स्वामी यशवीर महाराज ने भी सोशल मीडिया के माध्यम से आरोपियों के खिलाफ कड़ी कार्रवाई की मांग की। उन्होंने मुख्यमंत्री से मामले में कठोर कानूनी कार्रवाई करने की अपील की। साथ ही आरोपियों के खिलाफ सख्त कार्रवाई और किसी भी तरह का समझौता नहीं किए जाने की मांग उठाई। पुलिस ने मामले में जांच तेज कर दी है और फरार आरोपियों की तलाश के साथ घटना से जुड़े सभी तथ्यों और साक्ष्यों को जुटाया जा रहा है।

आगरा में यूजीसी के नए नियमों और आरक्षण के विरोध में शुरू हुआ सत्याग्रह आंदोलन मंच पर आपसी विवाद के बाद समाप्त हो गया।

आगरा में आरक्षण के विरोध में जुटे सवर्ण समाज के लोगों में मंच पर तकरार, माइक छीनने तक पहुंची बात; आंदोलन खत्म

महानगर मेट्रो ब्यूरो

आगरा। यूजीसी के नए नियमों और आरक्षण के विरोध में आगरा में शुरू किया गया सत्याग्रह आंदोलन आपसी खींचतान और विवाद के बीच ही समाप्त हो गया। संजय प्लेस स्थित शहीद स्मारक पर शनिवार को सवर्ण समाज के लोगों के नेतृत्व में शुरू हुए आंदोलन के दौरान मंच पर ही अलग-अलग समाज के लोगों के बीच तकरार हो गई। देखते ही देखते विवाद इतना बढ़ गया कि क्षत्रिय समाज से जुड़े लोग धरना स्थल से उठकर चले गए। इधर, बिना अनुमति आंदोलन किए जाने की बात सामने आने पर पुलिस ने मौके पर मौजूद प्रदर्शनकारियों को हिरासत में ले लिया। बाद में पुलिस लाइन में पुलिस कमिश्नर दीपक कुमार के साथ हुई बातचीत के बाद प्रदर्शनकारियों को छोड़ दिया गया। सुबह से जुटने लगी थी भीड़ शनिवार सुबह करीब 10 बजे से संजय प्लेस स्थित शहीद स्मारक पर लोगों का जुटना शुरू हो गया था। भीड़ बढ़ने के साथ ही मौके पर पुलिस बल भी तैनात कर दिया गया। इस दौरान पुलिस अधिकारी आंदोलन कर रहे लोगों से बातचीत करने का प्रयास कर रहे थे। प्रदर्शनकारियों की ओर से मीडियाकर्मियों को भी अपनी बात बताई जा रही थी। इसी दौरान मंच से ब्राह्मण समाज के पवन समाधिया ने कुछ लोगों के नाम लेते हुए कहा कि आंदोलन से संबंधित बातचीत इन्हीं लोगों से की जाएगी। बताया गया कि जिन लोगों के नाम लिए गए, वे एक ही समाज से जुड़े थे। कमेटी में नामों को लेकर शुरू हुआ विवाद मंच से लिए गए नामों को लेकर करणी सेना के उपाध्यक्ष राजीव चौहान ने आपत्ति जताई। उनके विरोध के बाद अन्य लोग भी सामने आ गए और मंच पर विवाद की स्थिति बन गई। प्रत्यक्षदर्शियों के मुताबिक, इसी दौरान मंच से एक व्यक्ति ने बाह की विधायक पक्षालिका सिंह और एत्मादपुर के विधायक डॉ. धर्मपाल सिंह का नाम लेते हुए उनके घेराव और विरोध की बात कही। इस पर क्षत्रिय समाज से जुड़े लोगों ने आपत्ति जताई। इसके बाद कुछ लोगों की ओर से योगेंद्र उपाध्याय का नाम लेकर भी आपत्तिजनक टिप्पणियां किए जाने का आरोप है। विवाद बढ़ने के साथ ही आंदोलन में शामिल लोगों के बीच मतभेद खुलकर सामने आ गए। माइक छीनने के बाद धरना स्थल से उठे लोग विवाद के बीच मंच पर बोल रहे राजीव चौहान से माइक छीने जाने की बात भी सामने आई। इससे नाराज क्षत्रिय समाज से जुड़े लोग धरना स्थल से उठकर चले गए। इस घटनाक्रम के बाद आंदोलन प्रभावी रूप से समाप्त हो गया। जिस सत्याग्रह की शुरुआत यूजीसी के नए नियमों और आरक्षण के विरोध में की गई थी, वह कुछ ही समय में आपसी मतभेद के कारण बिखर गया। बिना अनुमति आंदोलन पर पुलिस ने हिरासत में लिया पुलिस अधिकारियों के अनुसार, यूजीसी के नियमों और आरक्षण से जुड़े मुद्दे राष्ट्रीय स्तर के हैं, लेकिन आंदोलन के लिए आयोजकों की ओर से अनुमति नहीं ली गई थी। बिना अनुमति आंदोलन किए जाने का हवाला देते हुए पुलिस ने मौके पर मौजूद कुछ प्रदर्शनकारियों को हिरासत में लिया और उन्हें रिजर्व पुलिस लाइन ले जाया गया। पुलिस कमिश्नर से हुई बातचीत पुलिस लाइन में प्रदर्शनकारियों की पुलिस कमिश्नर दीपक कुमार से बातचीत हुई। अधिकारियों के मुताबिक, पुलिस कमिश्नर ने आंदोलनकारियों को आश्वासन दिया कि उनकी बात उचित फोरम तक पहुंचाई जाएगी। इसक

रात में शराब पी, सुबह तबीयत खराब... सागर में 9 मौतों से हड़कंप

महानगर मेट्रो ब्यूरो

मध्य प्रदेश। के सागर जिले में कथित तौर पर जहरीली या अवैध शराब पीने के बाद 9 लोगों की मौत का मामला सामने आया है. बंडा क्षेत्र के कई गांवों में शनिवार रात शराब पीने के बाद लोगों की तबीयत बिगड़ गई. रविवार सुबह उन्हें अस्पताल पहुंचाया गया, जहां 9 लोगों को मृत घोषित कर दिया गया. प्रशासन ने प्रभावित गांवों में स्क्रीनिंग शुरू कर दी है. सागर जिले के बंडा इलाके के गांवों में शनिवार की रात कुछ लोगों ने शराब पी. शायद किसी ने नहीं सोचा होगा कि रात को पी गई शराब, अगली सुबह कई घरों में मातम की वजह बन जाएगी. रविवार की सुबह आते-आते हालात बदल चुके थे. किसी की तबीयत बिगड़ रही थी. किसी को उल्टी-दस्त की शिकायत हुई. किसी की हालत इतनी खराब हुई कि परिजन उसे लेकर अस्पताल की तरफ दौड़ पड़े. और फिर खबर आने लगी- एक मौत. फिर दूसरी. फिर तीसरी... कुछ ही देर में सागर के बंडा इलाके से 9 लोगों की मौत की खबर सामने आई. अब शुरुआती आशंका है कि इन मौतों का संबंध जहरीली या अवैध शराब से हो सकता है. हालांकि प्रशासन का कहना है कि मौत की असली वजह जांच और पोस्टमॉर्टम रिपोर्ट के बाद ही साफ होगी. मामला मध्य प्रदेश के सागर जिले के बंडा क्षेत्र का है. शुरुआती जानकारी के मुताबिक, घूघर, नौराज, बराज समेत आसपास के कई गांवों के लोगों ने शनिवार रात शराब पी थी. इसके बाद कुछ लोगों की तबीयत अचानक बिगड़ने लगी. रविवार सुबह हालत ज्यादा खराब होने पर परिजन उन्हें लेकर बंडा सिविल अस्पताल पहुंचे. अस्पताल पहुंचने के बाद कई परिवारों के सामने ऐसा सच आया, जिसकी उन्होंने कल्पना भी नहीं की थी. डॉक्टरों ने जांच के बाद लोगों को मृत घोषित करना शुरू कर दिया. अब तक 9 लोगों की मौत की जानकारी सामने आई है. एक साथ इतनी मौतों की खबर मिलते ही पूरे इलाके में हड़कंप मच गया. आखिर शराब में ऐसा क्या था? अब इस पूरे मामले में सबसे बड़ा सवाल यही है. आखिर जिस शराब को लोगों ने पिया, उसमें ऐसा क्या था? क्या वह जहरीली शराब थी? क्या वह अवैध तरीके से बनाई गई थी? या फिर मौतों के पीछे कोई दूसरी वजह है? फिलहाल इन सवालों का जवाब जांच के बाद ही सामने आएगा. लेकिन शुरुआती जानकारी में प्रशासन ने भी माना है कि जहरीली या अवैध शराब के सेवन से कुछ लोगों की मौत हुई है. हालांकि अंतिम कारण की पुष्टि अभी बाकी है. एक साथ कई लोगों की मौत की खबर जैसे ही प्रशासन तक पहुंची, अधिकारी एक्टिव हो गए. सागर कलेक्टर प्रतिभा पाल और एसपी अनुराग सुजानिया पुलिस और प्रशासनिक टीम के साथ मौके पर पहुंचे. प्रभावित इलाकों में जांच शुरू कर दी गई. कलेक्टर प्रतिभा पाल ने बताया कि शराब पीने के बाद कुछ लोगों की मौत हुई है और बाकी प्रभावित लोगों की जांच की जा रही है. लेकिन प्रशासन के सामने अब सिर्फ एक चुनौती नहीं है. सवाल यह भी है कि क्या इस शराब को और लोगों ने भी पिया था? अगर हां, तो वे लोग कौन हैं? और क्या उनमें भी तबीयत बिगड़ने के लक्षण दिखाई दे सकते हैं?'जिसने पिछले 48 घंटे में शराब पी है, वह जांच कराए'इस आशंका के बाद प्रशासन ने प्रभावित गांवों में अलर्ट जारी कर दिया है. डॉक्टरों और प्रशासनिक अधिकारियों की टीमें इलाके में तैनात की गई हैं. लोगों से अपील की गई है कि जिन लोगों ने पिछले 24 से 48 घंटों के दौरान शराब पी है, या जिन्हें किसी तरह की परेशानी और असामान्य लक्षण महसूस हो रहे हैं, वे तुरंत अपनी जांच करवाएं. प्रभारी मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी यानी ष्टरूाह्र डॉ. देवेश पटेरिया के मुताबिक, अब तक 9 लोगों की मौत का आंकड़ा सामने आया है. कुछ लोगों की हालत बिगड़ने के बाद उन्हें बेहतर इलाज के लिए रेफर भी किया गया है. प्रभावित इलाके को हॉटस्पॉट की तरह देखते हुए स्वास्थ्य विभाग ने घर-घर स्क्रीनिंग शुरू कर दी है. मेडिकल टीमें गांवों में जाकर लोगों से जानकारी जुटा रही हैं. किसने शराब पी? कब पी? कहां से खरीदी? और शराब पीने के बाद तबीयत में कोई बदलाव आया या नहीं? इन सवालों के जवाब जुटाए जा रहे हैं. एक शराब की बोतल और कई सवाल अब इस पूरे मामले में जांच एजेंसियों के सामने कई सवाल हैं. सबसे पहला सवाल कि शराब आई कहां से? दूसरा सवाल यह है कि क्या शराब अवैध थी? तीसरा सवाल यह कि क्या उसी शराब को इलाके के दूसरे लोगों ने भी पिया है? अगर शराब जहरीली थी, तो उसमें आखिर क्या मिलाया गया था? इन सवालों के जवाब जांच और फॉरेंसिक रिपोर्ट के बाद ही सामने आएंगे. 9 लोगों की मौत के बाद प्रभावित गांवों में डर और दहशत का माहौल है. जिन परिवारों ने अपने लोगों को खो दिया, उनके लिए यह घटना किसी सदमे से कम नहीं है. वहीं, दूसरे लोग भी डरे हुए हैं. फिलहाल प्रशासन की नजर उन लोगों पर है, जिनकी तबीयत खराब है और जिन्हें अस्पताल में भर्ती कराया गया है. कुछ लोगों को रेफर किया गया है. इसलिए स्वास्थ्य विभाग लगातार निगरानी कर रहा है. फिलहाल 9 लोगों की मौत की जानकारी सामने आई है.

बैंक डिटेल्स नहीं दी तो व्यापारी को किया किडनैप, फिर की लूटपाट... भोपाल में साइबर ठगों का खौफनाक खेल

महानगर मेट्रो ब्यूरो

भोपाल। के कटारा हिल्स में साइबर ठगी के लिए बैंक अकाउंट हासिल करने की कोशिश का हैरान करने वाला मामला सामने आया है. आरोपियों ने पहले व्यापारी यशवंत लोधी से दोस्ती की और सोलर कंपनी में निवेश के नाम पर तीन प्रतिशत मुनाफे का लालच दिया. अकाउंट देने से इनकार करने पर उसे फ्लैट में ले जाकर बंधक बनाया और चाकू की नोक पर मोबाइल, टैबलेट और चेकबुक लूट ली. भोपाल में साइबर ठगी का एक ऐसा मामला सामने आया है, जिसने पुलिस को भी हैरान कर दिया. यहां ठगों ने पहले एक व्यापारी से दोस्ती की, उसे अपने साथ घुमाया और फिर सोलर कंपनी में निवेश के नाम पर मोटे मुनाफे का लालच दिया. वहीं असली खेल तब शुरू हुआ, जब आरोपियों ने व्यापारी से बैंक अकाउंट उपलब्ध कराने को कहा. लेकिन व्यापारी ने इनकार किया तो आरोप है कि उसे अगवा कर बंधक बना लिया गया और चाकू की नोक पर मोबाइल, लैपटॉप, टैबलेट और चेकबुक लूट ली. मामला कटारा हिल्स थाना क्षेत्र का है. व्यापारी यशवंत लोधी ने पुलिस को दी शिकायत में बताया कि करीब 15 दिन पहले दीपक नाम के व्यक्ति ने उसे व्हाट्सऐप कॉल किया था. दीपक ने सोलर कंपनी में निवेश करने की बात कही. उसने हरीश दुबे के साथ मिलकर कंपनी और करंट अकाउंट के जरिए तीन प्रतिशत मुनाफा देने का लालच भी दिया. आरोप है कि इसके बाद दोनों व्यापारी को विदिशा लेकर गए. वहां उससे इंटरनेट बैंकिंग की आईडी और पासवर्ड भी हासिल कर लिए गए. लेकिन जब आरोपियों ने बैंक अकाउंट उपलब्ध कराने की कोशिश की तो व्यापारी ने साफ इनकार कर दिया. इसके बाद मामला दोस्ती और निवेश के झांसे से निकलकर जबरन वसूली और लूट तक पहुंच गया. आधी रात फ्लैट में ले जाकर बनाया बंधक शिकायत के मुताबिक 31 अगस्त की रात करीब 2 बजे दीपक उर्फ रोहन बिष्ट और हरीश दुबे व्यापारी को कटारा हिल्स स्थित एक मल्टी के फ्लैट नंबर 509 में ले गए. वहां पहले से रोनित राज और हर्ष मेहरा मौजूद थे. आरोप है कि चारों ने व्यापारी को कमरे में बंद कर दिया. हर्ष मेहरा ने उसके हाथ पकड़ लिए, जबकि रोनित राज ने उसकी गर्दन और पेट पर चाकू लगा दिया. आरोपियों ने जान से मारने की धमकी देते हुए व्यापारी के एप्पल और सैमसंग मोबाइल, टैबलेट और चेकबुक अपने कब्जे में ले लिए. बैंक अकाउंट के लिए बनाया था पूरा प्लान? पुलिस की शुरुआती जांच में सामने आया है कि आरोपियों की नजर व्यापारी के बैंक अकाउंट पर थी. पुलिस को शक है कि साइबर ठगी के लिए बैंक खाते का इस्तेमाल करने की तैयारी थी. पुलिस ने हर्ष मेहरा और रोनित राज को गिरफ्तार कर लिया है.

दिल्ली के सत्य निकेतन में ढही तीन मंजिला इमारत, मलबे में कई छात्रों के दबे होने की आशंका; रेस्क्यू ऑपरेशन जारी

महानगर मेट्रो ब्यूरो

नई दिल्ली। राजधानी दिल्ली के सत्य निकेतन इलाके में रविवार दोपहर एक तीन मंजिला इमारत अचानक भरभराकर ढह गई। इमारत के मलबे में कई छात्रों के दबे होने की आशंका जताई जा रही है। हादसे के बाद पूरे इलाके में अफरा-तफरी मच गई। सूचना मिलते ही दिल्ली अग्निशमन विभाग, पुलिस और बचाव दल मौके पर पहुंच गए तथा राहत एवं बचाव कार्य शुरू किया गया। दिल्ली पुलिस के अनुसार, दोपहर करीब 1:30 बजे इमारत गिरने की सूचना अग्निशमन विभाग को मिली थी। सूचना मिलते ही दमकल की कई गाड़ियां मौके पर पहुंचीं। बचाव दल ने मलबा हटाकर उसमें फंसे लोगों की तलाश शुरू कर दी। स्थानीय लोग भी मौके पर पहुंचकर राहत एवं बचाव कार्य में मदद करने लगे। बताया जा रहा है कि यह तीन मंजिला इमारत छात्रों के लिए बने छात्रावास के रूप में इस्तेमाल हो रही थी। हादसे के समय इमारत में कई छात्र मौजूद थे। इमारत गिरने के बाद उनके मलबे में फंसे होने की आशंका जताई गई। हालांकि, शुरुआती जानकारी के अनुसार अभी तक किसी की मौत की पुष्टि नहीं हुई है।दो छात्रों को सुरक्षित बाहर निकाला हादसे के बाद राष्ट्रीय आपदा मोचन बल और नगर निगम की टीमों ने भी मोर्चा संभाल लिया। बचाव दल ने मलबे में फंसे दो छात्रों को सुरक्षित बाहर निकाल लिया है। अधिकारियों के मुताबिक मलबे में अभी भी कुछ और लोगों के फंसे होने की आशंका है। बचाव दल लगातार मलबा हटाकर उनकी तलाश कर रहा है।

कुछ छात्रों के फोन आने की जानकारी

भाजपा विधायक अनिल शर्मा ने घटनास्थल पर स्थिति को बेहद गंभीर बताया। उन्होंने कहा कि इमारत में अलग-अलग स्थानों से पढ़ाई के लिए आए छात्र रह रहे थे। उन्होंने कहा कि अभी यह स्पष्ट नहीं है कि कितने छात्र अंदर फंसे हैं, लेकिन कुछ छात्रों के अंदर से फोन आने की जानकारी मिली है। इससे आशंका है कि मलबे में अभी भी कई छात्र मौजूद हो सकते हैं। उन्होंने बताया कि राष्ट्रीय आपदा मोचन बल और नगर निगम की टीमों ने दो छात्रों को बाहर निकाल लिया है। बचाव कार्य लगातार जारी है और प्रशासन की टीमें मलबे में फंसे अन्य लोगों को सुरक्षित बाहर निकालने का प्रयास कर रही हैं। प्रशासन की ओर से फिलहाल इमारत गिरने के कारणों और मलबे में फंसे लोगों की सही संख्या की जांच की जा रही है।

पेट दर्द की शिकायत लेकर पहुंची एमबीबीएस छात्रा

महानगर मेट्रो ब्यूरो

नई दिल्ली। राजधानी दिल्ली के द्वारका स्थित मणिपाल अस्पताल में एक बेहद चौंकाने वाला मामला सामने आया है। पेट में तेज दर्द, जी मिचलाने और बार-बार उल्टी की शिकायत के बाद अस्पताल पहुंची 20 वर्षीय एमबीबीएस छात्रा के पेट में डॉक्टरों को करीब 1.2 किलोग्राम वजन का बालों का बड़ा गुच्छा मिला। यह गुच्छा पेट से लेकर छोटी आंत तक फैला हुआ था। चिकित्सकों ने सफल शल्य चिकित्सा के जरिए इसे बाहर निकालकर छात्रा की जान बचाई। अस्पताल के चिकित्सकों के अनुसार, छात्रा को बचपन से ही अपने बाल निगलने की आदत थी। करीब 11 वर्षों से चली आ रही इस आदत के कारण धीरे-धीरे उसके पेट में बाल जमा होते रहे। पिछले कुछ समय से उसे भूख कम लगने, वजन घटने और लगातार थकान की शिकायत भी थी। तीन दिन तक तेज पेट दर्द, जी मिचलाने और उल्टी की समस्या रहने के बाद वह अस्पताल पहुंची। जांच में सामने आया बालों का बड़ा गुच्छा चिकित्सकों ने जांच के दौरान छात्रा के पेट के ऊपरी हिस्से में एक सख्त गांठ महसूस की। इसके बाद पेट की अंदरूनी जांच की गई, जिसमें बालों का एक बड़ा गुच्छा दिखाई दिया। चिकित्सकों के अनुसार, निगले गए बाल पचते नहीं हैं और लंबे समय तक पेट में जमा होकर धीरे-धीरे एक कठोर गांठ का रूप ले लेते हैं। दूरबीन जांच से नहीं निकला गुच्छा चिकित्सकों ने शुरुआत में दूरबीन जांच के जरिए बालों के गुच्छे को तोड़कर बाहर निकालने का प्रयास किया, लेकिन उसके बड़े आकार और कठोरता के कारण यह संभव नहीं हो सका। इसके बाद दूरबीन विधि से शल्य चिकित्सा करने का निर्णय लिया गया। पेट में छोटा चीरा लगाकर करीब 1.2 किलोग्राम वजन का बालों का गुच्छा सुरक्षित बाहर निकाल लिया गया। सर्जरी के बाद छात्रा की हालत में तेजी से सुधार हुआ। उसकी भूख और पाचन क्षमता सामान्य होने लगी और उसने दोबारा अपनी पढ़ाई शुरू कर दी है। बाल निगलने की आदत को नजरअंदाज न करने की सलाह चिकित्सकों के अनुसार, बार-बार बाल निगलने की आदत को सामान्य समझकर नजरअंदाज नहीं करना चाहिए। लंबे समय तक ऐसा करने से पेट में बालों का गुच्छा जमा होकर गंभीर स्वास्थ्य समस्याएं पैदा कर सकता है। चिकित्सकों ने कहा कि शल्य चिकित्सा से समस्या दूर की जा सकती है, लेकिन दोबारा ऐसी स्थिति न बने, इसके लिए मनोवैज्ञानिक परामर्श और मानसिक स्वास्थ्य सहायता भी जरूरी है।

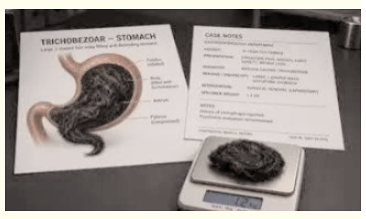

जेएनयू में फिर बवाल, प्रोफेसर पर 10 से अधिक छात्राओं ने लगाए यौन उत्पीड़न के आरोप

महानगर मेट्रो ब्यूरो

नई दिल्ली। जवाहरलाल नेहरू विश्वविद्यालय के एक प्रोफेसर पर 10 से अधिक छात्राओं ने यौन उत्पीड़न के आरोप लगाए हैं। करीब एक महीने पहले दर्ज शिकायतों की विश्वविद्यालय की आंतरिक शिकायत समिति जांच कर रही है। आरोप है कि प्रोफेसर ने कुछ छात्रों को अपने घर पर बुलाकर अनुचित व्यवहार किया और कक्षा में आपत्तिजनक टिप्पणियां भी कीं। एक शिकायत सामने आने के बाद कुछ वरिष्ठ छात्राएं भी सामने आईं और उन्होंने प्रोफेसर पर इसी तरह के आरोप लगाए। आंतरिक शिकायत समिति ने मामले पर टिप्पणी करने से इनकार करते हुए इसे जांच का विषय बताया है। विश्वविद्यालय की कुलपति शांतिश्री धुलिपुड़ी पंडित ने कहा कि ऐसी शिकायतों पर समिति कार्रवाई करती है। वहीं, आरोपों से घिरे प्रोफेसर ने अपने खिलाफ लगाए गए आरोपों को गलत बताया है। उन्होंने कहा कि उन्हें किसी शिकायत की जानकारी नहीं है।

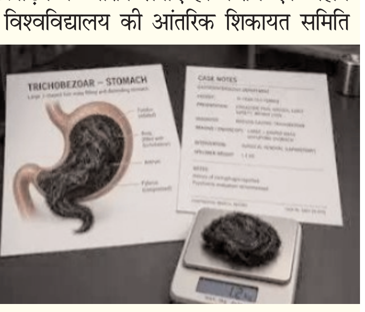

दोस्त की जन्मदिन पार्टी के लिए चोरी करने निकली टोली, पार्टी से पहले ही पुलिस ने दबोचा

दोस्त की पार्टी के लिए चोरी, नकदी-सिगरेट उड़ाई; चार आरोपी गिरफ्तार

महानगर मेट्रो ब्यूरो

महाराष्ट्र। नागपुर में अपराधियों की टोली ने चोरी का ऐसा प्लान बनाया, जिसे सुनकर पुलिस भी हैरान रह गई. एक नाबालिग साथी का जन्मदिन था और बड़े फार्म हाउस में पार्टी करनी थी. पार्टी के खर्च के लिए पैसे कम पड़ रहे थे, तो पूरी टोली चोरी करने निकल पड़ी. शहर के कैफे से नकदी और सिगरेट उड़ाई, फिर पान की बंद दुकान को भी निशाना बनाया. दोस्त का जन्मदिन था. प्लान था कि पार्टी ऐसी हो, जिसे लोग लंबे समय तक याद रखें. बड़ा फार्महाउस हो, दोस्त हों और जमकर जश्न हो. लेकिन एक छोटी सी समस्या थी. पार्टी के लिए पैसे कम पड़ रहे थे. अब पैसे का इंतजाम कैसे किया जाए?नागपुर में कुछ युवकों ने इसका जो तरीका चुना, उसने उन्हें सीधे पुलिस के पास पहुंचा दिया. पुलिस के मुताबिक, एक नाबालिग साथी का जन्मदिन बड़े फार्महाउस में मनाने के लिए पैसे जुटाने थे. इसके लिए चार लोगों की टोली कथित तौर पर चोरी करने निकल पड़ी. पहले एक कैफे को निशाना बनाया गया. फिर एक बंद पान की दुकान में चोरी हुई. लेकिन जिस प्लान को आरोपी बेहद चालाकी से अंजाम दे रहे थे, उसका पूरा खेल CCTV कैमरों में रिकॉर्ड हो रहा था. और आखिर में बर्थडे पार्टी से पहले ही पूरी टोली पुलिस के हत्थे चढ़ गई. मामला नागपुर के कोतवाली और सक्करदरा थाना क्षेत्रों का है. पुलिस के मुताबिक, 30 अगस्त की देर रात आरोपियों ने नंदनवन सीमेंट रोड स्थित चाय सुट्टा कैफे को निशाना बनाया. कैफे संचालक के अनुसार, चोर यहां से करीब 10 हजार रुपये नकद और लगभग 20 हजार रुपये कीमत के सिगरेट पैकेट लेकर चले गए. वारदात के बाद आरोपी वहां से निकल गए. इसके बाद इसी टोली ने कथित तौर पर सक्करदरा इलाके में बीमा हॉस्पिटल चौक स्थित पान सेंटर को निशाना बनाया. यहां से भी नकदी और सिगरेट के पैकेट चोरी किए जाने का आरोप है. दो अलग-अलग जगहों पर चोरी हो चुकी थी. अब पुलिस के सामने सवाल था कि इन वारदातों के पीछे कौन है? जवाब मिला CCTV फुटेज में. पुलिस ने दोनों जगहों के CCTV कैमरों के फुटेज खंगाले. फुटेज में दिखाई दिए आरोपी और वारदात के तरीके को देखने के बाद पुलिस को शक हुआ कि दोनों चोरी के पीछे एक ही टोली का हाथ है. क्राइम ब्रांच यूनिट-3 ने आरोपियों की तलाश शुरू कर दी. पुलिस को जानकारी मिली कि चोरी का सामान बेचने के बाद आरोपी पैसे का बंटवारा करने वाले हैं. पुलिस के मुताबिक, आरोपियों ने चोरी का सामान वनदेवी चौक इलाके में एक पान की दुकान पर बेचा. इसके बाद मिली रकम के बंटवारे की तैयारी चल रही थी. इसी सूचना पर क्राइम ब्रांच की टीम ने कार्रवाई की. पुलिस ने शहर के इंटाभट्टी चौक के पास घेराबंदी की और तीन आरोपियों के साथ एक नाबालिग को पकड़ लिया. गिरफ्तार आरोपियों की पहचान पीयूष सोनटके, मोहम्मद जीशान अंसारी और वृतांत द्रविड़कर के रूप में हुई है. पुलिस के अनुसार, तीनों यशोधरा नगर इलाके के रहने वाले हैं. एक आरोपी नाबालिग है. पुलिस के अनुसार, पूछताछ के दौरान आरोपियों ने दोनों चोरी की वारदातों में शामिल होने की बात स्वीकार की. पुलिस ने उनके पास से वारदात में इस्तेमाल की गई एक बाइक और कुछ नकदी भी बरामद की है. पुलिस का यह भी कहना है कि पकड़े गए आरोपियों का पहले का आपराधिक रिकॉर्ड रहा है. मामले में आगे की जांच की जा रही है.

घूस में चांदी की अंगूठी मांगना पड़ा महंगा, स्वच्छता निरीक्षक रंगे हाथ गिरफ्तार

अनापत्ति प्रमाण पत्र के बदले मांगी चांदी की अंगूठी, भ्रष्टाचार निरोधक ब्यूरो ने पकड़ा

महानगर मेट्रो ब्यूरो

सिंधुदुर्ग। महाराष्ट्र के सिंधुदुर्ग जिले में भ्रष्टाचार निरोधक ब्यूरो ने रिश्वत मांगने के आरोप में कुडाल नगर पंचायत के एक स्वच्छता निरीक्षक को रंगे हाथ गिरफ्तार किया है। आरोप है कि अधिकारी ने एक कारोबारी से उसकी दुकान में आभूषण का कारोबार शुरू करने के लिए जरूरी अनापत्ति प्रमाण पत्र जारी करने के बदले नकद रकम की जगह करीब 1,200 रुपये कीमत की चांदी की अंगूठी रिश्वत के तौर पर मांगी थी। भ्रष्टाचार निरोधक ब्यूरो के अधिकारियों के अनुसार, गिरफ्तार आरोपी की पहचान पांडुरंग वासुदेव नाटेकर के रूप में हुई है। वह कुडाल नगर पंचायत में स्वच्छता निरीक्षक के पद पर तैनात है। एक स्थानीय कारोबारी ने अपनी दुकान में आभूषण का कारोबार शुरू करने के लिए नगर पंचायत से अनापत्ति प्रमाण पत्र लेने के संबंध में नाटेकर से संपर्क किया था। आरोप है कि संबंधित काम को पूरा करने के बदले स्वच्छता निरीक्षक ने कारोबारी से चांदी की अंगूठी की मांग की। कारोबारी ने इसकी शिकायत भ्रष्टाचार निरोधक ब्यूरो से कर दी। शिकायत की प्राथमिक जांच के बाद अधिकारियों ने आरोपी को पकड़ने के लिए जाल बिछाया। शुक्रवार को तय योजना के अनुसार शिकायतकर्ता आरोपी अधिकारी से मिलने पहुंचा। इसी दौरान स्वच्छता निरीक्षक ने कथित तौर पर रिश्वत के रूप में चांदी की अंगूठी स्वीकार की। मौके पर मौजूद भ्रष्टाचार निरोधक ब्यूरो की टीम ने तुरंत कार्रवाई करते हुए नाटेकर को रंगे हाथ पकड़ लिया। कार्रवाई के बाद आरोपी के खिलाफ कुडाल पुलिस थाने में भ्रष्टाचार निवारण कानून और भारतीय न्याय संहिता की संबंधित धाराओं के तहत मामला दर्ज किया गया है। अधिकारियों ने बताया कि मामले की आगे जांच की जा रही है और यह पता लगाने का प्रयास किया जा रहा है कि आरोपी ने इससे पहले भी किसी अन्य व्यक्ति से इसी तरह की रिश्वत की मांग की थी या नहीं। इस कार्रवाई के बाद नगर पंचायत में भी हड़कंप मच गया। भ्रष्टाचार निरोधक ब्यूरो ने लोगों से अपील की है कि यदि कोई सरकारी अधिकारी या कर्मचारी किसी काम के बदले रिश्वत की मांग करता है तो इसकी सूचना तुरंत संबंधित अधिकारियों को दें, ताकि ऐसे मामलों में कानूनी कार्रवाई की जा सके।

घायल गोविंदा के इलाज को लेकर विवाद, डॉक्टरों से मारपीट के आरोप में 17 पर मुकदमा

दही हांडी में घायल गोविंदा के इलाज पर बवाल, 17 लोगों पर पुलिस कार्रवाई

महानगर मेट्रो ब्यूरो

पालघर। महाराष्ट्र के पालघर में एक निजी अस्पताल में घायल गोविंदा के उपचार और बिल भुगतान को लेकर विवाद इतना बढ़ गया कि डॉक्टरों और अस्पताल कर्मचारियों के साथ कथित मारपीट और दुर्व्यवहार का मामला सामने आया। अस्पताल प्रशासन की शिकायत पर पुलिस ने शिवसेना के जिला प्रमुख कुंदन संखे, विधायक राजेंद्र गावित के बेटे रोहित गावित, शहर प्रमुख राहुल घरात समेत 17 लोगों के खिलाफ मामला दर्ज किया है। पुलिस ने घटना से जुड़े सीसीटीवी फुटेज अपने कब्जे में लेकर जांच शुरू कर दी है। जानकारी के अनुसार, जन्माष्टमी के अवसर पर आयोजित दही हांडी कार्यक्रम में मानव पिरामिड बनाते समय पांच गोविंदा घायल हो गए थे। सभी को उपचार के लिए पालघर के एक निजी अस्पताल में भर्ती कराया गया। इनमें एक गोविंदा के सिर और रीढ़ की हड्डी में गंभीर चोटें आई थीं। चिकित्सकों ने उसकी स्थिति को देखते हुए सीटी जांच कराने और आगे उपचार की सलाह दी थी। जांच और उपचार का अनुमानित खर्च करीब 20 हजार रुपये बताया गया था। आयोजकों की ओर से अस्पताल में 10 हजार रुपये जमा भी कराए गए थे। आरोप है कि बाद में आयोजकों ने सीटी जांच कराने की जरूरत पर सवाल उठाते हुए मरीज को अस्पताल से छुट्टी देने की मांग की। इसी बात को लेकर विवाद बढ़ गया। अस्पताल प्रशासन का आरोप है कि इसके बाद कई लोग अस्पताल में पहुंचे और डॉक्टरों तथा कर्मचारियों के साथ गाली-गलौज करने लगे। एक कर्मचारी को थप्पड़ मारने का भी आरोप लगाया गया है। अस्पताल प्रशासन ने यह भी आरोप लगाया कि समूह के कुछ लोग जबरन गहन चिकित्सा कक्ष में घुस गए और वहां भर्ती अन्य मरीजों को बाहर जाने के लिए कहने लगे। इससे अस्पताल में भर्ती मरीजों की सुरक्षा को लेकर भी चिंता पैदा हो गई। अस्पताल के अनुसार पूरी घटना परिसर में लगे सीसीटीवी कैमरों में दर्ज हुई है और पुलिस को फुटेज उपलब्ध कराया गया है। घटना की शिकायत मिलने के बाद पुलिस ने शिवसेना के जिला प्रमुख कुंदन संखे समेत 17 लोगों के खिलाफ मामला दर्ज कर जांच शुरू कर दी। पुलिस यह पता लगाने में जुटी है कि विवाद के दौरान वास्तव में क्या हुआ और किन लोगों की मारपीट या तोड़फोड़ में भूमिका रही। वहीं, शिवसेना नेता कुंदन संखे ने अस्पताल प्रशासन के आरोपों को खारिज किया है। उनका कहना है कि कुछ गोविंदाओं को मामूली चोटें आई थीं और उन्हें अस्पताल से छुट्टी नहीं दी जा रही थी। मरीजों के उपचार और छुट्टी के मुद्दे को सुलझाने के लिए ही पार्टी पदाधिकारी अस्पताल पहुंचे थे। इस घटना के बाद डॉक्टरों और अस्पताल कर्मचारियों की सुरक्षा को लेकर भी सवाल उठ रहे हैं। विपक्षी नेताओं ने अस्पताल में डॉक्टरों के साथ कथित दुर्व्यवहार की निंदा करते हुए दोषियों के खिलाफ कड़ी कार्रवाई की मांग की है। पुलिस का कहना है कि सीसीटीवी फुटेज और अन्य साक्ष्यों के आधार पर मामले की जांच आगे बढ़ाई जा रही है।

बिल्कुल, इसे थोड़ा और विस्तृत और अखबारी अंदाज में कर रहा हूं, साथ ही आरोपों को दावे के रूप में ही रखा गया है।

महानगर मेट्रो ब्यूरो

मुंबई। शिवसेना (यूबीटी) के राज्यसभा सांसद संजय राउत ने अपनी बीमारी को लेकर बड़ा दावा करते हुए कहा है कि उनके कैंसर की शुरुआत जेल में रहने के दौरान ही हुई थी। पात्रा चॉल धनशोधन मामले में आर्थर रोड जेल में 101 दिन बिताने वाले राउत ने आशंका जताई कि उन्हें जेल में धीरे-धीरे जहर दिया गया हो सकता है। उन्होंने कहा कि जेल से बाहर आने के बाद उनकी बीमारी का पता चला। राउत ने बताया कि करीब 10 दिन पहले कांग्रेस नेता राहुल गांधी ने उनसे मुलाकात की थी। इस दौरान राहुल गांधी ने उनकी स्वास्थ्य स्थिति के बारे में जानकारी ली और उन्हें विषाक्तता की जांच कराने की सलाह दी। राउत के मुताबिक, राहुल गांधी ने आशंका जताई कि उनके शरीर पर किसी जहरीले पदार्थ का असर हो सकता है और यह पता लगाने के लिए जांच जरूरी है कि कहीं भोजन या पानी के माध्यम से किसी तरह का विष तो नहीं दिया गया। राउत ने कहा कि उन्हें खुद भी अब इस बात का संदेह होने लगा है कि जेल में उनके साथ 'धीमा जहर देने' जैसी कोई साजिश हुई हो सकती है। उन्होंने आरोप लगाया कि सरकार के खिलाफ आवाज उठाने वाले लोगों के साथ जेल में कुछ भी हो सकता है। हालांकि, इन आरोपों की स्वतंत्र रूप से पुष्टि नहीं हुई है। राउत ने कहा कि जेल से बाहर आने के बाद उन्हें पेट के कैंसर का पता चला। इसके बाद उन्हें घर और अस्पताल में उपचार कराना पड़ा तथा कीमोथेरेपी और विकिरण चिकित्सा से गुजरना पड़ा। उनका कहना है कि बीमारी के शुरुआती लक्षण उन्हें जेल में रहने के दौरान ही महसूस होने लगे थे।

101 दिन जेल में रहे थे राउत

संजय राउत को पात्रा चॉल मामले में 1 अगस्त 2022 को गिरफ्तार किया गया था। करीब 101 दिन जेल में रहने के बाद उन्हें 9 नवंबर 2022 को आर्थर रोड जेल से रिहा किया गया। जेल में बिताए अपने अनुभवों को उन्होंने बाद में अपनी पुस्तक 'नरकातला स्वर्ग' में भी लिखा। राउत ने यह भी दावा किया कि जेल में बंद रहे अन्य राजनीतिक नेताओं की स्वास्थ्य स्थिति को लेकर भी सवाल उठते रहे हैं। दिए जाने की बात को लेकर राजनीतिक हलकों में चर्चा तेज हो गई है।

केला निर्यात बढ़ाने को एफडीआई में ढील, बागान क्षेत्र में उदार होंगे नियम?

-वाणिज्य मंत्रालय वाणिज्यिक फसलों को एफडीआई के दायरे में लाने पर कर रहा विचार

नई दिल्ली।

सरकार देश के बागान क्षेत्र में प्रत्यक्ष विदेशी निवेश (एफडीआई) के नियमों को और उदार बनाने पर गंभीरता से विचार कर रही है। इसका मुख्य लक्ष्य केले जैसी अन्य वाणिज्यिक फसलों को भी एफडीआई के दायरे में लाकर उनके निर्यात को बढ़ावा देना है। वाणिज्य एवं उद्योग मंत्रालय इस संबंध में विभिन्न हितधारकों के साथ परामर्श कर रहा है। वर्तमान में, चाय, कॉफी, रबड़, इलायची, पाम और जैतून के पेड़ों के बागानों में स्वतः मंजूर मार्ग से 100 प्रतिशत विदेशी निवेश की अनुमति है, जबकि अन्य बागान गतिविधियों को इससे बाहर रखा गया है। सरकार अब इस दायरे का विस्तार कर केले जैसी फसलों को शामिल करने की संभावनाएं तलाश रही है। भारत दुनिया का सबसे बड़ा केला उत्पादक है, जहां सालाना तीन करोड़ टन से अधिक उत्पादन होता है, लेकिन वैश्विक निर्यात बाजार में इसकी हिस्सेदारी मात्र एक प्रतिशत है। वित्त वर्ष 2024-25 में भारत ने 37.75 करोड़ डॉलर मूल्य के केले का निर्यात किया, जो पिछले वर्ष से 30 फीसदी अधिक था। सरकार का लक्ष्य आने वाले वर्षों में इसे एक अरब डॉलर तक पहुंचाना है। एफडीआई से प्रसंस्करण, पैकेजिंग और लॉजिस्टिक्स में निवेश बढ़कर निर्यात लक्ष्यों को प्राप्त करने में मदद मिल सकती है। आंध्र प्रदेश, महाराष्ट्र और कर्नाटक प्रमुख उत्पादक राज्य हैं, वहीं ईरान, इराक, यूएई जैसे मौजूदा बाजारों के अलावा अमेरिका, रूस और जापान में भी निर्यात की बड़ी संभावनाएं हैं।

निवेशकों के लिए डिविडेंड का बंपर मौका!

नई दिल्ली।

शेयर बाजार निवेशकों के लिए अगले सप्ताह कमाई का एक बड़ा अवसर लेकर आ रहा है। 7 सितंबर से 11 सितंबर के बीच लगभग 149 कंपनियां एक्स-डिविडेंड ट्रेड करेंगी, जिससे शेयरधारकों को लाभांश (डिविडेंड) प्राप्त करने का सुनहरा मौका मिलेगा। इस दौरान छोटी से लेकर दिग्गज कंपनियां अपने शेयरधारकों को लाभांश का तोहफा देंगी। खास बात यह है कि कुछ चुनिंदा कंपनियां निवेशकों को सामान्य के साथ-साथ स्पेशल डिविडेंड भी प्रदान करेंगी, जिससे उनकी कमाई में और इजाफा हो सकता है। इस सूची में फोर्स मोटर्स, अपार इंडस्ट्रीज, टीवीएस श्रीचक्र, एम्पायर इंडस्ट्रीज, एलएसडीएल, इरेडा, वारी एनर्जीज, कल्याण ज्वैलर्स और ज़ी एंटरटेनमेंट जैसी चर्चित कंपनियां शामिल हैं। 11 सितंबर को सर्वाधिक कंपनियों के शेयर एक्स-डिविडेंड होंगे। निवेशकों के लिए यह अवधि अपने पोर्टफोलियो को मजबूत करने का अहम समय हो सकती है।

लक्जरी एसयूवी रेंज रोवर इलेक्ट्रिक भारतीय बाजार में पेश

नई दिल्ली।

आखिरकार भारतीय बाजार में जगुआर लैंड रोवर ने अपनी प्रतिष्ठित लक्जरी एसयूवी रेंज रोवर का पहला बैटरी-इलेक्ट्रिक संस्करण रेंज रोवर इलेक्ट्रिक पेश कर दिया है। वैश्विक अनावरण के साथ ही, भारतीय ग्राहकों के लिए इसकी आधिकारिक बुकिंग भी शुरू कर दी गई है, जो इस इलेक्ट्रिक युग में ब्रांड के प्रवेश का प्रतीक है। यह कंपनी के 56 साल के इतिहास में एक ऐतिहासिक क्षण है, क्योंकि यह ब्रांड का पहला ज़ीरो टेलपाइप एमिशन वाला मॉडल है, जो रेंज रोवर की विशिष्ट लक्जरी, दमदार परफॉर्मेंस और असाधारण ऑफ-रोड क्षमताओं को इलेक्ट्रिक पावरट्रेन के साथ सिमलेस्ली जोड़ता है। इस नई इलेक्ट्रिक एसयूवी के दिल में एक विशाल 118.5 किलोवाट घंटा की बैटरी और एक एडवांस 800-वोल्ट आर्किटेक्चर है, जो एक बार चार्ज करने पर 600 किलोमीटर तक की प्रभावशाली क्लेम्ड रेंज देने में सक्षम है। इसे दो शक्तिशाली इलेक्ट्रिक मोटर्स के माध्यम से कुल 542 हॉर्सपावर और 850 न्यूटन-मीटर का जबरदस्त टॉर्क मिलता है, जिससे यह सिर्फ 4.5 सेकंड में 0 से 100 किमी/घंटा की रफ्तार पकड़ सकती है। चार्जिंग के मोर्चे पर भी यह बेहद सक्षम है; 350 किलोवाट डीसी फास्ट चार्जिंग सपोर्ट के साथ, यह केवल 22 मिनट में 10 से 80 प्रतिशत तक चार्ज हो जाती है। डिज़ाइन के मामले में, यह अपनी पेट्रोल-डीजल सिबलिंग से काफी मिलता-जुलता है, जबकि इसका इंटीरियर उच्च गुणवत्ता वाले मटेरियल, बड़ी डिस्प्ले और अत्याधुनिक फीचर्स से सुसज्जित है, जो इसे प्रीमियम इलेक्ट्रिक सेगमेंट में एक शक्तिशाली दावेदार बनाता है। यह प्रीमियम एसयूवी यूके के सोलिहुल प्लांट में निर्मित होकर पूरी तरह से आयात (सीबीयू) की जाएगी।

वैश्विक हलचल, कच्चा तेल और अमेरिकी महंगाई तय करेंगे शेयर बाजार की दिशा

विशेषज्ञों ने विदेशी निवेश और वैश्विक संकेतों पर भी नजर रखने की सलाह दी।

मुंबई।

इस सप्ताह भारतीय शेयर बाजार की चाल पश्चिम एशिया में जारी भू-राजनीतिक संघर्ष, कच्चे तेल की अस्थिर कीमतें और अमेरिका के आगामी मुद्रास्फीति आंकड़ों से तय होगी। विश्लेषकों का मानना है कि इन वैश्विक घटनाक्रमों के साथ-साथ विदेशी निवेशकों की गतिविधियां और अन्य वैश्विक संकेतों पर भी बाजार की गहरी नजर रहेगी। बाजार विशेषज्ञों के अनुसार, भू-राजनीतिक तनाव और वैश्विक आर्थिक आंकड़े भारतीय इक्विटी बाजारों के लिए महत्वपूर्ण उत्प्रेरक होंगे। बाजार के जानकारों ने कहा कि इस सप्ताह बाजार वैश्विक मौद्रिक नीति, कच्चे तेल की कीमतों और भू-राजनीतिक घटनाक्रमों को लेकर संवेदनशील रह सकता है। उन्होंने विशेष रूप से होर्मुज जलडमरूमध्य से जुड़े घटनाक्रमों को महत्वपूर्ण बताया, क्योंकि इनका भारत की महंगाई, बाहरी संतुलन और कंपनियों की लाभप्रदता पर सीधा असर पड़ सकता है। एनरिच मनी के एक अधिकारी ने जानकारी दी कि पिछले सप्ताह ब्रेंट कच्चे तेल की कीमत में आठ प्रतिशत से अधिक और डब्ल्यूटीआई में नौ प्रतिशत से ज्यादा की बढ़ोतरी हुई है। अमेरिका-ईरान के बीच बढ़ते तनाव और होर्मुज जलडमरूमध्य को लेकर बनी चिंताओं ने वैश्विक ऊर्जा बाजार में भू-राजनीतिक जोखिमों को बढ़ा दिया है, जिससे कच्चे तेल की कीमतें ऊंची बनी हुई हैं। इसके अतिरिक्त, निवेशकों की नजर अमेरिका के उम्मीद से बेहतर रोजगार आंकड़ों के बाद फेडरल रिजर्व की सितंबर में होने वाली मौद्रिक नीति बैठक को

लेकर बदलती उम्मीदों पर रहेगी। बाजार विशेषज्ञों के अनुसार, अमेरिका के आगामी महंगाई आंकड़े फेडरल रिजर्व की नीतिगत दिशा और वैश्विक बाजार धारणा के लिए महत्वपूर्ण साबित हो सकते हैं। ये आंकड़े अमेरिकी बॉन्ड प्रतिफल और ब्याज दरों को लेकर उम्मीदों को भी प्रभावित करेंगे। घरेलू मोर्चे पर, विदेशी संस्थागत निवेशकों के प्रवाह, रुपये की चाल और बाजार में नकदी की स्थिति पर भी नजर रखी जाएगी। पिछले सप्ताह, बीएसई का 30 शेयरों वाला सेंसेक्स 749.08 अंक यानी 0.96 प्रतिशत के नुकसान में रहा था, जबकि एनएसई निफ्टी 277.95 अंक यानी 1.14 प्रतिशत नीचे आया था, जो मौजूदा वैश्विक दबावों को दर्शाता है। विश्लेषकों का मानना है कि अगले सप्ताह भारतीय शेयर बाजार की चाल मुख्य रूप से इन प्रमुख वैश्विक और घरेलू कारकों पर निर्भर करेगी।

सिंपल एनर्जी ने किया अपना नया इलेक्ट्रिक स्कूटर सिंपल वेव लॉन्च

नई दिल्ली।

भारतीय बाजार में बेंगलुरु स्थित इलेक्ट्रिक टू-व्हीलर निर्माता सिंपल एनर्जी ने अपना नया इलेक्ट्रिक स्कूटर सिंपल वेव लॉन्च कर दिया है। यह नया मॉडल कंपनी की सिंपल वन सीरीज से अलग है और इसे विशेष रूप से भारतीय परिवारों की आवागमन की जरूरतों को ध्यान में रखकर डिज़ाइन किया गया है, जहाँ यूटिलिटी, रेंज और स्टोरेज पर विशेष जोर दिया गया है। बेंगलुरु में इसकी शुरुआती एक्स-शोरूम कीमत रुपए 1,09,999 रखी गई है, जो इसे दैनिक पारिवारिक उपयोग के लिए एक आकर्षक और व्यावहारिक विकल्प बनाती है। सिंपल वेव चार अलग-अलग बैटरी विकल्पों में उपलब्ध है, जिसमें इसका टॉप वेरिएंट 243 किलोमीटर तक की प्रभावशाली आईडीसी (इंडियन ड्राइविंग साइकिल) रेंज का दावा करता है। हालांकि, ग्राहकों को अपनी नई वेव के लिए थोड़ा इंतजार करना होगा, क्योंकि इसकी डिलीवरी 25 सितंबर 2026 से शुरू होने वाली है। इस स्कूटर की सबसे बड़ी खासियत इसकी विशाल स्टोरेज क्षमता है, जो कुल 70 लीटर तक है। इसमें 63 लीटर का अंडर-सीट स्पेस, 3 लीटर का ग्लव बॉक्स और एक अनोखा 4 लीटर का पिल स्टोरेज शामिल है, जो इसे इस सेगमेंट में अग्रणी बनाता है।

सुरक्षा के मोर्चे पर, इसकी बैटरी और मोटर दोनों को आईपी67 रेटिंग मिली है, जो धूल और पानी से प्रभावी सुरक्षा सुनिश्चित करती है। वेव एस वेरिएंट में 2.2 किलोवाट घंटा (110 किमी रेंज) और 2.7 किलोवाट घंटा (132 किमी रेंज) बैटरी विकल्प मिलते हैं, जबकि टॉप वेव+ वेरिएंट में 5 किलोवाट घंटा बैटरी के साथ 243 किमी की आईडीसी रेंज मिलती है। पीएमएसएम (परमानेंट मैग्नेट सिंक्रोनस मोटर) मोटर बेस वेरिएंट में 4.5 किलोवाट और अन्य वेरिएंट में 6.4 किलोवाट पावर जनरेट करती है, जिससे इसकी टॉप स्पीड 90 किमी प्रति घंटा तक पहुँच जाती है।

एफपीआई ने सितंबर के पहले सप्ताह में निकाले 10,289 करोड़ रुपये

मुंबई।

विदेशी पोर्टफोलियो निवेशकों (एफपीआई) ने सितंबर के पहले सप्ताह में भारतीय पूंजी बाजार में 10,289 करोड़ रुपये की शुद्ध बिकवाली की। शुद्ध बिकवाली बाजार में लगाई गयी पूंजी और निकाली गयी पूंजी का अंतर है। तीन महीने लगातार पूंजी लगाने के बाद एफपीआई बाजार में बिकवाल दिखे हैं। इससे पहले अगस्त में उन्होंने 25,492 करोड़ रुपये का शुद्ध निवेश किया था। जुलाई में उन्होंने 40,031 करोड़ रुपये और जून में 4,669 करोड़ रुपये का शुद्ध निवेश किया था।सितंबर में अबतक एफपीआई ने इक्विटी में 7,443 करोड़ रुपये की शुद्ध बिकवाली की है। डेट और हाइब्रिड उपकरणों में भी उनका निवेश नकारात्मक रहा है यानी कम हुआ है जबकि म्यूचुअल फंड में वे शुद्ध रूप से लिवाल रहे हैं।हाइब्रिड उपकरणों से एफपीआई सितंबर में अब तक 2,522 करोड़ रुपये निकाल चुके हैं। डेट से उन्होंने 390 करोड़ रुपये की शुद्ध बिकवाली की है। वहीं म्यूचुअल फंड में एफपीआई ने 67 करोड़ रुपये लगाये हैं। मौजूदा कैलेंडर वर्ष में एफपीआई ने अब तक 1,57,639 करोड़ रुपये की शुद्ध बिकवाली की है। इसमें अकेले इक्विटी से उन्होंने 2,31,886 करोड़ रुपये की निकासी की है। इस दौरान डेट और म्यूचुअल फंड में वे शुद्ध रूप से लिवाल रहे हैं जबकि हाइब्रिड उपकरणों में उनके निवेश में कमी आयी है।

खाद्य तेलों का मिलाजुला रुख, कहीं उछाल तो कहीं गिरावट

आयातकों की लागत से नीचे बिकवाली से सोयाबीन तेल टूटा, औद्योगिक मांग ने पाम-पामोलीन को सहारा दिया

नई दिल्ली। बीते सप्ताह खाद्य तेल बाजार में मिला-जुला रुख देखने को मिला। जहां आयातकों द्वारा लागत से नीचे बिकवाली के दबाव में सोयाबीन तेल की कीमतों में गिरावट आई, वहीं औद्योगिक मांग बढ़ने से कच्चे पामतेल (सीपीओ) और पामोलीन के दाम में तेजी दर्ज की गई। घरेलू मंडियों में सोयाबीन तिलहन की कम आवक के चलते इसमें मामूली सुधार हुआ, जबकि सरसों और मूंगफली तेल-तिलहन के दाम स्थिर बने रहे। बाजार सूत्रों के अनुसार, मंडियों में सोयाबीन की आवक घटकर 40-45 हजार बोरी रह गई, जो दैनिक मांग (2.5-3 लाख बोरी) से काफी कम है। इसके बावजूद, आयातक बैंकों में अपने ऋण साख-पत्र चालू रखने के लिए लागत (125 रुपये/किलो) से लगभग 5 फीसदी नीचे, 118.50 रुपये/किलो पर सोयाबीन तेल बेच रहे हैं। यह उनकी गंभीर आर्थिक स्थिति दर्शाता है, जिसके चलते सोयाबीन तेल में गिरावट आई। ऊंची कीमतों पर कमजोर मांग से बिनौला तेल भी सस्ता हुआ। दूसरी ओर, बढ़ती औद्योगिक मांग और अन्य खाद्य तेलों से सस्ता होने के कारण पाम-पामोलीन में मजबूती देखी गई। ऊंचे दाम पर सुस्त कारोबार के बीच सरसों एवं मूंगफली तेल-तिलहन के दाम में स्थिरता बनी रही। बीते सप्ताह सरसों दाना 8,300-8,350 रुपये प्रति क्विंटल, सरसों तेल दादरी 16,800 रुपये प्रति क्विंटल तथा सरसों पक्की एवं कच्ची घानी तेल क्रमशः 2,735-2,835 रुपये और 2,735-2,885 रुपये टिन (15 किलो) पर स्थिर बंद हुआ।समीक्षाधीन सप्ताह में सोयाबीन दाना और सोयाबीन लूज का थोक भाव क्रमशः 25-25 रुपये सुधार के साथ क्रमशः 6,700-6,750 रुपये और 6,550-6,650 रुपये प्रति क्विंटल पर बंद हुआ।दूसरी ओर, आयातकों की लागत से नीचे दाम पर बिकवाली की वजह से दिल्ली में सोयाबीन तेल 150 रुपये की गिरावट के साथ 15,600 रुपये प्रति क्विंटल, सोयाबीन इंदौर तेल 150 रुपये की गिरावट के साथ 15,400 रुपये और सोयाबीन डीगम तेल 200 रुपये की गिरावट के साथ 11,850 रुपये प्रति क्विंटल पर बंद हुआ।बीते सप्ताह मूंगफली तिलहन का दाम 7,350-7,925 रुपये क्विंटल, मूंगफली तेल गुजरात 17,000 रुपये क्विंटल और मूंगफली साल्वेंट रिफाइंड तेल 2,680-2,980 रुपये प्रति टिन पर स्थिर बंद हुआ।समीक्षाधीन सप्ताह में सीपीओ तेल का दाम 150 रुपये के सुधार के साथ 14,100 रुपये प्रति क्विंटल पर बंद हुआ। पामोलीन दिल्ली 150 रुपये के सुधार के साथ 16,000 रुपये प्रति क्विंटल तथा पामोलीन एक्स कांडला तेल 100 रुपये के सुधार के साथ 14,700 रुपये प्रति क्विंटल पर बंद हुआ।

गोवा उज्ज्वला योजना 2026 के तहत पात्र परिवारों को सालाना मिलेंगे 3000 रुपए

बिना आय सीमा के एलपीजी/पीएनजी उपभोक्ताओं को मिलेगा सीधा लाभ

गोवा।

गोवा सरकार ने अपने चुनावी वादे को पूरा करते हुए एक बड़ा ऐलान किया है। मुख्यमंत्री प्रमोद सावंत ने आधिकारिक तौर पर गोवा उज्ज्वला योजना 2026 को हरी झंडी दे दी है, जिसके तहत राज्य के पात्र परिवारों को सालाना तीन घरेलू एलपीजी सिलेंडरों या पीएनजी के खर्च के बराबर 3000 रुपये की वित्तीय सहायता सीधे उनके बैंक खातों में दी जाएगी। इस योजना के तहत भुगतान 9 सितंबर से शुरू हो जाएगा। यह योजना मुख्यमंत्री द्वारा 2022 के गोवा विधानसभा चुनावों के दौरान किए गए वादे का हिस्सा है, जिसमें लोगों को सालाना तीन मुफ्त एलपीजी सिलेंडर देने का भरोसा दिलाया गया था। सरकार सिलेंडर सीधे वितरित करने के बजाय, यह राशि सीधे पात्र लाभार्थियों के बैंक खातों में हस्तांतरित करेगी। सीएम ने बताया कि आवेदन प्रक्रिया पूरी करने और आवश्यक दस्तावेज जमा करने वाले निवासियों को उनके खातों में राशि मिलनी शुरू हो जाएगी। इस योजना की सबसे खास बात यह है कि इसके लिए कोई आय सीमा नहीं रखी गई है, जिससे सामान्य और ओपन कैटेगरी के परिवार भी आवेदन कर सकते हैं। यह योजना सिर्फ एलपीजी सिलेंडर इस्तेमाल करने वालों के लिए नहीं, बल्कि घरेलू पाइप नेचुरल गैस (पीएनजी) कनेक्शन का उपयोग करने वाले परिवारों को भी लाभ देगी। सरकारी कर्मचारियों को भी इस स्कीम से बाहर नहीं रखा गया है। आवेदन करने के लिए लाभार्थी अपने नजदीकी ग्राम पंचायत कार्यालय, नगर पालिका दफ्तर या स्थानीय विधायक कार्यालय से फॉर्म प्राप्त कर सकते हैं और गैस कनेक्शन की कॉपी, आधार, बैंक पासबुक तथा वोटर आईडी के साथ जमा कर सकते हैं। प्रति परिवार केवल एक ही गैस कनेक्शन पर योजना का लाभ मिलेगा।

इंडस्ट्रीज का डबल धमाकाः 60 रुपए लाभांश का प्रस्ताव

नई दिल्ली

कंपनी ने वित्त वर्ष 2025-26 के लिए प्रति शेयर 60 रुपये लाभांश की घोषणा की; चालू वित्त वर्ष की पहली तिमाही में नेट प्रॉफिट में 77.8 फीसदी की भारी बढ़ोतरी के कपावर ट्रांसमिशन सेक्टर की प्रमुख कंपनी अपार इंडस्ट्रीज ने अपने शेयरधारकों को दोहरी खुशी दी है। कंपनी ने वित्त वर्ष 2025-26 के लिए प्रति इक्विटी शेयर 60 रुपये (फेस वैल्यू का 600त्न) लाभांश देने का प्रस्ताव किया है, जिस पर 21 सितंबर 2026 को होने वाली 37वीं सालाना आम बैठक (त्नरू) में मंजूरी ली जाएगी। इसके साथ ही, अपार इंडस्ट्रीज ने वित्त वर्ष 2026-27 की पहली तिमाही में भी शानदार वित्तीय परिणाम पेश किए हैं। खबरः अपार इंडस्ट्रीज ने लाभांश के लिए 14 सितंबर 2026 को रिकॉर्ड डेट तय की है। इस तारीख तक कंपनी के रजिस्टर में दर्ज शेयरधारकों को एजीएम की मंजूरी के बाद लाभांश का भुगतान किया जाएगा।

जनधन योजना में चुनौतीः करोड़ों खाते निष्क्रिय, लाखों में नहीं है कोई राशि

आरटीआई से खुलासा; देश में 15 करोड़ से अधिक खाते निष्क्रिय

जयपुर।

प्रधानमंत्री जनधन योजना (पीएमजेडीवाई) के तहत वित्तीय समावेशन के प्रयासों को एक बड़ी चुनौती का सामना करना पड़ रहा है। हाल ही में एक आरटीआई (सूचना का अधिकार) के जवाब से खुलासा हुआ है कि देश में करीब हर चौथा जनधन खाता निष्क्रिय है, जबकि करोड़ों खातों में कोई राशि जमा नहीं है।

ये आंकड़े योजना की प्रभावशीलता और जमीनी स्तर पर इसके उपयोग पर सवाल खड़े करते हैं। वित्त मंत्रालय के वित्तीय सेवा विभाग द्वारा आरटीआई कार्यकर्ता चंद्रशेखर गौड़ को दी गई जानकारी के अनुसार, 12 अगस्त तक देशभर में पीएमजेडीवाई के कुल 59.03 करोड़ से अधिक खाते थे, जिनमें 3.15 लाख करोड़ रुपये से अधिक की राशि जमा थी। हालांकि, चिंताजनक बात यह है कि इन खातों में से 15.36 करोड़ खाते निष्क्रिय पाए गए। इसके अलावा, 5.72 करोड़ से अधिक खातों में कोई राशि जमा नहीं थी, यानी वे शून्य-बैलेंस वाले खाते हैं।

अगस्त, 2014 में वित्तीय समावेशन के राष्ट्रीय मिशन के रूप में शुरू की गई इस योजना का उद्देश्य प्रत्येक परिवार को बैंक खाते तक पहुंच प्रदान करना है।

सितंबर में आईपीओ का महासंग्राम, बाजार में 7,055 करोड़ की हलचल

7 से 15 सितंबर के बीच खुलेंगे 11 कंपनियों के निर्गम

नई दिल्ली।

भारतीय प्राथमिक बाजार में एक बार फिर जोरदार हलचल मचने वाली है। आगामी 7 से 15 सितंबर के बीच 11 कंपनियां अपने आरंभिक सार्वजनिक निर्गम (आईपीओ) के साथ बाजार में उतरेंगी, जिनका लक्ष्य कुल 7,055 करोड़ रुपये जुटाना है। यह आईपीओ की भीड़ निवेशकों के लिए नए अवसर लेकर आएगी और बाजार में उत्साह का संचार करेगी। येस सिक्योरिटीज के अनुसार, एक साथ इतने आईपीओ आना इस बात का संकेत है कि निवेशक शुरुआती चरण की वृद्धि वाली कंपनियों में हिस्सेदारी लेने के लिए उत्सुक हैं। इन निर्गमों में रियल एस्टेट, इंजीनियरिंग, विनिर्माण, भुगतान समाधान, विशेष रसायन और ऑनलाइन किराये जैसे विविध क्षेत्रों की कंपनियां शामिल हैं। कुल जुटाई जाने वाली राशि में से 39 फीसदी (2,722 करोड़) नए शेयर जारी कर सीधे कंपनियों के खाते में जाएगी। इस राशि का उपयोग मुख्य रूप से कारोबार विस्तार, पूंजीगत व्यय, कर्ज चुकाने और कार्यशील पूंजी जरूरतों को पूरा करने के लिए किया जाएगा। वहीं, 61 फीसदी (4,333 करोड़) मौजूदा निवेशकों द्वारा बिक्री पेशकश के माध्यम से जुटाई जाएगी। इस अवधि में आने वाले प्रमुख आईपीओ में रेंटोमोजो (1,256 करोड़ रुपए), कनोहर इलेक्ट्रिकल्स (1,056 करोड़) और करमतारा इंजीनियरिंग (875 करोड़) शामिल हैं। रेंटोमोजो का आईपीओ इस सप्ताह का सबसे बड़ा निर्गम होगा। इसके अलावा प्रणव कंस्ट्रक्शंस, प्रसोल केमिकल्स, मणिपाल पेमेंट एंड आइडेंटिटी सॉल्यूशंस और वीगालैंड डेवलपर्स सहित कई अन्य कंपनियां भी अपने आईपीओ लेकर आ रही हैं।

टाटा मोटर्स का इटली के इवेको ग्रुप के लिए 34,000 करोड़ का अधिग्रहण ऑफर

3.82 अरब की डील से ग्लोबल मार्केट में बढ़ेगा दबदबा

नई दिल्ली।

टाटा मोटर्स ने वैश्विक वाणिज्यिक वाहन बाजार में अपनी स्थिति मजबूत करने के लिए एक बड़ा और ऐतिहासिक कदम उठाया है। कंपनी ने इटली की मशहूर कमर्शियल व्हीकल कंपनी इवेको ग्रुप को खरीदने के लिए एक ऑल-कैश वॉलंटरी टेंडर ऑफर पेश किया है। यह महत्वाकांक्षी अधिग्रहण लगभग 3.82 अरब यूरो (लगभग 34,000 करोड़ रुपये) का है, जिससे भारतीय ऑटोमोबाइल दिग्गज का वैश्विक दबदबा काफी बढ़ जाएगा। टाटा मोटर्स अपनी नीदरलैंड्स स्थित कंपनी टीएमएल सीवी होल्डिंग बीवी के माध्यम से इवेको ग्रुप के सभी शेयर खरीदने के लिए यह प्रस्ताव लेकर आई है। कंपनी ने इवेको के एक शेयर की कीमत 14.10 यूरो तय की है। इस सौदे को इटली के मार्केट रेगुलेटर कॉन्सॉब से पहले ही मंजूरी मिल चुकी है, जो इसकी राह आसान करता है। टाटा मोटर्स और इवेको ग्रुप के संयुक्त बयान के अनुसार, यह टेंडर ऑफर 7 सितंबर से 26 अक्टूबर तक खुला रहेगा। इवेको ग्रुप के बोर्ड ऑफ डायरेक्टर्स ने इस सौदे को अपनी पूरी मंजूरी देते हुए शेयरधारकों से ऑफर स्वीकार करने की सिफारिश की है। इवेको की सबसे बड़ी शेयरधारक कंपनी एक्सोर, जिसके पास 27.06 फीसदी कॉमन शेयर और 43.19 फीसदी वोटिंग अधिकार हैं, उसने भी इस प्रस्ताव का समर्थन करने का वादा किया है। इस विलय के बाद वैश्विक कमर्शियल व्हीकल मार्केट में एक नया और मजबूत मंच तैयार होगा। अनुमान है कि संयुक्त इकाई की सालाना बिक्री 5,90,000 यूनिट्स से अधिक और कुल राजस्व लगभग 21 अरब यूरो (लगभग 2.28 लाख करोड़ रुपये से ज्यादा) होगा। खास बात यह है कि दोनों कंपनियों के कारोबार और भौगोलिक मौजूदगी में कोई टकराव नहीं है, जिससे एसवायएनइआरजीवाय का पूरा लाभ मिलेगा। नई इकाई के राजस्व का वितरण काफी संतुलित होगा, जिसमें यूरोप से लगभग 46 फीसदी, भारत से करीब 32 फीसदी, दक्षिण अमेरिका से 8 फीसदी और बाकी दुनिया के बाजारों से लगभग 14 फीसदी राजस्व आने की उम्मीद है। यह एकीकरण दोनों कंपनियों को लागत और अनुसंधान खर्चों को बड़े पैमाने पर साझा करने, परिचालन क्षमता में सुधार करने और कमर्शियल व्हीकल सेक्टर के उतार-चढ़ाव से निपटने में मदद करेगा। सौदे को पूरा करने के लिए कम से कम 95 फीसदी कॉमन शेयरों की मंजूरी आवश्यक है, हालांकि कुछ शर्तों के तहत यह 80 फीसदी तक घट सकती है।

घरेलू एलपीजी के दाम स्थिर, आम जनता को मिली राहत

19 किलो वाले सिलेंडर में मामूली वृद्धि से होटल-रेस्टोरेंट का बजट बिगड़ा

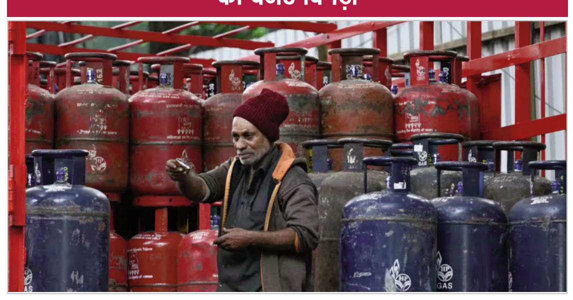

-मुंबई।

भारत में घरेलू रसोई गैस (एलपीजी) सिलेंडर (14.2 किलोग्राम) की कीमतें पूरी तरह स्थिर बनी हुई हैं, जिससे आम जनता और परिवारों को बड़ी राहत मिली है। सरकारी तेल मार्केटिंग ने घरेलू सिलेंडर के दामों में कोई बदलाव नहीं किया है। हालांकि, कमर्शियल इस्तेमाल वाले 19 किलोग्राम के बड़े गैस सिलेंडरों की कीमतों में 1 सितंबर को 9.50 से 11.50 रुपये प्रति सिलेंडर की मामूली बढ़ोतरी दर्ज की गई थी, जिसका असर होटल, रेस्टोरेंट और कैटरिंग बिजनेस पर पड़ रहा है। वैश्विक कच्चे तेल की कीमतों में लगातार उतार-चढ़ाव के बावजूद, सरकार और तेल विपणन कंपनियों ने आम उपभोक्ताओं को महंगाई से बचाने के लिए घरेलू सिलेंडर के दाम स्थिर रखे हैं। अंतरराष्ट्रीय बाजार में कच्चे तेल के 95 डॉलर प्रति बैरल से ऊपर निकल जाने और आयात लागत बढ़ने के कारण ही वाणिज्यिक गैस के दाम बढ़ाए गए हैं। वर्तमान में, दिल्ली में घरेलू सिलेंडर 942 रुपये और मुंबई में 941.50 रुपये पर उपलब्ध है, जबकि कमर्शियल सिलेंडर की कीमत दिल्ली में 2,747.50 रुपये है। इस बीच पेट्रोलियम प्लानिंग एंड एनालिसिस सेल (पीएसी) के ताजा आंकड़ों के अनुसार, अप्रैल से अगस्त 2026 के बीच घरेलू एनपीजी की खपत 15.9 फीसदी 11.3 मिलियन टन रह गई है।

देश में तेजी से फैल रहा पीएनजी नेटवर्क, 940 से 1000 रुपये के बीच का मौजूदा उच्च बेस प्राइस और सब्सिडी खत्म होने या कम होने के बाद ग्रामीण क्षेत्रों में पारंपरिक ईंधन की ओर वापसी, इस गिरावट के मुख्य कारण हैं। घरेलू एलपीजी सिलेंडर की कीमत में आखिरी बदलाव जून 2026 में हुआ था।

वास्तु दोष दूर करता है मोरपंख

मोर बेहद खूबसूरत पंछी है। ज्योतिष, वास्तु, धर्म, पुराण और संस्कृति में मोर का अत्यधिक महत्व माना गया है। मोर पंख घर में रखने से अमंगल टल जाता है। आइए जानें 25 अनूठी बातें मोर पंख के बारे में.

- मोर, मयूर, पिकॉक कितने खूबसूरत नाम है इस सुंदर से पक्षी के। जितना खूबसूरत यह दिखता है उतने ही खूबसूरत फायदे इसके पंखों के भी हैं। हमारे देवी -दवताओं को भी यह अत्यंत प्रिय हैं। मां सरस्वती, श्रीकृष्ण, मां लक्ष्मी, इन्द्र देव, कार्तिकेय, श्री गणेश सभी को मोर पंख किसी न किसी रूप में प्रिय हैं। पौराणिक काल में महर्षियों द्वारा इसी मोरपंख की कलम बनाकर बड़े-बड़े ग्रंथ लिखे गए हैं।
- मोर के विषय में माना जाता है कि यह पक्षी किसी भी स्थान को बुरी शक्तियों और प्रतिकूल चीजों के प्रभाव से बचाकर रखता है। यही वजह है कि अधिकांश लोग अपने घरों में मोर के खूबसूरत पंखों को लगाते हैं।
- मोर पंख की जितनी महत्ता भारत के लोगों के लिए है शायद ही किसी अन्य देश के लोगों के लिए हो। हमारे यहां माना जाता है कि मोर नकारात्मक ऊर्जा को दूर करने में सबसे प्रभावशाली है।
- हालांकि 20वीं शताब्दी के उत्तरार्ध में पश्चिमी देशों के लोग मोरपंख को दुर्भाग्य का सूचक मानते थे। लेकिन मोर पंख की शुभता का अनुभव होने के बाद उसे शुभ चिन्ह के रूप में स्वीकार कर लिया गया।
- ग्रीक पौराणिक कथाओं के अनुसार मोर को 'हेरा' के साथ संबंधित किया जाता है। मान्यता के अनुसार आर्गस, जिसकी सौ आंखें थीं, उसके द्वारा हेरा ने मोर की रचना की।
- यही वजह है कि ग्रीक लोग मोर के पंखों को स्वर्ग और सितारों की निगाहों के साथ जोड़ते हैं।
- हिंदू धर्म में मोर को धन की देवी लक्ष्मी और विद्या की देवी सरस्वती के साथ जोड़कर देखा जाता है।
- लक्ष्मी सौभाग्य, खुशहाली और धन धान्य व संपन्नता के लिए पूजी जाती हैं। मोर के पंखों का प्रयोग लक्ष्मी की इन्हीं विशेषताओं को हासिल करने के लिए किया जाता है। मोर पंख को बांसुरी के साथ घर में रखने से रिश्तों में प्रेम रस घुल जाता है।
- एशिया के बहुत से देशों में मोर के पंखों को अध्यात्म के साथ संबंधित किया जाता है। क्वान-यिन जो कि अध्यात्म का प्रतीक है का मोर से खास रिश्ता माना गया है। क्वान यिन : क्वान-यिन प्रेम, प्रतिष्ठा, धीरज और स्नेह का सूचक है। इसलिए संबंधित देशों के लोगों के अनुसार मोर पंख से नजदीकी अर्थात क्वान-यिन से समीपता मानी गई है।
- अगर आपके वैवाहिक जीवन में तनाव है तो अपने शयनकक्ष में मोरपंख रखें, इससे पति पत्नी के बीच प्यार बढ़ता है।
- यदि शत्रुता समाप्त करनी हो या कि शत्रु तंग कर रहे हो, तो मोरपंख पर हनुमान जी के मस्तक के सिंदूर से उस शत्रु का नाम मंगलवार या शनिवार रात्रि में लिखकर उसे घर के पूजा स्थल में रखें व सुबह उठकर उसे चलते पानी मे प्रवाहित कर आएं।
- वास्तुशास्त्र के अनुसार मोरपंख को घर की दक्षिण दिशा में स्थित तिजोरी में खड़ा करके रखने से कभी भी धन की कमी नहीं होती है।
- राहु का दोष होने पर मोरपंख घर की पूर्वी और उत्तर पश्चिम की दीवार पर लगाएं।
- अगर आपके घर में मोरपंख है तो आपके घर में कोई भी बुरी शक्ति प्रवेश नहीं कर पाती है। यह घर से नकारात्मक ऊर्जा को दूर करके सकारात्मक ऊर्जा को बढ़ावा देता है।
- वास्तुशास्त्र के अनुसार मोरपंख को घर में रखने से आपके घर के सारे दोष दूर हो जाते है।
- यदि मोर का पंख घर के पूर्वी और उत्तर-पश्चिम दीवार मे या अपनी जेब व डायरी मे रखा हो तो राहू कभी भी परेशान नहीं करता है। मोरपंख की पूजा करे या हो सके तो उसे हमेशा अपने पास रखे। मोरपंख को घर में रखने से परिवार के सदस्यों की सेहत भी अच्छी रहती है।
- ग्रहों के अशुभ प्रभाव होने पर मोरपंख पर 21 बार ग्रह का मंत्र बोलकर पानी का छींटें दें, और इसे श्रेष्ठ स्थान पर स्थापित करें जहां से यह दिखाई दे।
- आर्थिक लाभ के लिए किसी मंदिर में जाकर मोरपंख को राधा कृष्ण के मुकुट में लगाएं और 40 दिन बाद इसे लॉकर या तिजोरी में रख दें।
- बुरी नजर से बच्चों को बचाने के लिए नवजात बालक को मोरपंख चांदी के ताबीज में पहनाएं।
- घर के मुख्य द्वार पर 3 मोरपंख लगाकर ऊँ द्वारपालाय नमः जाग्रय स्थापयै स्वाहा मंत्र लिखें और नीचे गणेश जी की मूर्ति लगाएं।
- आग्नेय कोण में मोरपंख लगाने से घर के वास्तु दोष को ठीक किया जा सकता है। इसके अलावा ईशान कोण में कृष्ण भगवान की फोटो के साथ मोरपंख लगाएं।
- बौद्ध धर्म के अनुसार मोर अपनी अपने सारे पंखों को खोल देता है, इसलिए उसके पंख विचारों और मान्यताओं में खुलेपन का ही प्रतीक माने जाते हैं।
- ईसाई धर्म में मोर के पंख, अमरता, पुनर्जीवन और अध्यात्मिक शिक्षा से संबंध रखते हैं।
- इस्लाम धर्म में मोर के खूबसूरत पंख जन्नत के दरवाजे के बाहर अद्भुत शाही बगीचे का प्रतीक माने जाते हैं।
- यह भी विशेष गौर करने लायक तथ्य है कि घरों में मोरपंख रखने से कीड़े-मकोड़े घर में दाखिल नहीं होते।

सुंदर कांड देता है मन को शांति, बढ़ाता है शुभ ऊर्जा

महर्षि वाल्मीकि द्वारा रचित रामायण पर आधारित महाकाव्य श्रीरामचरितमानस का पंचम सोपान है सुंदर कांड। इसमें रामदूत, पवनपुत्र हनुमान का यशोगान किया गया है, इसलिए सुंदर कांड के नायक श्री हनुमान को माना जाता हैं।

सुंदर कांड का पाठ मन को शांति देने तथा शुभ ऊर्जा बढ़ाने का काम करता है। सुंदर कांड का नाम सुंदर कांड क्यों रखा गया...

दरअसल, जब हनुमान जी, सीता जी की खोज में लंका गए थे और लंका त्रिकुटांचल पर्वत पर बसी हुई थी। त्रिकुटांचल पर्वत यानी यहां 3 पर्वत थे। पहला सुबैल पर्वत, जहां के मैदान में युद्ध हुआ था। दूसरा नील पर्वत, जहां राक्षसों के महल बसे हुए थे। तीसरे पर्वत का नाम है सुंदर पर्वत, जहां अशोक वाटिका निर्मित थी। इसी वाटिका में हनुमान जी और सीता जी की भेंट हुई थी। सुंदर पर्वत पर ही सबसे प्रमुख घटना घटित होने के कारण इसका नाम सुंदर कांड रखा गया। सुंदर पर्वत पर ही अशोक वाटिका थी और इसी अशोक वाटिका में ही हनुमान और सीता जी का मिलन हुआ था इसीलिए इस कांड का नाम सुंदर कांड रखा गया। कहा जाता हैं कि यहां की घटनाओं में हनुमान जी ने एक विशेष शैली अपनाई थी।

वास्तव में श्रीरामचरितमानस के सुंदर कांड की कथा सबसे अलग है। संपूर्ण श्रीरामचरितमानस भगवान श्रीराम के गुणों और उनके पुरुषार्थ को दर्शाती है। सुंदर कांड एकमात्र ऐसा अध्याय है, जो श्रीराम के भक्त हनुमान की विजय का कांड है। धार्मिक शास्त्रों के अनुसार सुंदर कांड का पाठ हम सभी को सुनना और पढ़ना चाहिए क्योंकि यह पाठ सभी मनोकामनाओं को पूर्ण करने वाला तथा किसी भी प्रकार की परेशानी या संकट से आप घिरे हुए हो तो सुंदर कांड पाठ पढ़ने या सुनने से यह संकट तुरंत दूर हो जाता है। इतना ही नहीं यह प्रभु श्रीराम के परमभक्त श्री बजरंग बली की विजय का कांड होने से हम पर प्रभु श्रीराम, माता सीता तथा हनुमान जी की अनन्य कृपा प्राप्त होती है तथा हमारे मन को शांति मिलती है।

हनुमान जी जल्द ही प्रसन्न होने वाले देवता माने जाते हैं, अतः प्रतिदिन सुंदर कांड का पाठ करने वाले मनुष्य के जीवन से नकारात्मक शक्तियां भाग जाती है तथा यह पाठ बल, बुद्धि, एकाग्रता, आत्मविश्वास बढ़ता है तथा जीवन में सकारात्मक बदलाव देखने को मिलते हैं और हमारे अंदर सकारात्मक ऊर्जा का संचार होता है इसके अलावा भी सुंदर कांड पाठ पढ़ने के बहुत सारे लाभ हैं। विद्यार्थियों को यह पाठ अवश्य करना चाहिए, क्योंकि इसका विशेष लाभ मिलता है। यह आत्मविश्वास बढ़ाकर एक्जाम में अच्छे अंक दिलाने में मददगार है। यह मानसिक परेशानियां, व्याधियां, गृह क्लेश, ऋण/ कर्ज मुक्ति आदि कई समस्या में भी लाभदायी है।

श्री कोत्तानकुलांगरा देवी मंदिर जहां पुरुषों को करना पड़ता है महिलाओं की तरह सोलह श्रृंगार

धर्म को लेकर हमारे देश में जहां तरह-तरह के प्रतबिंध लगाए गए हैं। देश में बहुत से मंदिर ऐसे हैं जिनमें महिलाओं का प्रवेश करने पर रोक होती है। ये मंदिर देश भर में इस तरह के लिए जाना जाता है कि यहां प्रवेश करने और पूजा करने के इच्छुक पुरुषों को बकायदा महिलाओं की ड्रेस में आना पड़ता है। इस मंदिर में उन्हें पूजा करने के लिए महिलाओं, किन्नरों पर कोई रोक नहीं है, लेकिन पुरुष अगर इस मंदिर में पूजा अर्चना करना चाहता है तो उसे महिलाओं की तरह पूरा सोलह श्रृंगार करना पड़ता है। यह खास मंदिर केरल के कोल्लम जिले में हैं जहां पर श्री कोत्तानकुलांगरा देवी मंदिर में हर साल चाम्याविलक्कू त्यौहार मनाया जाता है। इस त्योहार में हर साल हजारों की संख्या में पुरुष श्रद्धालु आते हैं। उनके तैयार होने के लिए मंदिर में अलग से मेकअप रूम बनाया जाता है। पुरुष महिलाओं की तरह न केवल साड़ी पहनते है, बल्कि जूलरी, मेकअप और बालों में गजरा भी लगाते है। इस उत्सव में शामिल होने के लिए उम्र की कोई सीमा नहीं है। यही नहीं ट्रांसजेंडर भी इस मंदिर में पूजा अर्चना करने के लिए आते हैं। ऐसा माना जाता है कि इस मंदिर में देवी की मूर्ति स्वयं प्रकट हुई थी। अपनी खास परंपरा के लिए दुनियाभर में मशहूर इस मंदिर के ऊपर कोई छत नहीं हैं। इस राज्य का यह ऐसा एकमात्र मंदिर है जिसके गर्भगृह के ऊपर छत या कलश नहीं हैं। ऐसी मान्यता है कि कुछ चरवाहों ने महिलाओं के कपड़े पहनकर पत्थर पर फूल चढ़ाए थे, जिसके बाद उस पत्थर से दिव्य शक्ति निकलने लगी। इसके बाद इसे मंदिर का रूप दिया गया। एक मान्यता यह भी है कि कुछ लोग पत्थर पर नारियल फोड़ रहे थे और इसी दौरान पत्थर से खून निकलने लग गया जिसके बाद से यहां देवी की पूजा होने लगी।

इन 6 जगहों पर भूलकर भी न पहनकर जाएं रुद्राक्ष

रुद्राक्ष की उत्पत्ति भगवान शिव के अश्रुओं से हुई है। उन्होंने कठोर तप के बाद जब आंखें खोली तो उनके आंखों से जो आंसू भूमि पर गिरे उसे से रुद्राक्ष की उत्पत्ति हुई। रुद्राक्ष को पहने के नियम भी है।

रुद्राक्ष का अर्थ है रुद्र का अक्ष। यानी भगवान रुद्र की आंखें। माना जाता है कि रुद्राक्ष की उत्पत्ति भगवान शिव के अश्रुओं से हुई है। उन्होंने कठोर तप के बाद जब आंखें खोली तो उनके आंखों से जो आंसू भूमि पर गिरे उसे से रुद्राक्ष की उत्पत्ति हुई। रुद्राक्ष को पहने के नियम भी है। कहते हैं कि 6 जगहों पर रुद्राक्ष पहकर गए तो शिवजी नाराज हो जाएंगे।

- **श्मशान** - रुद्राक्ष की माला या रुद्राक्ष को किसी भी रूप में धारण करके शमशान नहीं जाना चाहिए। जो शमशान के संत होते हैं वे रुद्राक्ष के नियमों का पालन करते हैं।
- **मृत्यु वाले घर** - जहां पर किसी की मृत्यु हो गई हो वहां पर भी रुद्राक्ष पननकर न जाएं। यदि आपके घर में किसी परिजन की मृत्यु हो गई है तो रुद्राक्ष को उतारकर किसी उचित स्थान पर रख दें।
- **शौचालय या स्नानघर** - टॉयलेट या बाथरूम में रुद्राक्ष पहनकर नहीं जाते हैं। ऐसा करने से घोर पाप लगता है। यह शिवजी का अपमान माना जाएगा।
- **मांस मदिरा सेवन के समय** - रुद्राक्ष पहकर कर मांस भक्षण करना या शराब पीना वर्जित है। इसी के साथ ही बूचड़खाने में जाना या किसी शराब की दुकान पर जाना भी वर्जित है। जहां पर मुर्गा, बकरा आदि कटना या बनता है उस स्थान से भी दूर रहें।
- **बालक के जन्म पर** - जहां पर किसी बच्चे का जन्म हुआ हो और प्रसूता रहती हो वहां पर रुद्राक्ष पहनकर जाना वर्जित है। एक माह तक नियम का पानल करना चाहिए। ऐसी जगह पहनकर जाने से रुद्राक्ष निस्तेज हो जाता है।
- **शयन कक्ष** - सोने से पहले रुद्राक्ष को उतारकर उचित स्थान पर रख देना चाहिए। सोने के दौरान जहां रुद्राक्ष के टूटने का अंदेशा रहता है वहीं इससे रुद्राक्ष अशुद्ध और निस्तेज हो जाता है।

चन्द्र घात के समय नहीं करना चाहिए कोई महत्वपूर्ण कार्य

चंद्र घात विचार वैसे तो बहुत विस्तृत विषय है परंतु यहां पर आप संक्षिप्त में जान लें। पहले के समय में जन्म पत्रिका या कुंडली बनाते समय में घात चक्र का विवरण या सारणी भी दी जाती थी, परंतु आजकल नहीं दी जाती है। हालांकि इसको अब कोई महत्व भी नहीं देता है।

- किस राशि के लिए कौन नक्षत्र, मास, तिथि, वार, प्रहर चन्द्र आपके लिए शुभ है या अशुभ है यह जानना ही चंद्र घात के अंतर्गत आता है।
- किसी राशि विशेष के लिए एक ही दिन तीन से ज्यादा घात मिले तो उस दिन सावधानी बरतनी चाहिए।
- इन सब प्राचीन घात सूत्रों को ध्यान में रखने से घटना को कुछ हद तक टाला जा सकता है या उस घटना की भयावता को कम किया जा सकता है।
- सिंह राशि के लिए तृतीया तिथि एवं उस दिन शनिवार विशेष घातक माना गया है।
- जीवन में जन्म से तृतीय, पंचम, सप्तम दशाएं कष्टकारक होती है। उसे ध्यान में रखकर ही कोई कार्य करें।
- मेष की पहली, वृष की पांचवीं, मिथुन की नौवीं, कर्क की दूसरी, सिंह की छठी, कन्या की दसवीं, तुला की तीसरी, वृश्चिक की सातवीं, धनु की चौथी, मकर की आठवीं, कुम्भ की ग्यारहवीं, मीन की बारहवीं घड़ी घात चन्द्र मानी जाती है।
- कहते हैं कि चंद्र घात में यात्रा करने पर, युद्ध में जाने पर, कोर्ट कचहरी में जाने पर, खेती कार्य आरंभ करने पर, व्यापार शुरू करने पर, घर की नींव लगाने पर घात चन्द्र वर्जित मानी गई है।
- घात चन्द्र में रोग होने पर मौत, कोर्ट में केस दायर करने पर हार और यात्रा करने पर सजा या झूठा आरोप और विवाह करने पर वैधव्य होने की शंका व्यक्त की जाती है।
- मेषादि द्वादश राशियों के लिए क्रमशः 1, 5, 9, 2, 6, 10, 3, 7, 4, 8, 11, 12 घात चन्द्र दोष होता है। जैसे मेष राशि वालों के लिए मेष का, वृषभ राशि वालों के लिए वृषभ से पंचम कन्या का शेष इसी प्रकार घात चन्द्रमा होता है।
- मेषादि राशियों के लिए क्रमशः कृत्तिका, चित्रा, शतभीषा, मघा, धनिष्ठा, आर्दा, मूल, रोहिणी, पूर्वाभाद्रपदा, मघा, मूल और पूर्वाभाद्रपदा नक्षत्रों के क्रमशः 1-2-3-3-1-3-2-4-3-4-4 और 4 चरण नक्षत्र घात चरण होते हैं। राज सेवा, युद्ध और विवाद में घात चन्द्रमा वर्जित है।

हरसिंगार का घर के आसपास होने बहुत ही शुभ माना गया है

हरसिंगार के फूल बहुत ही सुंदर और सुगंधित होते हैं। यह घर आंगन की सुंदरता में चार चांद लगा देता है। इसका घर के आसपास होने बहुत ही शुभ माना गया है। बहुत ही आसानी से आप इसे किसी भी नर्सरी से खरीदकर अपने घर आंगन में लगाएं और जीवन में सुख, शांति और समृद्धि को निमंत्रण दें। आओ जानते हैं कि इसे घर आंगन में लगाने से क्या होगा।

- हरसिंगार का वृक्ष जिसके भी घर के आसपास होता है उसके घर के सभी तरह के वास्तुदोष दूर हो जाते हैं।
- हरसिंगार के फूलों को खासतौर पर लक्ष्मी पूजन के लिए इस्तेमाल किया जाता है लेकिन केवल उन्हीं फूलों को इस्तेमाल किया जाता है, जो अपने आप पेड़ से टूटकर नीचे गिर जाते हैं। जहां यह वृक्ष होता है वहां पर साक्षात लक्ष्मी का वास होता है।
- हरसिंगार के फूलों की सुगंध आपके जीवन से तनाव हटाकर खुशियां ही खुशियां भर सकने की ताकत रखते हैं। इसकी सुगंध आपके मस्तिष्क को शांत कर देती है। घर परिवार में खुशी का माहौल बना रहता है और व्यक्ति लंबी आयु प्राप्त करता है।
- हरसिंगार के ये अद्भुत फूल सिर्फ रात में ही खिलते हैं और सुबह होते-होते वे सब मुरझा जाते हैं। यह फूल जिसके भी घर-आंगन में खिलते हैं, वहां हमेशा शांति और समृद्धि का निवास होता है।
- हृदय रोगों के लिए हरसिंगार का प्रयोग बेहद लाभकारी है। इस के 15 से 20 फूलों या इसके रस का सेवन करना हृदय रोग से बचाने का असरकारक उपाय है, लेकिन यह उपाय किसी आयुर्वेदिक डॉक्टर की सलाह पर ही किया जा सकता है। इसके फूल, पत्ते और छाल का उपयोग औषधि के रूप में किया जाता है।
- हरसिंगार के फूल जिसके भी घर-आंगन में खिलते हैं, वहां हमेशा शांति और समृद्धि का निवास होता है। इसके फूल तनाव हटाकर खुशियां ही खुशियां भरने की क्षमता रखते हैं।

○ मोहम्मद शमी की वनडे टीम में हो सकती है वापसी

दिलीप ट्रॉफी फाइनल पर चयनकर्ताओं की नजर

नईदिल्ली, एजेंसी। भारतीय क्रिकेट टीम के अनुभवी तेज गेंदबाज मोहम्मद शमी की वनडे टीम में वापसी का रास्ता खुल सकता है. भारत को 27 सितंबर से वेस्टइंडीज के खिलाफ वनडे सीरीज खेलनी है और इस सीरीज के लिए टीम चयन के दौरान शमी के नाम पर भी चर्चा हो सकती है. इसकी बड़ी वजह भारत के कई प्रमुख तेज गेंदबाजों का उस समय एशियन गेम्स के लिए जापान में होना है.

एशियन गेम्स में होंगे भारत के प्रमुख तेज गेंदबाज – जापान में 19 सितंबर से एशियन गेम्स शुरू होने हैं. इसी दौरान भारतीय टी20 टीम इस टूर्नामेंट में हिस्सा लेगी. भारत के प्रमुख तेज गेंदबाज जसप्रीत बुमराह, अर्शदीप सिंह और हर्षित राणा एशियन गेम्स की टीम का हिस्सा होंगे. वहीं 27 सितंबर से भारत और वेस्टइंडीज के बीच वनडे सीरीज शुरू होनी है. ऐसे में बुमराह, अर्शदीप और हर्षित के वेस्टइंडीज के खिलाफ वनडे टीम का हिस्सा बनने की संभावना नहीं है. इससे चयनकर्ताओं को तेज गेंदबाजी विभाग में दूसरे विकल्पों की तरफ देखना होगा.

शमी ने फिटनेस को लेकर दिया जवाब – प्मोहम्मद शमी पिछले कुछ समय से अपनी फिटनेस को लेकर सवालों के घेरे में रहे हैं. मुख्य चयनकर्ता अजीत अगरकर भी उनकी फिटनेस को लेकर बयान दे चुके हैं.

सिराज, प्रसिद्ध कृष्णा और गुरनूर बरार रेस में

वेस्टइंडीज सीरीज के लिए तेज गेंदबाजों में मोहम्मद सिराज, प्रसिद्ध कृष्णा और गुरनूर बरार का नाम सामने आ रहा है. हालांकि चयनकर्ता अगर टीम में चार तेज गेंदबाज रखना चाहते हैं तो मोहम्मद शमी एक मजबूत विकल्प बन सकते हैं. शमी के पक्ष में सबसे बड़ी बात उनका अनुभव है. बुमराह की गैरमौजूदगी में भारतीय टीम के पास तेज गेंदबाजी विभाग में अनुभव के ज्यादा विकल्प मौजूद नहीं होंगे. ऐसे में शमी की वापसी टीम के पेस अटैक को मजबूती दे सकती है.

मोड्रिक ने संन्यास की अटकलों पर लगाया विराम

नेशंस लीग में खेलेंगे

नई दिल्ली, एजेंसी। मिलान लुका मोड्रिक ने क्रोएशिया के लिए अंतरराष्ट्रीय फुटबॉल खेलना जारी रखने का फैसला किया है। इसी के साथ उन अटकलों पर विराम लग गया, जिनमें अनुभवी मिडफील्डर के नेशनल टीम से संन्यास लेने के कयास लगाए जा रहे थे। क्रोएशियाई फुटबॉल फेडरेशन (एचएनएस) ने शनिवार को पुष्टि की है कि मोड्रिक चेक रिपब्लिक, स्पेन और इंग्लैंड के खिलाफ होने वाले नेशंस लीग मुकाबलों के लिए टीम का हिस्सा होंगे। यह फैसला मोड्रिक के हाल ही में फीफा वर्ल्ड कप में क्रोएशिया का प्रतिनिधित्व करने के बाद आया है, जहां उनकी टीम को राउंड ऑफ 32 में पुर्तगाल के हाथों 1-2 से हार का सामना करना पड़ा था। टूर्नामेंट के बाद उनके अंतरराष्ट्रीय भविष्य को लेकर संदेह पैदा हो गया था, खासकर इसलिए क्योंकि यह मिडफील्डर सितंबर में 41 साल का होने वाला है। हालांकि, नए नियुक्त हेड कोच स्लेवेन बिलिच और एचएनएस अध्यक्ष मारिजन कुस्टिक के साथ बातचीत के बाद मोड्रिक ने क्रोएशिया के आगामी आधिकारिक मुकाबलों के लिए खुद को उपलब्ध कराया है। एसी मिलान का यह मिडफील्डर क्रोएशिया के लिए एक अहम खिलाड़ी बना हुआ है, जिसने अपने देश के लिए 202 मैच खेले हैं। वह लगभग दो दशकों से नेशनल टीम का अहम हिस्सा रहे हैं और फीफा वर्ल्ड कप 2018 में क्रोएशिया के सफल सफर के दौरान उन्होंने अहम भूमिका निभाई थी, जब टीम रनर-अप रही थी। बिलिच ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म पर जारी एक आधिकारिक बयान में कहा, स्वाभाविक रूप से, लुका के फैसले से मुझे बेहद खुशी हुई है। हम सभी जानते हैं कि वह मैदान के अंदर और बाहर क्रोएशिया को क्या दे सकते हैं। मैं 14 साल बाद उनके साथ फिर से काम करने के लिए उत्साहित हूं। हम दोनों का एक ही मकसद है - क्रोएशिया को टॉप टीमों में बनाए रखना, जीत हासिल करना और दुनिया की बेहतरीन टीमों के बराबर लाना। मोड्रिक ने एसी मिलान के साथ अपना क्लब करियर भी जारी रखा है। इस मिडफील्डर ने हाल ही में इटैलियन क्लब के साथ अपना कॉन्ट्रैक्ट जून 2027 तक बढ़ा दिया है। क्रोएशिया के दिग्गज मिडफील्डर लुका मोड्रिक ने राष्ट्रीय टीम के साथ अपना सफर जारी रखने का फैसला किया है। इस फैसले के साथ उन्हें अब अपने 202 अंतरराष्ट्रीय मुकाबलों के रिकॉर्ड को और आगे बढ़ाने का मौका मिलेगा, साथ ही वह यूरोपीय फुटबॉल के सबसे शानदार अंतरराष्ट्रीय करियरों में से एक को और लंबा कर सकेंगे। मोड्रिक ने साल 2006 में क्रोएशिया के लिए सीनियर डेब्यू किया था और तब से वह टीम के अहम खिलाड़ी बने हुए हैं।

सीपीएल 2026

सुनील नरेन का चला जादू, त्रिनबागो नाइट राइडर्स ने बारबाडोस को 35 रन से हराया

बारबाडोस, एजेंसी। कैरेबियन प्रीमियर लीग (सीपीएल) 2026 का 27वां मुकाबला किंग्सटन ओवल, ब्रिजटाउन में खेला गया। बारबाडोस ट्राइडेंट्स और त्रिनबागो नाइट राइडर्स के बीच खेला गया। त्रिनबागो ने 35 रन से मैच जीता। बारबाडोस ने टॉस जीतकर गेंदबाजी का फैसला किया था। पहले बल्लेबाजी करने उतरी त्रिनबागो नाइट राइडर्स ने 6 विकेट पर 147 रन बनाए थे। कप्तान निकोलस पूरन ने 37 गेंदों पर 7 छक्कों और 2 चौकों की मदद से 59 रन की पारी खेली। इसके अलावा, सलामी बल्लेबाज कोलिन मुनरो ने 32 गेंदों पर 38 रन बनाए। किरोन पोलार्ड ने 15 और जोशुआ डा सिल्वा ने 10 रन बनाए थे। बारबाडोस के लिए गुडाकेस मोती ने 3, मुजीब उर रहमान ने 2 और जकीम पोलार्ड ने 1 विकेट लिए। 148 रन के सामान्य लक्ष्य का पीछा करने उतरी बारबाडोस की बल्लेबाजी पूरी तरह बिखर गई। बारबाडोस 18.3 ओवर में 112 रन पर सिमट गई और 35 रन से मैच हार गई। जैकरी कार्टर और शरफेन रदरफोर्ड ने 21-21 रन बनाए। इसके अलावा, डेनियल सैम्स ने 17, ब्रैंडन किंग्स और सैड्रैक डेसकार्टेस ने 16-16 रन बनाए। क्विंटन डि कॉक और रिवाल्डो क्लार्क जैसे बल्लेबाज शून्य पर आउट हुए। त्रिनबागो के लिए सुनील नरेन ने बेहतरीन और मैच विजयी स्पेल फेंका। नरेन ने 3.3 ओवर में 12 रन देकर 4 विकेट लिए। इसके अलावा, जेड गुली ने 4 ओवर में 20 रन देकर 3 विकेट लिए। लाहिरु कुमारा ने 2 और अकील हुसैन ने 1 विकेट लिया।

सुनील नरेन को प्लेयर ऑफ द मैच चुना गया

त्रिनबागो नाइट राइडर्स की सीजन के नौवें मैच में यह तीसरी जीत थी। 6 अंकों के साथ टीम छठे स्थान पर है। वहीं, बारबाडोस की सीजन के छठे मैच में यह चौथी हार थी। 4 अंक के साथ बारबाडोस आखिरी (सातवें) स्थान पर है। एंटिगुआ एंड बरबुडा फॉल्कंस 9 मैचों में 5 जीत के साथ 11 अंक लेकर पहले स्थान पर है।

रुमेश पथिरगे ने रचा इतिहास, डायमंड लीग खिताब जीतने वाले पहले श्रीलंकाई बने

ब्रसेल्स, एजेंसी। श्रीलंका के जैवलिन थ्रोअर रुमेश थरंगा पथिरगे ने इतिहास रच दिया है। वह डायमंड लीग चैंपियन बनने वाले पहले श्रीलंकाई बन गए हैं। दुनिया के नंबर 1 जेवलिन थ्रोअर रुमेश ने ब्रसेल्स के किंग बाउडैइन स्टेडियम में आयोजित डायमंड लीग फाइनल में खिताब जीत सीजन का अंत शानदार और यादगार अंदाज में किया। 23 साल के इस खिलाड़ी ने किंग बाउडैइन स्टेडियम में अपनी तीसरी कोशिश में 89.04 मीटर की बड़ी दूरी तय करके जीत पक्की की। पोलैंड के डेविड वेगनर 87.47 मीटर दूसरे स्थान पर रहे। पूर्व ओलंपिक चैंपियन त्रिनिदाद और टोबैगो के केशोर्न वालकॉट ने

सीजन का सबसे अच्छा थ्रो फेंका और 83.99 मीटर के साथ तीसरा स्थान हासिल किया। ग्रेनेडा के दो बार के वर्ल्ड चैंपियन एंडरसन पीटर्स 83.70 मीटर के साथ चौथे स्थान पर रहे। जीत के बाद रुमेश ने कहा, 'मैं डायमंड लीग फाइनल जीतने वाला पहला श्रीलंकाई हूं और इससे मुझे बहुत गर्व है। मैं डायमंड लीग में मुकाबला करने के लिए बहुत उत्सुक था और मैं बहुत खुश हूं कि मुझे फाइनल में जीत मिली। मुझे पता है कि मैं आज 89.04 से कहीं बेहतर कर सकता था, लेकिन हालात मुश्किल थे। मुझे बहुत ज्यादा तापमान की आदत है। मैं अगले कुछ सालों में अटैक करने और मीटिंग रिकॉर्ड तोड़ने की कोशिश करूंगा।' इस जीत ने श्रीलंकाई खिलाड़ी के लिए एक शानदार डायमंड लीग कैंपेन पूरा किया, जो सीजन के दौरान शानदार प्रदर्शन के बाद सर्किट लीडर के तौर पर फाइनल में पहुंचे थे। श्रीलंकाई स्टार ने इस सीजन में शानदार प्रदर्शन किया है, जिसमें उनके पांच डायमंड लीग मैचों में से चार में जीत मिली है। वह रबात में अपनी सीरीज में डेब्यू करते हुए दूसरे नंबर पर रहे, लेकिन रोम और ज्यूरिख दोनों जगह उन्होंने 92 मीटर से ज्यादा फेंका, और अब तक के टॉप टेन थ्रोअर में शामिल हो गए। रोम में श्रीलंकाई खिलाड़ी की 92.62 मीटर की वर्ल्ड लीड ने उन्हें इस सीजन में वर्ल्ड रैंकिंग में टॉप पर पहुंचने में मदद की है। 2022 में चैंपियन रहे भारतीय स्टार नीरज चोपड़ा ने इंजरी की वजह से फाइनल में हिस्सा नहीं लिया था।

साई ने झटके 5 विकेट

साई किशोर की बेहतरीन गेंदबाजी, ग्लॉस्टरशायर की डर्बीशायर पर रोमांचक जीत

ब्रिस्टल , एजेंसी। आर साई किशोर (5 विकेट) की बेहतरीन गेंदबाजी की बदौलत ग्लॉस्टरशायर ने रॉथसे काउंटी चैंपियनशिप डिविजन दो मैच के बेहद रोमांचक अंत में डर्बीशायर को 213 रन से हरा दिया। सीट यूनिक स्टेडियम में खेले गये मुकाबले में ग्लॉस्टरशायर के इस विदेशी खिलाड़ी ने 18 ओवर में 20 रन देकर 5 विकेट लिए। 319 रन के लक्ष्य का पीछा कर रही बेबस डर्बीशायर की टीम आखिरी सत्र में 39 ओवर के अंदर केवल 105 रन पर सिमट गई। एड मिडलटन ने 17 रन देकर 2 विकेट और ओली प्राइस ने 59 रन देकर 3 विकेट लिए। डर्बीशायर के सभी 10 विकेट स्पिन गेंदबाजो ने झटके। यह घरेलू टीम के लिए किस्मत में शानदार बदलाव था, क्योंकि मैच के पहले दिन उसका स्कोर पांच विकेट पर मात्र 37 रन था। इससे पहले ग्लॉस्टरशायर ने अपनी दूसरी पारी में 210 रन और जोड़े। माइल्स हैमंड ने 118 और जेम्स ब्रेसी ने नाबाद 104 रन बनाए। दोनों ने चौथे विकेट के लिए 165 रन की बड़ी साझेदारी की और ग्लॉस्टरशायर ने 5 विकेट पर 359 रन बनाकर पारी घोषित की। ब्रेसी 2007 में ग्लॉस्टर के आकर्डेकन मीडो में एलेक्स गिडमैन के बाद प्रथम श्रेणी मैच में दो शतक लगाने वाले ग्लॉस्टरशायर के पहले खिलाड़ी बने। तालिका में सबसे नीचे चल रही ग्लॉस्टरशायर ने 19 अंक हासिल किए और लगातार छह हार का सिलसिला समाप्त किया। इस सीजन में उसकी दोनों जीत डर्बीशायर के खिलाफ ही आई हैं। ब्रिस्टल से डर्बीशायर को सिर्फ़ चार अंक मिले और टीम को भारी निराशा के साथ लौटना पड़ा। जब ग्लॉस्टरशायर ने 3 विकेट पर 149 रन से आगे खेलना शुरू किया, तब डर्बीशायर को जल्दी विकेट लेने की ज़रूरत थी। लेकिन फील्डिंग में उससे कई गलतियां हुईं। शोएब बशीर ने अपनी ही गेंद पर ब्रेसी का कैच छोड़ दिया, तब उनका स्कोर सिर्फ 5 रन था। वहीं मैट मॉन्टगोमरी ने वापसी का कैच हाथ से निकाल दिया और हैमंड को 77 रन पर जीवनदान मिल गया। ग्लॉस्टरशायर की चौथे विकेट की जोड़ी ने इसका पूरा फ़ायदा उठाया और 143 गेंदों में शतकीय साझेदारी कर मैच पर अपना दबदबा बना लिया। ब्रेसी ने 75 गेंदों में अपना अर्धशतक पूरा किया।

ग्लॉस्टरशायर ने डर्बीशायर को 9 विकेट से हराया

वहीं हैमंड ने जैक मॉर्ली की गेंद को फाइन लेग की ओर खेला और दो रन लेकर 182 गेंदों में इस सीजन का अपना तीसरा और करियर का आठवां प्रथम श्रेणी शतक पूरा किया। डर्बीशायर ने नई गेंद ली और तेज़ गेंदबाज़ बेन एटचिसन और ब्रेट रैंडेल को दोबारा गेंदबाज़ी पर लगाया। लेकिन ब्रेसी और हैमंड ने लंच तक स्कोर को 3 विकेट पर 268 रन तक पहुंचा दिया। ग्लॉस्टरशायर को सुरक्षित स्थिति में पहुंचाने के बाद हैमंड ने मार्टिन एंडरसन की गेंद को मिडविकेट की ओर खेला, जहां मॉन्टगोमरी ने उनका कैच पकड़कर उनकी पारी ख़त्म कर दी। हैमंड ने समझदारी से डिफेंस और आक्रमण का अच्छा संतुलन बनाकर बल्लेबाजी की थी। इसके बाद ब्रेसी भी तीन अंकों तक पहुंच गए। उन्होंने 143 गेंदों पर सात चौकों और दो छक्कों की मदद से इस सीज़न का अपना पांचवां शतक पूरा किया और टीम ने पारी घोषित कर दी। इसके साथ ही वह 1919 में हैरी स्मिथ के बाद एक मैच में दो शतक लगाने वाले ग्लॉस्टरशायर के पहले विकेटकीपर भी बने। डर्बीशायर को जीत के लिए लगभग सात रन प्रति ओवर की दर से रन बनाने थे, लेकिन उसकी कोशिश जीत से ज़्यादा मैच बचाने तक ही सीमित रही। ग्लॉस्टरशायर ने दोनों छोर से स्पिन गेंदबाज़ी शुरू की और बल्लेबाज़ के आसपास क़रीबी फ़ील्डर लगा दिए।

हमारी बल्लेबाजी लड़खड़ा गई, पूरी पारी के दौरान संघर्ष किया: फातिमा सना

नई दिल्ली, एजेंसी। दुबई पाकिस्तान को भारत के खिलाफ शनिवार को दुबई इंटरनेशनल स्टेडियम में खेले गए विमेंस एशिया कप 2026 के 9वें मुकाबले में 7 विकेट से करारी हार का सामना करना पड़ा। हार के बाद पाकिस्तानी कप्तान फातिमा सना ने स्वीकार किया है कि उनकी टीम की बल्लेबाजी खराब रही और पूरी पारी के दौरान टीम ने संघर्ष किया। पाकिस्तानी कप्तान फातिमा सना ने टॉस जीतकर पहले बल्लेबाजी का फैसला लिया, लेकिन ये निर्णय टीम पर भारी पड़ गया और पाकिस्तानी टीम 18.1 ओवरों में सिर्फ 55 रन पर सिमट गई। आलम ये रहा कि पाकिस्तान के सिर्फ 2 बल्लेबाज दहाई का आंकड़ा छू सकीं। चार खिलाड़ी अपना खाता तक नहीं खोल सकीं। पहले बल्लेबाजी करने के फैसले पर पाकिस्तानी कप्तान ने कहा, हमारी बल्लेबाजी लड़खड़ा गई पूरी पारी के दौरान हमने संघर्ष किया। हमें पता था कि विकेट ताजा है और हम अधिक से अधिक रन बनाना चाहते थे। हमें भरोसा था कि हमारी गेंदबाजी इकाई अच्छी है। आसान लक्ष्य का पीछा करने उतरी भारतीय टीम ने 29 के स्कोर तक अपने 3 विकेट गंवा दिए थे। हालांकि, इसके बाद टीम ने 8.4 ओवरों में 7 विकेट शेष रहते मैच अपने नाम कर लिया। पाकिस्तान के लिए तीनों विकेट फातिमा सना (3 ओवरों में 17 रन देकर 3 विकेट) हासिल किए। कप्तान सना निजी उपलब्धि से ज्यादा टीम की जीत को तरजीह देती हैं। उन्होंने कहा, मैंने तीन विकेट लिए, लेकिन फिर भी हम मैच हार गए, इसलिए इसका कोई मायने नहीं है। हमें जीत की जरूरत थी, इसलिए तीन विकेट लेने से कोई फर्क नहीं पड़ता। पाकिस्तानी टीम 2 में से 1 मैच गंवाने के बावजूद ग्रुप-ए की प्वाइंट्स टेबल में दूसरे स्थान पर मौजूद है। अब पाकिस्तानी टीम 7 सितंबर को अपने अंतिम ग्रुप मुकाबले में हांगकांग, चीन का सामना करेगी। ग्रुप-ए से भारत ने पहले ही सेमीफाइनल में जगह बना ली थी। अब पाकिस्तान (-0.569), थाईलैंड (-2.050) और हांगकांग, चीन (-3.575) क्रमशः दूसरे, तीसरे और चौथे पायदान पर हैं। यानी अगला मैच पाकिस्तान के लिए निर्णायक होगा। इस मुकाबले को लेकर पाकिस्तानी कप्तान ने कहा, हम वहां अच्छा क्रिकेट खेलने की कोशिश करेंगे, और आखिरी मैच में हम जीतने और फाइनल (नॉकआउट) में जाने की कोशिश करेंगे।

इतिहास में पहली बार एक साथ खेलेंगे रोनाल्डो और मेसी? जानें कब होगा मैच

नईदिल्ली, एजेंसी। क्रिस्टियानो रोनाल्डो और लियोनेल मेसी 37 बार एक दूसरे के खिलाफ खेले हैं, लेकिन अब इतिहास में पहली बार एक टीम के लिए खेल सकते हैं. कार्लोस टेवेज इसकी योजना बना रहे हैं, जो दोनों के टीममेट रहे हैं. पुर्तगाल के क्रिस्टियानो रोनाल्डो और अर्जेंटीना के लियोनेल मेसी फुटबॉल जगत के दो बड़े सितारे हैं. लगभग 15 सालों तक, उनकी प्रतिद्वंद्विता ने वर्ल्ड फुटबॉल में एक दौर को परिभाषित किया, खासकर ला लीगा में, जहां रोनाल्डो रियल मैड्रिड और मेसी बार्सिलोना के लिए खेलते थे. लेकिन अब इतिहास में पहली बार दोनों एक साथ, एक टीम के लिए खेल सकते हैं. दोनों के टीममेट रह चूके कार्लोस टेवेज ने एक खास इवेंट की योजना बनाई है. टीवाईसी स्पोर्ट्स की रिपोर्ट के मुताबिक, टेवेज ने बोका जूनियर्स के प्रेसिडेंट जुआन रोमन रिकेल्मे से 'ला बॉम्बोनेरा' में मैच कराने के बारे में बात की है. रिकेल्मे ने इसके लिए हामी भर दी है, जो टेवेज के साथ खेल चुके हैं. क्रिस्टियानो रोनाल्डो और लियोनेल मेसी में से कौन सबसे महान है, इस पर सालों से बहस होती रही है. नेशनल और क्लब लेवल पर दोनों दिग्गज 37 बार आमने सामने हो चुके हैं, हालांकि कभी दोनों एक टीम के लिए नहीं खेले. दोनों ने मिलकर 13 बैलन डी 'ओर जीते हैं.

दिसंबर में होगा मैच!

बोका जूनियर्स के लिए अपना प्रोफेशनल करियर शुरू करने वाले टेवेज ने 2021 में फुटबॉल से संन्यास ले लिया था. अब 5 साल बाद वह अपने फेयरवेल मैच की तैयारी कर रहे हैं. रिकेल्मे द्वारा हरी झंडी दिए जाने के बाद अधिकारी अब मैच की तारीख को तय करने पर काम कर रहे हैं. संभावना है कि ये मैच दिसंबर में होगा, जिससे बोका जूनियर्स का शेड्यूल प्रभावित न हो.

यूएस ओपन 2026

कोको गॉफ ने क्रिस्टीना बुच्सा को हराया, चौथे दौर में बनाई जगह

न्यूयॉर्क, एजेंसी। अमेरिका की स्टार टेनिस खिलाड़ी कोको गॉफ ने US Open 2026 में शानदार प्रदर्शन जारी रखते हुए स्पेन की क्रिस्टीना बुच्सा को सीधे सेटों में 6-3, 6-4 से हरा दिया। इस जीत के साथ चौथी वरीयता प्राप्त गॉफ ने लगातार पांचवीं बार US Open के चौथे दौर में जगह बना ली है। उनकी लगातार जीत का सिलसिला अब 9 मैचों तक पहुंच गया है।

बुच्सा ने शुरुआत में गॉफ को दिया झटका – आर्थर ऐश स्टेडियम में खेले गए मुकाबले की शुरुआत गॉफ के लिए आसान नहीं रही। बुच्सा ने आक्रामक शुरुआत करते हुए पहले सेट में 3-1 की बढ़त बना ली थी। हालांकि, गॉफ ने जल्द ही लय हासिल की और अगले छह में से पांच गेम अपने नाम कर लिए। उन्होंने एक शानदार सर्व के साथ पहला सेट 6-3 से अपने नाम किया, जिसका बुच्सा के पास कोई जवाब नहीं था।

दूसरे सेट में भी कांटे की टक्कर – दूसरे सेट में दोनों खिलाड़ियों के बीच कड़ा मुकाबला देखने को मिला। गॉफ ने 4-3 की बढ़त के लिए बुच्सा की सर्विस तोड़ी, लेकिन स्पेनिश खिलाड़ी ने तुरंत वापसी करते हुए स्कोर बराबर कर दिया। इसके बाद गॉफ ने मैच के आखिरी आठ अंक लगातार जीतकर मुकाबला अपने नाम कर लिया और अंतिम-16 में पहुंच गईं।

सर्विस में परेशानी के बावजूद गॉफ का दबदबा

गॉफ का यह प्रदर्शन पूरी तरह बेदाग नहीं रहा। उन्होंने अपनी पहली सर्विस का आधे से भी कम हिस्सा कोर्ट में डाला और छह डबल फॉल्ट किए। इसके बावजूद जब उनकी पहली सर्विस लगी तो वह बेहद प्रभावी रहीं। उन्होंने पहली सर्विस पर 27 में से 20 अंक जीते। गॉफ ने 9 में से 4 ब्रेक पॉइंट कन्वर्ट किए और नेट पर 22 में से 15 अंक अपने नाम किए। उनकी शानदार डिफेंस और कोर्ट पर तेज मूवमेंट एक बार फिर निर्णायक साबित हुई।

दिन के हालात में शुरुआत में हुई परेशानी

गॉफ ने माना कि दिन के समय खेले गए मुकाबले की परिस्थितियों में उन्हें शुरुआत में लय हासिल करने में परेशानी हुई थी। हालांकि, मैच आगे बढ़ने के साथ उन्होंने खुद को परिस्थितियों के अनुसार ढाल लिया। गॉफ ने कहा, 'वह एक मुश्किल खिलाड़ी हैं। वह कभी खेल की गति तेज कर सकती हैं और कभी धीमी। इसलिए मेरे लिए लय हासिल करना मुश्किल था, लेकिन मैं खुश हूं कि जब मैं अपना सर्वश्रेष्ठ टेनिस नहीं खेल रही थी, तब भी मैंने मुकाबला लड़कर जीत हासिल की।'

'लव लॉटरी' में मुख्य भूमिका में दिखाई देंगी हेली दारूवाला

हेली दारूवाला ने टेलीविजन के चर्चित धारावाहिकों से लेकर फिल्मों तक अपने अभिनय के अलग-अलग रंग दिखाए हैं। एकता कपूर के लोकप्रिय धारावाहिक 'नागिन 3' में खलनायिका की भूमिका से पहचान बनाने के बाद वह वर्ष 2025 में 'एक चतुर नार' में टीना गुप्ता की नकारात्मक भूमिका में नजर आईं। अब वह अरविंद पांडे के निर्देशन में बनी 'लव लॉटरी' में अक्षय ओबेरॉय के साथ मुख्य भूमिका में दिखाई देंगी।

आपको टेलीविजन ने पहचान दी। क्या कभी ऐसा लगा कि उस लोकप्रियता ने आपको एक खास छवि (टाइपकास्ट) में बांध दिया? बतौर अभिनेत्री आपके भीतर सबसे बड़ा बदलाव क्या आया है?

मैंने टेलीविजन में अलग-अलग तरह की भूमिकाएँ की हैं। मैंने कोई ऐसा शो नहीं किया जो सालों-साल चले और मैं एक ही किरदार में बंध जाऊं। मैंने कोई टिपिकल 'सास-बहू' ड्रामा भी नहीं किया है। मेरा सफर स्कूल और कॉलेज वाले शोज से शुरू हुआ, फिर कजिन्स पर आधारित शो किया और बाद में 'नागिन' जैसा ग्लैमरस शो किया। इसलिए मेरी ऐसी कोई एक छवि नहीं बनी जिससे मुझे बंधने का अहसास हो।

'एक चतुर नार' के बाद आपने फिर से रहस्य और अपराध (सस्पेंस/क्राइम) से जुड़ी कहानी चुनी, जिसमें मर्डर, मिस्ट्री और कोर्टरूम ड्रामा है। इसे चुनने की क्या वजह रही?

इसके बाद मेरे पास यही फिल्म आई और मुझे इसका अपना किरदार बहुत दिलचस्प लगा। ऐसा रोल मैंने पहले कभी नहीं किया था। एक एक्टर के तौर पर मैं अलग-अलग तरह के किरदार निभाना चाहती हूँ, इसीलिए मैंने इसे चुना।

अक्षय ओबेरॉय जैसे अनुभवी अभिनेता के साथ काम करते हुए अपने किरदार के लिए क्या अतिरिक्त तैयारी की?

अनुभवी तो हम दोनों ही हैं, लेकिन हाँ, मैंने उनका काम देखा है। रीडिंग सेशन के दौरान मैंने उनसे काफी टिप्स और इनपुट्स लिए। जब आप साथ में काम कर रहे होते हैं, तो सामने वाले का नजरिया समझना बहुत जरूरी होता है। अक्षय के साथ केमिस्ट्री बहुत अच्छी रही, वह बहुत बेहतरीन इंसान हैं और उनसे बहुत कुछ सीखने को मिला।

इस फिल्म की कहानी में चेहरे के भाव और ठहराव (साइलेंस) भी उतने ही महत्वपूर्ण हैं जितना संवाद। बिना बोले भी अभिव्यक्ति देनी पड़ती है। ऐसा कोई दृश्य जिसने चुनौती दी हो?

हाँ, ऐसे कई सीन थे। इस किरदार की भावनाएं और सोच मेरी वास्तविक जिंदगी से बिल्कुल अलग थीं। मैं असल जिंदगी में वैसी इंसान नहीं हूँ। इसलिए खुद को अलग रखकर एक नकारात्मक या जटिल सोच वाले किरदार की भावनाओं को महसूस करना और स्क्रीन पर उतारना चुनौतीपूर्ण था।

सस्पेंस फिल्मों में कलाकारों को दर्शकों से भी काफी कुछ छुपाना पड़ता है, अपने किरदार की परतें नियंत्रित रखनी होती हैं। यह कितना कठिन था?

यह काफी एक्साइटिंग था। एक एक्टर का काम ही यही है कि वह दर्शकों को केवल वही दिखाए जो उस सीन के लिए जरूरी है, न कि अपने मन की बात। मुझे इसके अलग-अलग शेड्स प्ले करने में बहुत मजा आया।

आजकल सोशल मीडिया पर फैन फॉलोइंग और लोकप्रियता का दबाव रहता है। क्या इसका असर कलाकारों के वास्तविक अभिनय पर पड़ता है?

यह हर इंसान की व्यक्तिगत सोच है कि वह सोशल मीडिया या फेम को कैसे लेता है। मेरे फैंस और फॉलोअर्स मुझसे इसलिए जुड़े हैं क्योंकि उन्हें मेरा काम (टेलीविजन, ओटीटी या डांस) पसंद आया है। वे हमेशा मेरे अगले प्रोजेक्ट का इंतजार करते हैं। सोशल मीडिया से मुझे दबाव नहीं, बल्कि और अच्छा काम करने की प्रेरणा और उत्साह मिलता है।

फिल्म 'लव लॉटरी' को लेकर क्या उम्मीदें हैं

यह एक पूरी तरह से स्टोरी-ड्रिवन (कहानी पर आधारित) फिल्म है। इसमें काफी ट्विस्ट एंड टर्न्स, सस्पेंस, थ्रिलर के साथ-साथ रोमांस और अच्छे गाने भी हैं। मुझे उम्मीद है कि दर्शक इससे जरूर जुड़ पाएंगे और इसे पसंद करेंगे।

प्रेशर को पॉजिटिव रूप से देखता हूं

दिग्गज निर्देशक राजकुमार हिरानी इस साल अपनी पहली वेब सीरीज 'प्रीतम एंड पेड्रो' लेकर आए। इसकी सफलता, ओटीटी के बदलते मिजाज आदि पर उन्होंने खास बातचीत की...

क्या सोचा था कि पहला ओटीटी प्रोजेक्ट इतना सफल रहेगा?

ओटीटी को लेकर सालों से माना जाता रहा है कि यहां गंभीर और क्राइम जैसी कहानियां ज्यादा चलती हैं। इसलिए जब हम इसे लिख रहे थे तो शुरुआत में लगा कि फिल्म की तरह जल्दी जल्दी कहानी कह रहे हैं। मन में इसे लेकर शंका थी, लेकिन जब सीरीज को अच्छे नंबर मिलने लगे तो तसल्ली हुई कि हमारा रास्ता सही है। हमारा मानना है कि अगर कहानी दिल से लिखी जाए तो वह दर्शकों को जरूर पसंद आती है।

सीरीज बनने के लिए आपने इसी विषय को क्यों चुना?

जब कोई कहानी नई लगती है तो उसे कहने की इच्छा होती है। साइबर क्राइम पर कई फिल्में देखी थीं, लेकिन उनमें सिर्फ ऊपरी बातें दिखाई गई थीं। पहली बार पता चला कि किसी क्राइम को तकनीकी तरीके से कैसे सुलझाया जाता है। जैसे सीरीज में एटीएम चोरी के मामले को साइबर तकनीक की मदद से ट्रैक करने की पूरी प्रक्रिया दिखाई गई है। यही बात मुझे रोचक लगी और लगा कि फ्रॉड पकड़ने की ऐसी कहानी ओटीटी के लिए ज्यादा सही है, सिनेमा के लिए नहीं।

'प्रीतम एंड पेड्रो' को कॉमेडी के साथ जोड़ने का विचार कैसे आया?

कहानी कहने के कई तरीके होते हैं और उनमें कॉमेडी सबसे दिलचस्प तरीका है। साइबर क्राइम जैसे गंभीर विषय पर पहले से काफी कंटेंट बन रहा था, इसलिए मैंने इसे थोड़ा हल्का और मजेदार रखना चाहा। इसमें एक तरफ साइबर क्राइम की कहानी है, तो दूसरी तरफ दो दोस्तों की भी, जिनमें एक कंप्यूटर नहीं जानता और दूसरा क्राइम ब्रांच। मुझे वैसे भी हंसाने वाली कहानियां ज्यादा पसंद हैं।

क्या आप हमेशा एक हिट फिल्म देने का प्रेशर महसूस करते हैं?

जब भी कोई फिल्म बनती है, हम चाहते तो यही हैं कि ज्यादा से ज्यादा लोग उसे पसंद करें। लिखने के दौरान वो विचार तो बना ही रहता है और इसी वजह से स्क्रिप्ट के साथ अधिक से अधिक समय बिताते हैं और यह कोई निगेटिव प्रेशर नहीं है, इसको मैं पॉजिटिव रूप से देखता हूं और आजकल हर तरह की चीज लोग देख चुके हैं तो बतौर फिल्ममेकर हमारी कोशिश दर्शकों को कुछ अलग तरह का कंटेंट देने की रहती है।

'मिर्जापुर' की गोलू और श्वेता त्रिपाठी में क्या है खास समानता? एक्ट्रेस ने खुद किया खुलासा

एक्ट्रेस श्वेता त्रिपाठी इन दिनों अपनी चर्चित फिल्म 'मिर्जापुर: द फिल्म' को लेकर सुर्खियों में हैं। फिल्म में एक बार फिर वह गोलू गुप्ता के अपने पसंदीदा किरदार में नजर आने वाली हैं। गोलू का किरदार श्वेता के करियर के सबसे चर्चित किरदारों में से एक रहा है। अब एक्ट्रेस ने बताया है कि गोलू और उनमें सबसे बड़ी समानता किताबों के प्रति प्यार है, इसलिए जब उन्हें गोलू के किरदार में किताबों से लगाव को समझाने का सीन किया, तो इसके लिए उन्हें अलग से तैयारी या रिसर्च करने की जरूरत नहीं पड़ी। श्वेता ने कहा, ''हर कलाकार की इच्छा होती है कि उसे कभी ऐसा किरदार मिले, जिसमें उसके व्यक्तित्व का कोई हिस्सा पहले से मौजूद हो। मेरे लिए गोलू कुछ ऐसा ही किरदार रही है। किताबों के प्रति गोलू का लगाव मुझे बहुत अपना लगा, क्योंकि मैं खुद भी कई सालों से किताबें पढ़ती आ रही हूं। मैं अक्सर किताबों की दुकान पर यह सोचकर जाती हूं कि मैं सिर्फ किताबें देखूंगी, लेकिन वहां से कम से कम तीन किताबें लेकर ही निकलती हूं।''

श्वेता ने कहा, ''पढ़ने की आदत ने मेरे सोचने और दुनिया को देखने का तरीका भी बदल दिया है। किताबों ने मुझे अलग-अलग तरह के लोगों को समझने में मदद की। एक कलाकार के लिए यह बहुत जरूरी होता है, क्योंकि किसी किरदार को निभाने से पहले यह समझना पड़ता है कि वह व्यक्ति किसी स्थिति में वैसा व्यवहार क्यों कर रहा है। किताबें इंसान को अपनी जिंदगी से बाहर निकले बिना कई अलग-अलग लोगों और उनकी जिंदगियों को समझने का मौका देती हैं।'' एक्ट्रेस ने कहा, ''किताबों ने मुझे लोगों के बारे में तुरंत राय बनाने से भी बचाया है। पढ़ने की वजह से मैं दूसरों को ज्यादा समझ पाती हूं और मेरे अंदर दूसरों की भावनाओं को महसूस करने की क्षमता बढ़ी है। इसके साथ ही किताबों ने मेरे अंदर लगातार कुछ नया जानने और सीखने की इच्छा भी बनाए रखी है। यही वजह है कि मुझे गोलू के किरदार में भी अपनी सोच की झलक दिखाई देती है।''

श्वेता ने कहा, ''गोलू और मेरे बीच सिर्फ किताबें ही एक समान चीज नहीं हैं। हम दोनों में सवाल पूछने और हर बात को बिना सोचे-समझे स्वीकार न करने की आदत भी है। हम दोनों कुछ नया सीखने को लेकर उत्सुक रहती हैं, लेकिन हमारे स्वभाव में एक बड़ा अंतर है। गोलू काफी शांत और कम बोलने वाली है, जबकि मैं खुद बातचीत करना और अपनी भावनाओं को खुलकर जाहिर करना पसंद करती हूं।'' बता दें कि 'मिर्जापुर: द फिल्म' का निर्देशन गुरमीत सिंह ने किया है। फिल्म को अमेजन एमजीएम स्टूडियोज ने एक्सेल एंटरटेनमेंट के साथ मिलकर प्रस्तुत किया है। रितेश सिधवानी और फरहान अख्तर इसके निर्माता हैं, जबकि कासिम जगमगिया और विशाल रामचंदानी फिल्म के सह-निर्माता हैं।

मालामाल वीकली 2 में नजर आएंगी ईशा देओल

ईशा देओल एक बार फिर उस जॉनर में वापसी कर रही हैं, जिसे वह हमेशा से पसंद करती रही हैं। एक्ट्रेस ने फिल्म पर बात करते हुए एक्साइटमेंट जाहिर की है।

ईशा देओल अब 'मालामाल वीकली 2' में नजर आएंगी। यह एक कॉमिक कैपर यानी मजेदार और मनोरंजन से भरपूर फिल्म है। ईशा के लिए यह फिल्म बिल्कुल सही समय पर आई है।

इससे पहले वह दो बिल्कुल अलग तरह की फिल्मों पर काम कर चुकी हैं- हॉरर-कॉमेडी 'घूंघट' और तेलुगु फिल्म 'SYG'। ईशा ने कहा, 'मुझे इस समय बिल्कुल यही चाहिए था- कुछ मजेदार, हल्का-फुल्का और हंसी से भरपूर। अभी मैंने दो बिल्कुल अलग तरह की फिल्में पूरी की हैं- हॉरर-कॉमेडी 'घूंघट' और तेलुगु फिल्म 'स्त्रव'। इसके बाद मैं एक पूरी तरह की कॉमिक कैपर फिल्म करना चाहती थी और 'मालामाल वीकली 2' बिल्कुल सही समय पर मेरे पास आई।'

ईशा देओल इससे पहले 'नो एंट्री', 'शादी नं. 1' और 'वन टू थ्री' जैसी कॉमेडी फिल्मों में काम कर चुकी हैं। एक्ट्रेस का कहना है कि कॉमेडी हमेशा से उनके दिल के करीब रही है।

ईशा ने बताया कि फिल्म की स्क्रिप्ट ने उन्हें इस प्रोजेक्ट का हिस्सा बनने के लिए सबसे ज्यादा आकर्षित किया। उन्होंने कहा, ''नो एंट्री', 'शादी नं. 1' और 'वन टू थ्री' जैसी फिल्में करने के बाद कॉमेडी एक ऐसा स्पेस है, जिसे मैंने हमेशा पसंद किया है और जिसमें मैं वापस आना चाहती थी। इसकी स्क्रिप्ट बहुत मजेदार है और मुझे सच में लगता है कि हर कोई इसे पसंद करेगा। मैं बहुत खुश हूं कि मैं ऐसी फिल्म का हिस्सा हूं, जो पूरी तरह मस्ती, हंसी और मनोरंजन से भरपूर है।'

रितेश से एल्विश तक ये सितारे आएंगे नजर

'मालामाल वीकली 2' की कास्ट को लेकर अब तक सामने आई रिपोर्ट्स में रितेश देशमुख, परेश रावल, राजपाल यादव, एल्विश यादव, रवीना टंडन, परिणीति चोपड़ा, शिल्पा शिरोडकर, फरदीन खान के नाम शामिल हैं। फिल्म का निर्देशन 'तेरी बातों में ऐसा उलझा जिया' फेम अमित जोशी करेंगे और इसकी शूटिंग नवंबर से शुरू हो सकती है।

श्वेता बसु की एंट्री से बढ़ेगा 'असुर 3' का सस्पेंस

वेब सीरीज 'असुर' के तीसरे सीजन को लेकर बड़ा अपडेट सामने आया है। अरशद वारसी और बरुण सोबती की इस साइकोलॉजिकल क्राइम थ्रिलर सीरीज की शूटिंग सितंबर 2026 से शुरू होने की तैयारी है। इसकी स्क्रिप्ट भी लॉक हो चुकी है। तीसरे सीजन में श्वेता के किरदार की डिटेल फिलहाल गोपनीय रखी गई है। माना जा रहा है कि उनकी एंट्री कहानी में नई परत जोड़ेगी। वह सीरीज में नया सस्पेंस जोड़ेंगी। वहीं, कास्टिंग अभी जारी है और आने वाले दिनों में कुछ और नाम सामने आएंगे। इस बार 'असुर 3' में कैमरे के पीछे भी बदलाव होगा। सीरीज के क्रिएटर और राइटर गौरव शुक्ला पहली बार निर्देशन की कमान संभालेंगे।

कार्थी की फिल्म में दिखेंगी नयनतारा

अभिनेता कार्थी ने हाल ही में निर्देशक मोहन राजा के साथ अपनी नई फिल्म का ऐलान किया है। अब रिपोर्ट्स में दावा किया जा रहा है कि फिल्म में उनके साथ नयनतारा या तृषा कृष्णन मुख्य भूमिका निभा सकती हैं। हालांकि, मेकर्स ने अभी तक इस कास्टिंग की पुष्टि नहीं की है। रिपोर्ट्स के मुताबिक... फिल्म के लिए नयनतारा पहली पसंद हैं। अगर वह इस प्रोजेक्ट का हिस्सा बनती हैं तो 'काश्मोरा' के बाद यह उनकी और कार्थी की दूसरी फिल्म होगी। नयनतारा इससे पहले मोहन राजा के साथ 'थानी ओरुवन', 'वेलैक्कारण' और 'गॉडफादर' में भी काम कर चुकी हैं। अगर नयनतारा अपनी व्यस्तता के कारण फिल्म नहीं कर पाती हैं, तो मेकर्स तृषा कृष्णन से संपर्क कर सकते हैं।

गुजरात में 4,300 करोड़ की गुमनाम फंडिंग

'मनी लॉन्ड्रिंग' या ब्लैक मनी का खेल?

'वोट मिले हजारों, चंदा मिला अरबों! गुजरात में फंडिंग का बड़ा खेल?

सागर में जहरीली शराब का कहर, 11 लोगों की मौत करीब 35 की हालत गंभीर, कई के शरीर पड़े नीले

महानगर मेट्रो ब्यूरो

सागर। मध्य प्रदेश के सागर जिले में जहरीली शराब पीने से मौतों का आंकड़ा बढ़कर 11 पहुंच गया है। इनमें तीन लोगों की मौत शनिवार देर रात हुई। घटना के बाद नौरोजा और घुघरा खुर्द गांव में हड़कंप मचा हुआ है। करीब 35 लोगों को अस्पताल में भर्ती कराया गया है, जिनमें कई की हालत गंभीर बताई जा रही है। कुछ मरीजों के शरीर नीले पड़ने की जानकारी सामने आई है।

प्रशासन ने प्रभावित क्षेत्रों में मेडिकल टीमों को तैनात कर संदिग्ध मरीजों की जांच और इलाज की व्यवस्था तेज कर दी है। कलेक्टर प्रतिभा पाल के अनुसार, शनिवार सुबह करीब 4:30 बजे प्रशासन को सूचना मिली कि नौरोजा और घुघरा खुर्द गांव में कुछ लोग शराब पीने के बाद बीमार हो गए हैं। इसके बाद प्रभावित इलाकों में मेडिकल टीमों ने पहुंचकर लोगों की स्क्रीनिंग शुरू की। जिन लोगों में लक्षण पाए गए, उन्हें बुंदेलखंड मेडिकल कॉलेज भेजा गया। अब तक करीब 35 मरीज अस्पताल पहुंच चुके हैं। गंभीर मरीजों को बुंदेलखंड मेडिकल कॉलेज और सागर जिला अस्पताल में भर्ती कराया गया है। प्रशासन ने बीएमसी में संदिग्ध मरीजों के लिए अलग बेड की व्यवस्था भी की है, ताकि उनका उपचार और निगरानी प्रभावी तरीके से की जा सके। मामले में एक रिश्तेदार ने घटना की भयावह तस्वीर सामने रखी है। बम्हुराबेड़ा निवासी रामकुमार दांगी के अनुसार, उनके चचेरे भाई समेत गांव में चार लोगों की मौत हुई है। उनका दावा है कि तीन लोगों ने एक साथ शराब पी थी। इसके बाद अचानक उनके शरीर ठंडे पड़ने लगे और करीब आधे घंटे के भीतर उनकी मौत हो गई। हालांकि मौत के वास्तविक कारणों की पुष्टि जांच रिपोर्ट के बाद ही होगी।

हैदराबाद में बनेगा देश का सबसे बडा I डेटा सेंटर, 70 हजार करोड़ का मेगा निवेश

महानगर मेट्रो ब्यूरो

हैदराबाद। देश में आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस के बढ़ते इस्तेमाल के बीच हैदराबाद में भारत का सबसे बड़ा डेटा सेंटर कैंपस विकसित किए जाने की तैयारी है। यह मेगा प्रोजेक्ट टाटा समूह की टीसीएस की सब्सिडियरी कंपनी हाइपरवॉल्ट डेटा सेंटर लिमिटेड की ओर से तैयार किया जाएगा। कंपनी और उसके साझेदार इस पूरे प्रोजेक्ट पर करीब 70 हजार करोड़ रुपए का निवेश करेंगे।

प्रस्तावित डेटा सेंटर की क्षमता 1 गीगावॉट होगी। टीसीएस ने शनिवार को स्टॉक एक्सचेंज फाइलिंग में बताया कि इस परियोजना के लिए हैदराबाद में 264 एकड़ जमीन तय की गई है। डेटा सेंटर कैंपस को अलग-अलग चरणों में विकसित किया जाएगा। कंपनी का लक्ष्य इसे भारत में बड मॉडल और अत्याधुनिक कंप्यूटिंग जरूरतों के लिए प्रमुख केंद्र के रूप में तैयार करना है। कंपनी के मुताबिक, इस कैंपस में बड़ी टेक कंपनियों और स्टार्टअप्स की जरूरतों को ध्यान में रखकर अत्याधुनिक कंप्यूटिंग ढांचा तैयार किया जाएगा। यहां बड़े मॉडल की ट्रेनिंग, उनके संचालन और भारी डेटा प्रोसेसिंग के लिए हाई-परफॉर्मेंस ग्राफिक्स कार्ड और शक्तिशाली कंप्यूटिंग सिस्टम लगाए जाएंगे। इससे बड़े स्तर पर एप्लीकेशन और तकनीकों को विकसित करने में मदद मिलने की उम्मीद है। इतने बड़े कंप्यूटिंग सिस्टम से पैदा होने वाली गर्मी को नियंत्रित करने के लिए डेटा सेंटर में अत्याधुनिक कूलिंग तकनीक इस्तेमाल की जाएगी। हाइपरवॉल्ट के सीईओ दीपेश किरण नंदा के अनुसार, यहां एडवांस्ड लिक्विड कूलिंग और डायरेक्ट-टू-चिप कूलिंग सिस्टम लगाया जाएगा। इसके साथ हाई-स्पीड नेटवर्किंग और आधुनिक पावर मैनेजमेंट व्यवस्था भी तैयार की जाएगी, ताकि भारी कंप्यूटिंग काम बिना रुकावट जारी रह सके। प्रोजेक्ट को पर्यावरण के लिहाज से भी तैयार करने की योजना है। कंपनी के अनुसार, कैंपस में सौर और पवन ऊर्जा जैसी ग्रीन एनर्जी के इस्तेमाल पर जोर दिया जाएगा तथा पानी की बर्बादी को कम से कम रखने की व्यवस्था की जाएगी। इतने बड़े निवेश वाले इस प्रोजेक्ट से स्थानीय स्तर पर हजारों रोजगार के अवसर पैदा होने की उम्मीद है। निर्माण, इंजीनियरिंग, बिजली, नेटवर्किंग और अन्य संबद्ध क्षेत्रों को भी इससे फायदा मिलने की संभावना है। 70 हजार करोड़ रुपए के प्रस्तावित निवेश और 1 गीगावॉट क्षमता वाला यह प्रोजेक्ट भारत के और डिजिटल इंफ्रास्ट्रक्चर क्षेत्र के लिए महत्वपूर्ण माना जा रहा है। इसके तैयार होने के बाद हैदराबाद बड़े स्तर के AI कंप्यूटिंग और डेटा सेंटर इंफ्रास्ट्रक्चर के प्रमुख केंद्रों में शामिल हो सकता है।

संत रविदास जन्मस्थली की पावन मिट्टी से नागदा में गूंजा समरसता का संदेश

महानगर मेट्रो ब्यूरो

नागदा। संत शिरोमणि गुरु रविदास महाराज की 650वीं जयंती वर्ष के अवसर पर भाजपा के समरसता संकल्प अभियान के तहत वाराणसी स्थित संत रविदास जी की जन्मस्थली की पावन मिट्टी का कलश रविवार को नागदा पहुंचा। भाजपा नगर मंडल की अगवानी में पावन कलश का स्वागत किया गया। मंडल अध्यक्ष विजय पटेल के अध्यक्षता में शाम 6 बजे पुराना बस स्टैंड से भव्य कलश वंदन यात्रा निकाली गई।

यात्रा जवाहर मार्ग, महात्मा गांधी मार्ग, चंद्रशेखर मार्ग सहित नगर के प्रमुख मार्गों से होकर गुजरी। नगर मंडल के पदाधिकारी, सदस्य एवं महिला कार्यकर्ता हाथों में भगवा ध्वज लेकर यात्रा में शामिल हुए। धार्मिक भजनों और संत रविदास जी की महिमा के जयघोष से वातावरण भक्तिमय हो गया। मार्ग में नगरवासियों ने पुष्पवर्षा कर कलश का स्वागत किया तथा पुष्पमालाएं अर्पित कर संत रविदास जी के प्रति अपनी आस्था व्यक्त की। कलश का पूजन नगर मंडल अध्यक्ष विजय पटेल, भाजपा जिला महामंत्री राकेश यादव, नगर महामंत्री दौलतराम प्रजापत, नगर महामंत्री सूरज मकवाना, ग्रामीण मंडल अध्यक्ष गोवर्धन सिंह परिहार सहित पदाधिकारियों ने किया। आयोजन में सुबोध स्वामी, हरिकिशन लोहारवाड़, हिम्मत सिंह राठौड़, भवानी सिंह देवड़ा, रूपम सिंह ठाकुर तथा भाजपा जिला उज्जैन के कार्यालय मंत्री सुमेंर सिंह कालूखेड़ा सहित बड़ी संख्या में पार्टी के कार्यकर्ता, नगरवासी मौजूद रहे। संत रविदास जी के जीवन और विचारों से प्रेरणा लेते हुए अभियान के माध्यम से सामाजिक समानता, समरसता, मानवता, सेवा और भाईचारे का संदेश जन-जन तक पहुंचाने का प्रयास किया जा रहा है। नागदा में निकली कलश यात्रा इसी संकल्प की अभिव्यक्ति बनी। यात्रा के दौरान विभिन्न समाजों एवं वर्गों को एकता के सूत्र में जोड़ने और भेदभाव से मुक्त समाज के निर्माण का संदेश दिया गया।

10 अनजान पार्टियां, सिर्फ़ 43 कैंडिडेट और 14,500 वोट, करोड़ों के फंड के बावजूद: 'मनी लॉन्ड्रिंग' या ब्लैक मनी का खेल?

महानगर मेट्रो ब्यूरो

नई दिल्ली/अहमदाबाद। लोकसभा में विपक्ष के नेता और कांग्रेस MP राहुल गांधी ने एक चौंकाने वाली मीडिया रिपोर्ट का हवाला देते हुए इलेक्शन कमीशन और देश की रूलिंग पार्टी पर तीखा हमला किया है। एक सनसनीखेज दावा सामने आया है कि गुजरात में रजिस्टर्ड और जनता से पूरी तरह अनजान 10 पॉलिटिकल पार्टियों को 2019-20 और 2023-24 के बीच ?4,300 करोड़ का भारी डोनेशन मिला। जैसे ही यह आंकड़ा सामने आया, भारतीय पॉलिटिक्स में ज़ोरदार बहस छिड़ गई।

आंकड़े जो आपके होश उड़ा देंगे: करोड़ों का डोनेशन, लाखों का खर्च!

गुजरात ... मीडिया रिपोर्ट्स के मुताबिक, इन 10 गुमनाम पार्टियों ने 2019 और 2024 के लोकसभा और 2022 के गुजरात विधानसभा के तीन बड़े चुनावों में सिर्फ़ 43 उम्मीदवार खड़े किए। इन सभी उम्मीदवारों को मिलाकर पूरे गुजरात से सिर्फ़ 54,069 वोट मिले। चुनाव खर्च और ऑडिट रिपोर्ट में भारी अंतर: इलेक्शन कमीशन को सौंपी गई ऑफिशियल इलेक्शन रिपोर्ट में इन पार्टियों ने अपना चुनावी खर्च सिर्फ़ 39.02 लाख दिखाया। ऑडिट **बुक में करोड़ों में दिखाया गया खर्च-** जबकि उनकी अपनी ऑडिट रिपोर्ट और अकाउंट्स में ?3,500 करोड़ से ज़्यादा का खर्च दिखाया गया है। यह एक रहस्य बन गया है कि इतनी बड़ी रकम कहाँ से आई और उन पार्टियों के लिए कहाँ खर्च की गई, जिनके नाम गुजरात के लोगों ने कभी सुने भी नहीं।

राहुल गांधी के तीखे सवाल

कांग्रेस नेता राहुल गांधी ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म 'ङ्ग' पर पोस्ट करके इलेक्शन कमीशन की भूमिका पर गंभीर सवाल उठाए हैं

1. 'ये हज़ारों करोड़ रुपये कहाँ से आए? '
2. 'इन गुमनाम पार्टियों को असल में बैकएंड से कौन चला रहा है? '
3. 'यह सारा पैसा कहाँ इस्तेमाल हुआ और कहाँ डायवर्ट किया गया? '
4. 'क्या इलेक्शन कमीशन इस पूरे मामले की बिना किसी भेदभाव के जांच करेगा या यहाँ भी एफिडेविट मांगा जाएगा? '

क्या यह शेल पार्टियों के ज़रिए काले पैसे को ठिकाने लगाने का खेल है?

पॉलिटिकल एनालिस्ट और एक्सपर्ट्स के मुताबिक, इस बात का पक्का शक है कि इलेक्टोरल बॉन्ड कैंसिल होने के बाद ऐसी अनजान और कागजी पार्टियों का इस्तेमाल काले पैसे को सफेद करने के लिए किया जा रहा है। अगर इलेक्शन कमीशन इस मामले की सख्त जांच का आदेश नहीं देता है, तो लोगों का डेमोक्रेटिक और ट्रांसपेरेंट चुनावी प्रोसेस पर से भरोसा उठ जाएगा।

प्याज के दाम फिर 60 के पार, लेकिन देश में पैदावार पर्याप्त; आखिर क्यों बढ़ रही है कीमत?

महानगर मेट्रो ब्यूरो

नई दिल्ली। देश के कई बड़े शहरों में प्याज की कीमतों ने एक बार फिर आम लोगों की रसोई का बजट बिगाड़ना शुरू कर दिया है। दिल्ली, चेन्नई, भोपाल और लखनऊ समेत कई शहरों में प्याज के भाव 60 रुपए प्रति किलो के पार पहुंच गए हैं। बढ़ती कीमतों को नियंत्रित करने के लिए केंद्र सरकार ने 'कांदा एक्सप्रेस' के जरिए बड़े शहरों में प्याज की बिक्री शुरू की है। हालांकि सवाल यह है कि जब देश में प्याज की पैदावार जरूरत से ज्यादा बताई जा रही है, तो आखिर बाजार में इसकी कीमत लगातार क्यों बढ़ रही है? केंद्रीय कृषि मंत्रालय के आंकड़ों के मुताबिक वर्ष 2024-25 में देश में 307.67 लाख मीट्रिक टन प्याज का उत्पादन हुआ था। इस बार भी उत्पादन करीब 307.37 लाख मीट्रिक टन रहने का अनुमान है। दूसरी ओर देश में प्याज की सालाना घरेलू खपत करीब 200 लाख मीट्रिक टन बताई जाती है। कागजों पर देखें तो उत्पादन खपत से काफी ज्यादा है। इसके बावजूद बाजार में कीमत बढ़ना बताता है कि समस्या सिर्फ प्याज की कुल पैदावार की नहीं, बल्कि उसकी उपलब्धता, भंडारण और पूरे साल सप्लाई बनाए रखने की व्यवस्था से जुड़ी हुई है।

तीन फसलों पर टिकी रहती है प्याज की सप्लाई

भारत में प्याज की मुख्य रूप से तीन फसलें होती हैं। रबी की फसल मार्च से मई के बीच आती है और कुल उत्पादन में इसकी हिस्सेदारी करीब 70 प्रतिशत है। खास बात यह है कि इसी फसल को करीब 4 से 5 महीने तक स्टोर किया जा सकता है। खरीफ की फसल अक्टूबर से दिसंबर के बीच आती है और कुल उत्पादन में इसका हिस्सा करीब 20 प्रतिशत है। लेकिन इसे लंबे समय तक सुरक्षित रखना मुश्किल होता है। वहीं लेट-खरीफ की फसल जनवरी से मार्च के बीच आती है, जिसका हिस्सा करीब 10 प्रतिशत है। यह खरीफ की तुलना में कुछ बेहतर होती है, लेकिन इसकी भी भंडारण अवधि सीमित रहती है। देश में हर महीने करीब 17 लाख मीट्रिक टन प्याज की खपत होती है। यानी लगभग 50 किलो प्याज की करीब 3.4 करोड़ बोरियां हर महीने खप जाती हैं। समस्या यह है कि लोगों की मांग पूरे साल लगभग एक जैसी रहती है, लेकिन प्याज की आपूर्ति मौसम और फसल के हिसाब से बदलती रहती है। मई-जून से अक्टूबर-नवंबर तक देश की बड़ी जरूरत रबी की फसल के भंडारण पर निर्भर रहती है। ऐसे में रबी की फसल की गुणवत्ता, भंडारण क्षमता और बची हुई मात्रा बाजार की कीमतों को सीधे प्रभावित करती है। किसानों के लिए प्याज की सबसे बड़ी चुनौती सिर्फ उत्पादन नहीं, बल्कि उसे सुरक्षित रखना भी है।

स्कूल, घर और छुट्टियों की तस्वीरें डालने से पहले बरतें सावधानी; एआई और डीपफेक के दौर में बच्चों की डिजिटल सुरक्षा बनी बड़ी चिंता

महानगर मेट्रो ब्यूरो

नई दिल्ली। आज के दौर में सोशल मीडिया लोगों की रोजमर्रा की जिंदगी का अहम हिस्सा बन चुका है। माता-पिता भी अपने बच्चों से जुड़े खास पलों को सोशल मीडिया पर साझा करते रहते हैं। स्कूल फंक्शन, जन्मदिन, छुट्टियां, खेल प्रतियोगिता, पुरस्कार या बच्चे की कोई उपलब्धि हो, तस्वीरें और वीडियो तुरंत सोशल मीडिया मंचों पर पोस्ट कर दिए जाते हैं। कई बार इन पोस्ट पर बड़ी संख्या में लाइक और कमेंट भी मिलते हैं, लेकिन यही खुशी की तस्वीरें बच्चों की ऑनलाइन सुरक्षा के लिए खतरा भी बन सकती हैं। साइबर विशेषज्ञों के मुताबिक इंटरनेट पर किसी फोटो या वीडियो को अपलोड करने के बाद उस पर पूरी तरह नियंत्रण बनाए रखना मुश्किल हो

जाता है। कोई व्यक्ति उसे डाउनलोड करके दोबारा इस्तेमाल कर सकता है, दूसरे मंच पर साझा कर सकता है या गलत संदर्भ में इस्तेमाल कर सकता है। फोटो डिलीट करने के बाद भी उसकी कॉपी कहीं और मौजूद रहने की संभावना बनी रहती है। आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस और डीपफेक तकनीक के बढ़ते इस्तेमाल ने इस जोखिम को और गंभीर बना दिया है। सामान्य तस्वीरों को भी बदलकर उनका गलत इस्तेमाल किया जा सकता है। यही वजह है कि बच्चों की तस्वीरें सोशल मीडिया पर साझा करते समय माता-पिता को पहले से ज्यादा सतर्क रहने की जरूरत है। अक्सर माता-पिता यह ध्यान नहीं देते कि तस्वीर के साथ कितनी अतिरिक्त जानकारी सार्वजनिक हो रही है। बच्चे की स्कूल ड्रेस, स्कूल का नाम, पहचान पत्र, बस का नंबर, घर का पता, आसपास की दुकान या स्थान की पहचान और वास्तविक समय की लोकेशन जैसी छोटी-छोटी जानकारियां भी तस्वीर से सामने आ सकती हैं। गलत इरादे वाला व्यक्ति इन सूचनाओं को जोड़कर बच्चे और परिवार के बारे में काफी जानकारी जुटा सकता है। बच्चों की ऑनलाइन सुरक्षा को लेकर पिछले दिनों असम पुलिस ने एडवाइजरी जारी कर अभिभावकों को सोशल मीडिया पर बच्चों से जुड़ी जानकारी साझा करते समय सावधानी बरतने की सलाह दी। इंडियन साइबर क्राइम कोऑर्डिनेशन सेंटर यानी आई4सी की ओर से भी स्कूलों और माता-पिता को बच्चों की निजी जानकारी सोशल मीडिया पर सार्वजनिक करने से बचने की अपील की गई है। बच्चों की तस्वीर पोस्ट करने से पहले यह देखना जरूरी है कि उसमें स्कूल का नाम, पता, पहचान पत्र, यूनिफॉर्म की स्पष्ट जानकारी या लाइव लोकेशन तो नजर नहीं आ रही। सोशल मीडिया अकाउंट की गोपनीयता सेटिंग मजबूत रखना और अनजान लोगों को बच्चों से जुड़े पोस्ट तक पहुंच न देना भी जरूरी है।

सहारनपुर कलेक्ट्रेट में मस्जिद ढहाने के बाद मिला 20 फीट गहरा कुआं, उम्र जांचने पहुंचेंगे एएसआई विशेषज्ञ

महानगर मेट्रो ब्यूरो

सहारनपुर। सहारनपुर कलेक्ट्रेट परिसर में मस्जिद ढहाए जाने की कार्रवाई के बाद अब परिसर में मिले एक पुराने कुएं ने मामले को नया मोड़ दे दिया है। रविवार को मलबा हटाने के दौरान प्रशासन को जमीन के नीचे करीब 20 फीट गहरा और डेढ़ मीटर चौड़ा कुआं मिला। बताया गया कि कुआं पत्थर के स्लैब से ढका हुआ था। प्रशासन की ओर से कटर से स्लैब हटाने के बाद कुएं का हिस्सा दिखाई दिया। सुरक्षा को देखते हुए पुलिस ने फिलहाल इसे लोहे की चादर से ढक दिया है, ताकि मलबा या अन्य सामग्री उसके अंदर न गिरे। कुएं की वास्तविक उम्र और निर्माण से जुड़ी जानकारी सामने लाने के लिए प्रशासन ने भारतीय पुरातत्व सर्वेक्षण यानी एएसआई को जांच के लिए बुलाया है। मौके पर भारी पुलिस बल तैनात किया गया है और बैरिकेडिंग कर क्षेत्र में आम लोगों की आवाजाही रोक दी गई है। प्रशासन अब विशेषज्ञों की जांच के आधार पर यह पता लगाने की कोशिश करेगा कि कुआं कितना पुराना है और उसका ऐतिहासिक महत्व क्या है।

शिकायतकर्ता ने मंदिर होने का किया दावा

मस्जिद को लेकर शिकायत करने वाले विकास त्यागी ने दावा किया है कि जिस स्थान पर निर्माण था, वहां पहले मंदिर रहा होगा और बाद में उसे तोड़कर मस्जिद बनाई गई। उन्होंने मामले की जांच की मांग की है। हालांकि इस दावे की स्वतंत्र रूप से पुष्टि नहीं हुई है और कुएं की उम्र तथा स्थल के इतिहास को लेकर अंतिम जानकारी विशेषज्ञों की जांच के बाद ही सामने आएगी। शनिवार को प्रशासन ने करीब 16 घंटे तक बुलडोजर चलाकर निर्माण को ढहाया था। रविवार सुबह तक मलबा हटाने का काम चलता रहा। प्रशासन का कहना है कि यह कार्रवाई अदालत के आदेश के बाद की गई। वहीं मस्जिद पक्ष का आरोप है कि उन्हें हाईकोर्ट में अपील का पर्याप्त मौका नहीं दिया गया। पक्ष के वकील बाबर वसीम ने कार्रवाई के खिलाफ हाईकोर्ट जाने की बात कही है। मामले पर राजनीतिक बयानबाजी भी तेज हो गई है। सांसद चंद्रशेखर ने कहा कि वे इस मामले को सदन, अदालत और सड़क तक ले जाएंगे। उन्होंने सवाल उठाया कि मस्जिद गिराने में इतनी जल्दबाजी क्यों की गई।

राजभर ने अखिलेश पर साधा निशाना

मंत्री ओम प्रकाश राजभर ने सोशल मीडिया मंच एक्स पर सपा प्रमुख अखिलेश यादव को निशाना बनाते हुए सवाल किया कि क्या वे सहारनपुर जाकर कथित अवैध इमारत के मलबे के सामने फातिहा पढ़ेंगे। उनके इस बयान के बाद राजनीतिक बहस और तेज हो गई।

संजय सिंह ने कार्रवाई को बताया प्रशासनिक गुंडागर्दी

आम आदमी पार्टी के राज्यसभा सांसद संजय सिंह ने सहारनपुर की कार्रवाई पर सवाल उठाते हुए इसे 'प्रशासनिक गुंडागर्दी' बताया। उन्होंने कहा कि देश में पूजा स्थल अधिनियम लागू है और 1947 से पहले के धार्मिक स्थलों के स्वरूप को लेकर कानून में प्रावधान हैं। उन्होंने दावा किया कि सहारनपुर की मस्जिद 1911 की थी और वक्फ बोर्ड में दर्ज थी। संजय सिंह ने आरोप लगाया कि कार्रवाई से प्रदेश का माहौल बिगाड़ने की कोशिश की जा रही है। भाजपा नेता संगीत सोम ने मस्जिद शब्द का विरोध करते हुए कहा कि सहारनपुर में अवैध जमीन पर बनी अवैध इमारत का ध्वस्तीकरण किया गया है। उन्होंने दावा किया कि इमारत के नीचे करीब 400 साल पुराना कुआं मिला है। साथ ही उन्होंने कहा कि उत्तर प्रदेश में ऐसी सभी अवैध इमारतों के खिलाफ कार्रवाई की जाएगी। फिलहाल सहारनपुर कलेक्ट्रेट परिसर में मिले कुएं को लेकर कई सवाल खड़े हो गए हैं। इसकी वास्तविक उम्र, इतिहास और परिसर के पुराने स्वरूप को लेकर अब एएसआई की जांच महत्वपूर्ण मानी जा रही है। दूसरी ओर, ध्वस्तीकरण को लेकर राजनीतिक दलों के बीच आरोप-प्रत्यारोप जारी हैं। प्रशासन की ओर से सुरक्षा व्यवस्था कड़ी रखी गई है और जांच पूरी होने तक मौके पर किसी को जाने की अनुमति नहीं दी जा रही है।

Printed, Published and Owned by SARABJIT MAKAN and Printed by ILEVAN HASMUKHRAI THAKAR Printed at Jay Graphics & Printers, C/15, Vikram Chambers, Ashram Road, Ahmedabad - 380009. and published from F/1 first floor, rajas apartment, near old railway crossing, maninagar east maninagar, Ahmedabad, Gujarat-380008. Editor SARABJIT MAKAN, Mo.: 9638877700, 9662420070.